खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 13 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-13


### प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को प्रेरित किया, कहा

# राजनीति विकसित भारत का माध्यम बन सकती है

**नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देश के युवाओं को राजनीति में आने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि राजनीति अपने विचारों को लागू करने का सबसे शानदार माध्यम बन सकती है।

प्रधानमंत्री ने आज राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर भारत मंडपम में आयोजित भारत युवा नेता संवाद 2025 में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान 30 लाख से अधिक प्रतिभागियों में से योग्यता के आधार पर बहुत स्तरीय चयन प्रक्रिया से चुने गए 300 युवा नेताओं से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तीकरण, खेल, संस्कृति, स्टार्टअप, बुनियादी ढांचे आदि जैसे विषयों पर प्रेरक प्रस्तुतियाँ सुनीं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि केवल बात करने से ही विकसित भारत नहीं बनेगा। हमारे पास 25 साल का स्वर्णिम समय है। इस अमृत काल में आत्मविश्वास से भरी युवा शक्ति ही विकसित भारत का सपना सरकार करेगी।

**वो दिन भी दूर नहीं जब भारत गरीबी से मुक्त होगा**

स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें देश के नौजवानों पर बहुत भरोसा था। स्वामी जी कहते थे कि मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, नई पीढ़ी में है। स्वामी जी कहते थे कि उनके कार्यकर्ता नौजवान पीढ़ी से आएंगे और वो हर समस्या का समाधान निकालेंगे। उन्होंने कहा, जैसे विवेकानंद जी का आप पर भरोसा था, मेरा विवेकानंद जी पर भरोसा है, मुझे उनकी कही हर बात पर भरोसा है। उन्होंने विकसित भारत का अर्थ समझते हुए कहा कि यह आर्थिक, रणनीतिक, सामाजिक और संस्कृत रूप से सशक्त भारत है। इस विकसित भारत में कमाने और सीखने के भरपूर अवसर होंगे। दुनिया की सबसे बड़ी कौशल जनशक्ति होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश आज पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है और अगले दशक के अंत में यह 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी।

उन्होंने कहा, आज भारत की युवा शक्ति की ऊर्जा से यह भारत मंडपम भी ऊर्जा से भर गया है, ऊर्जावान बन गया है। आज पूरा देश स्वामी विवेकानंद को याद कर रहा है और उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है । भारत के स्वतंत्रता संग्राम पर विचार करते हुए उन्होंने कहा, भारत के लोगों ने स्वतंत्रता प्राप्त करने का संकल्प लिया था। ब्रिटिश साम्राज्य की ताकत क्या थी, उनके पास क्या नहीं था? लेकिन देश उठ खड़ा हुआ, स्वतंत्रता के सपने को जीना शुरू किया और भारत के लोगों ने स्वतंत्रता प्राप्त करके इसे दिखाया।

उद्घाटन सत्र में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया, केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, आनंद महिंद्रा, पालकी शर्मा, एस सोमनाथ, पवन गोयनका, अमिताभ कांत और रोनी स्क्रूवाला शामिल हुए। समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद स्वामी विवेकानंद को पुष्पांजलि अर्पित की गई, जिनके चिरस्थायी आदर्श देश के युवाओं को प्रेरित करते हैं। पीएम मोदी ने प्रतिभागियों द्वारा दस विषयों पर लिखे गए निबंधों का संकलन भी जारी किया, जिसमें प्रौद्योगिकी, ▶10 पर

### महाराष्ट्र में महायुति को मिली बंपर चुनावी जीत के बाद शिरडी में गरजे अमित शाह, कहा

# घमंडिया गठबंधन के टूटने की शुरुआत हो गई, दिल्ली में भी बनेगी भाजपा सरकार

**शिरडी, 12 जनवरी (एजेंसियां)।**

महाराष्ट्र में महायुति को मिली बंपर चुनावी जीत के बाद बीजेपी का शिरडी में प्रदेश स्तरीय सम्मेलन हो रहा है। इस सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि घमंडिया गठबंधन (इंडिया अलायंस) के टूटने की शुरुआत हो चुकी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में सबकुछ नजर आ रहा है। ममता और लालू छटपटा रहे हैं। वहीं उद्धव ठाकरे की शिवसेना अलग चुनाव लड़ रही है। अमित शाह ने दावा किया कि दिल्ली में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि 2024 में महाराष्ट्र में विजय मिली और अब 2025 में दिल्ली से जीत की शुरुआत होगी। अमित शाह ने कहा कि आने वाले महानगरपालिका और स्थानीय नगर निगम चुनाव में विधानसभा से भी बड़ी जीत बीजेपी की होनेवाली है।अमित शाह ने उद्धव ठाकरे पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे जो झूठ फ़रेब कर, बालासाहब के विचार त्याग कर सीएम बने, उन्हें उनकी जगह दिखाने का काम जनता ने कर दिया है। जो सत्ता में आने के सपने देख रहे थे उनके सपनो को चकना चूर किया इसके साथ हिंदुत्व और मोदी जी के विकास की राजनीति का साथ दिया।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में बीजेपी के साथ सच्ची शिवसेना और सच्ची एनसीपी को बड़ी जीत मिली है। शरद पवार की राजनीति को करारा जवाब मिला है। परिवार वाद की राजनीति करनेवालों को तमाचा लगाया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की जानता ने शरद पवार उद्धव ठाकरे को घर बिठाने का काम किया।

महाराष्ट्र की जनता ने इस पर मुहर लगाई है कि महाराष्ट्र सनातन संस्कृति को मानता है ।अमित शाह ने कहा कि हमारे चुनाव जीतने की नींव हमारा मज़बूत संगठन है। देवेंद्र फड़नवीस को दूसरी पूरी टर्म मिली है और वे नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर किसानों के खेत तक पानी पहुंचाएगी। अब हम अगली बार वोट मांगने आएंगे तो हर किसान के खेत तक पानी पहुंचा होगा । अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा, आपसे विनती है एक भी बूथ ऐसा न हो कि जहांढाई सौ से कम सदस्य हों। इस वर्ष ही मुंबई, नागपुर, पुणे, संभाजी नगर समेत कई महानगरपालिका और स्थानीय नगर निगम चुनाव होंगे, सभी जगह आप भगवा लहरा दो। पंचायत से पार्लियामेंट तक बीजेपी और एनडीए को जिताना है।

### स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पाडेक्स) मिशन

## स्पाडेक्स परीक्षण अभियान मील का पत्थर साबित होने के करीब पहुंचा : इसरो

**बेंगलुरु, 12 जनवरी (एजेंसियां)।**

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पाडेक्स) मिशन एक सफल परीक्षण डॉकिंग प्रयास के साथ ही एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर साबित होने के करीब पहुंच गया है। ऑपरेशन केवल 3 मीटर तक आगे बढ़ने से पहले 15 मीटर की दूरी तक आगे बढ़ा।

अभियान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस महत्वपूर्ण चरण के दौरान सभी निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अंतरिक्ष यान को बाद में एक सुरक्षित दूरी पर वापस ले जाया गया।

इसरो वैज्ञानिक अब मिशन के अगले चरणों का चार्ट बनाने के लिए परीक्षण के दौरान एकत्र किए गए डेटा का विश्लेषण कर रहे हैं। वास्तविक डॉकिंग प्रक्रिया निष्कर्षों के व्यापक मूल्यांकन के बाद शुरू होगी।

इसरो ने रविवार को एक 'एक्स' पोस्ट में कहा, 15 मीटर तक और उससे आगे 3 मीटर तक पहुंचने का परीक्षण प्रयास किया गया है। अंतरिक्ष यान को सुरक्षित दूरी पर वापस ले जाया जा रहा है। डेटा का और विश्लेषण करने के बाद डॉकिंग प्रक्रिया की जाएगी। अपडेट के लिए बने रहें। इससे पहले इसरो ने मिशन की प्रगति पर एक रोमांचक अपडेट प्रदान किया था, जिसमें एक ऐतिहासिक डॉकिंग घटना के प्रति इसके दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया था। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा, 15 मीटर की दूरी पर हम एक-दूसरे को और अधिक स्पष्ट रूप से देखते हैं, रोमांचक 'हैंडशेक' लिए हम सिर्फ 50 फीट की दूरी पर हैं।

स्पाडेक्स मिशन भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका लक्ष्य कक्षा में स्वायत्त डॉकिंग क्षमताओं को प्रदर्शित करना है। यह तकनीक मानव अंतरिक्ष उड़ान और गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण सहित भविष्य के अंतरिक्ष प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण है। इसरो के मिशन नियंत्रण द्वारा मिशन की बारीकी से निगरानी की जा रही है, वैज्ञानिकों ने सफल डॉकिंग प्राप्त करने के बारे में आशावाद व्यक्त किया है। इसरो के एक अधिकारी ने टिप्पणी की, यह उपलब्धि भारत की इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और नवाचार को ▶10 पर

# गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो होंगे मुख्य अतिथि

**नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)।**

26 जनवरी को भारत अपना गणतंत्र दिवस मनाएगा। हर साल इस मौके पर किसी न किसी देश के राष्ट्राध्यत्र मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होते रहे हैं। वहीं इस बार कयास लगाए जा रहे हैं कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो राष्ट्रीय राजधानी में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। माना जा रहा है कि नई दिल्ली द्वारा आपत्ति जताये जाने के बाद, सुबियांतो के भारत दौरा संपन्न करने के तुरंत बाद पाकिस्तान की यात्रा करने की संभावना नहीं है। हालांकि, पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, जकार्ता ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के भारत दौरे के बाद पाकिस्तान की यात्रा की योजना बनाई थी।

बता दें कि भारत ने अब तक इस साल के गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि की औपचारिक घोषणा नहीं की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुबियांतों के दौरे के दौरान उनके साथ व्यापक बातचीत करेंगे। भारत हर साल वैश्विक नेताओं को गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है। पिछले साल फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत के गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए थे। इससे पहले मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी 2023 में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर 2021 और 2022 में गणतंत्र दिवस पर कोई भी मुख्य अतिथि नहीं था। ▶10 पर

## ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

**नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)।**

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करने जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने भारत को आमंत्रित किया है। ऐसे में भारत की तरफ से विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर इसमें शामिल होने जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे।

इसकी जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि ट्रंप वेंस उद्घाटन समिति की ओर से दिए गए निमंत्रण पर विदेश मंत्री एस जयशंकर शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। माना जा रहा है कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद विदेश मंत्री अमेरिकी प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें भी करेंगे। इसके बाद बाकी लोगों से भी मुलाकात करेंगे।

उल्लेखनीय है कि नवंबर 2024 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए वोटिंग हुई थी, जिसमें भारी बहुमत के साथ डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता था। इसके बाद 6 जनवरी को यूनाइटेड स्टेट कांग्रेस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जीत को सर्टिफाई किया था।

### बांग्लादेश में हिंदुओं पर कट्टरपंथी हमले जारी

# यूनुस सरकार ने राजनीति बताकर किया किनारा

**ढाका, 12 जनवरी (एजेंसियां)।**

बांग्लादेश में लगातार हिंसा और कट्टरपंथी बर्बरता का सामना कर रहे हिंदू सहित दूसरे अल्पसंख्यक समुदाय को लेकर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का पूर्वाग्रह भरा रवैया सामने आया है। ऐसे हमलों को रोकने में अपनी विफलता पर पर्दा डालते हुए बांग्लादेश सरकार ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ हुए ज्यादातर हमलों को राजनीतिक करार दिया है। सरकार का कहना है कि हिंसा की कुछेक घटनाएं ही सांप्रदायिक थीं।

5 अगस्त को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से लगातार हिंदू आबादी के खिलाफ कट्टरपंथियों की हिंसक मुहिम को लेकर दुनिया भर में आलोचना का सामना कर रही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने दावा किया है कि हिंसा की कुछ घटनाएं ही सांप्रदायिक थीं, जबकि ज्यादातर मामले राजनीतिक थे।बांग्लादेश ट्रिब्यून के मुताबिक शनिवार को

बांग्लादेश सरकार ने पुलिस जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि 4 अगस्त के बाद से हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों पर हमले और बर्बरता की अधिकांश घटनाएं राजनीतिक थी और कुछ ही घटनाएं सांप्रदायिक थीं। पुलिस ने सांप्रदायिक हिंसा की शिकायतें सीधे प्राप्त करने और अल्पसंख्यक समुदाय के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए व्हाट्सएप नंबर जारी किया है।

अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की प्रेस विंग की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि पुलिस ने यह जांच बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के इस दावे के बाद की कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के ▶10 पर

### भारत-बांग्लादेश के बीच सीमा पर बढ़ी तनातनी, ढाका ने भारतीय उच्चायुक्त को किया तलब

**ढाका, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेक हसीना के अपदस्थ होते ही दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हो चुके हैं। अब पहली बार भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा पर भी तनातनी देखी गई है। बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सुरक्षा को सख्त कर दिया है। इससे कोई भी बांग्लादेशी घुसपैठिया भारत में प्रवेश नहीं कर पा रहा है। ▶10 पर

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28°
न्यूनतम : 17°

### चंदन गुप्ता हत्याकांड

# अब देश विरोधी तंत्र पर प्रहार की बारी

**नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)।**

देश विरोधी ताकतों द्वारा देश में अशांति फैलाने के कुत्सित प्रयास समय-समय पर होते रहे हैं। आतंकियों और दंगाइयों को वित्तपोषण से लेकर कानूनी मदद तक एक कथित इकोसिस्टम के द्वारा मिलती है। चंदन गुप्ता के मामले में भी ऐसा ही हुआ, जिस पर न्यायालय ने गंभीर चिंता जताई है।

इस इकोसिस्टम को चलाने के लिए देश में बहुत से एनजीओ सक्रिय हैं, जिनको विदेशों से पैसे मिलते हैं। इनका असल काम आधी रात को भी इस्लामी आतंकियों और कट्टरपंथियों के न्यायालय खुलवाना, मीडिया में प्रोपगेंडा करना, भ्रामकता फैलाना होता है। कभी मानवाधिकार के नाम पर, कभी महजब के नाम पर ये कट्टरपंथियों और आतंकियों के लिए ढाल बनकर खड़े हो जाते हैं।

आरोपियों को बचाने के लिए ये पूरी ताकत लगाते हैं। चंदन गुप्ता हत्याकांड में जब आरोपियों के खिलाफ अदालत में सुनवाई शुरू हुई, तब कासगंज में अपराधियों के समर्थन में निरंतर न्यायालय के बाहर भारी भीड़ जुटती थी, ताकि चंदन के परिवार पर मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया जा सके। बाद में ऐसा हुआ भी। चंदन गुप्ता के परिवार पर मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने वालों में आरोपियों के वकील मुनाजिर रफी का भी नाम था।

इससे परेशान होकर चंदन के पिता सुशील गुप्ता ने मामले की सुनवाई कहीं और कराने की अपील की। उनकी अपील पर मामला लखनऊ एनआईए अदालत में स्थानांतरित किया गया। तमाम तथ्यों और गवाहों के बयान के बाद विशेष अदालत के न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने 3 जनवरी को 129 पृष्ठों का फैसला सुनाया। न्यायालय ने 28 आरोपियों को उम्रकैद व जुर्माने के साथ आर्म्स एक्ट और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के अपराध के लिए भी सजा सुनाई।

**कथित इकोसिस्टम को चलाने के लिए देश में बहुत से एनजीओ सक्रिय**

इन एनजीओ की पृष्ठभूमि भारत विरोधी ही रही है। 1987 में अमृत विल्सन और कल्पना विल्सन द्वारा स्थापित साउथ एशिया सॉलिडेरिटी ग्रुप में श्रीलंका के पूर्व लिट्टे सदस्य निर्मला राजसिंघम सहित कई ऐसे नाम हैं, जो भारत विरोधी गतिविधियों में ही लिप्त रहते हैं। साउथ एशिया सॉलिडेरिटी ग्रुप ने हमेशा आतंकवादियों का समर्थन किया है और आतंकी समूहों से सहानुभूति रखते हुए अफजल गुरु को 'निर्दोष' बताया है, लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी बुरहान वानी की हत्या को 'न्यायिक हत्या', लश्कर-ए-तैयबा की इशरत जहां की मौत को भारतीय राज्य द्वारा 'हत्या' बताया है और खालिस्तानी आतंकी जगतार सिंह जोहल की गिरफ्तारी को 'गैरकानूनी'। यह संगठन ब्रिटेन में खालिस्तानियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। खालिस्तानी न्यूज पोर्टल 'सिख सियासत' के लिए लिखने से लेकर लंदन में भारत सरकार के खिलाफ उनके साथ विरोध प्रदर्शन करने तक, साउथ एशिया सॉलिडेरिटी ग्रुप ने आतंकी समूह खालिस्तान लिबरेशन फ्रंट के सदस्य जगतार सिंह जोहल उर्फ जग्गी की रिहाई की मांग की है। उत्तराखंड के हल्द्वानी मुद्दे पर, जहां मुसलमानों ने राज्य सरकार के खिलाफ अदालती आदेशों ▶10 पर


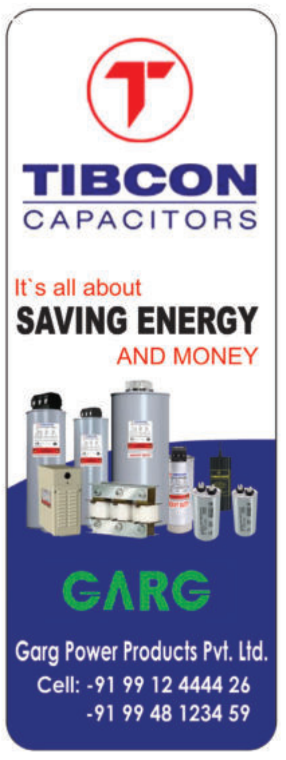

# नेपाल के 900 मेगावाट हाइड्रो पावर के लिए दो भारतीय कंपनियों का 4000 करोड़ से अधिक का निवेश

**काठमांडू, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** भारतीय कंपनी जीएमआर के पास रहे 900 मेगावाट क्षमता की अपर कर्णाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के लिए भारत की दो कंपनियों ने निवेश के लिए ऋण देने की सहमति दी है। इसके अलावा नेपाल के बैंकों से भी ऋण लेने की सहमति के बाद जल्द ही इस परियोजना के शुरू होने का विश्वास जताया जा रहा है।

जीएमआर ने इस परियोजना को बनाने के लिए 2009 में टेंडर लिया था लेकिन निवेश का स्रोत नहीं मिल पाने के कारण अब तक यह शुरू नहीं पायी थी। अब भारत की दो बड़ी कंपनियों पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन और इंडियन रिन्युवल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (आईआरईडीए) ने निवेश समझौते को स्वीकृति दे दी है।

अपर कर्णाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के लिए इन दोनों ही भारतीय कंपनियों के तरफ से प्रति कंपनी 2080 करोड़ रूपये निवेश को मंजूरी दे दी गई है। यह दोनों भारत सरकार की स्वामित्व वाली संयुक्त उपक्रम है।

नेपाल इन्वेस्टमेंट बोर्ड के प्रवक्ता प्रद्युम्न प्रसाद उपाध्याय ने बताया कि नेपाल के 9 अलग अलग बैंकों से 640 करोड़ रूपये ऋण की स्वीकृति मिल गई है। उन्होंने कहा कि अगले हफ्ते ही इन सभी निवेश करने वाले कंपनियों और बैंकों से अंतिम समझौता कर लिया जाएगा।

इस परियोजना की कुल लागत 14,632 करोड़ रूपये बताई गई है। 70 प्रतिशत ऋण बाहर से जुटाकर जीएमआर के तरफ से 30 प्रतिशत का निवेश किए जाने की जानकारी नेपाल इन्वेस्टमेंट बोर्ड के तरफ से दी गई है। अब तक 10 हजार करोड़ से अधिक निवेश की स्वीकृति मिल गई है।

जीएमआर के तरफ से निवेश नहीं जुटा पाने के कारण उसने नेपाल इलेक्ट्रिसिटी ऑथारिटी को 27 प्रतिशत शेयर मुफ्त में दे दिया है।

इसके अलावा जीएमआर ने भारतीय कंपनी इरेडा को पांच प्रतिशत शेयर और सतलज जलविद्युत निगम को 34 प्रतिशत शेयर दिया है।

## न्यूज ब्रीफ

### पाकिस्तान-चीन ने सीपीईसी 2.0 प्रोजेक्ट पर लिया फैसला, एक-दूसरे को बताया स्थाई दोस्त

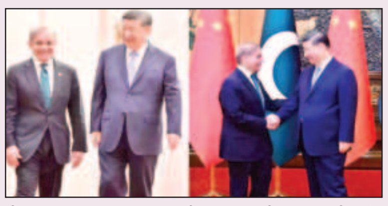

**बीजिंग।** पाकिस्तान और चीन ने अपनी साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। बीजिंग में हुई द्विपक्षीय राजनीतिक परामर्श (बीपीसी) की चौथे दौर की बैठक में दोनों देशों ने एक-दूसरे को दोस्त बताते हुए रिश्ते और बेहतर करने पर बल दिया। इस बैठक में अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के दूसरे चरण को आगे बढ़ाने पर भी सहमति बनी। बैठक में पाकिस्तान की विदेश सचिव आमना बलोच और चीन की उप विदेश मंत्री सुन वेइडोंग शामिल थीं। ये बैठक इसलिए अहम है क्योंकि बीते कुछ समय से चीन अपने नागरिकों की सुरक्षा के मुद्दे पर पाकिस्तान से नाराज चल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में चीन और पाकिस्तान ने सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में पारस्परिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति बनी। इस दौरान चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) पर खासतौर से बात हुई।

### आईएमडी मना रहा स्थापना दिवस, भारत ने बांग्लादेश-पाकिस्तान को भेजा निमंत्रण

**ढाका।** भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के 150वें स्थापना दिवस समारोह में बांग्लादेश शामिल नहीं होगा।

बांग्लादेशी अधिकारियों ने सरकारी खर्च पर गैर-जरूरी विदेश यात्राओं पर प्रतिबंधों का हवाला देते यह जानकारी दी। यह समारोह 15 जनवरी, 2025 को होगा। आईएमडी ने कई पड़ोसी देशों को इस कार्यक्रम कें आमंत्रित किया है, जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है। बांग्लादेश मौसम विभाग के कार्यवाहक निदेशक मोमिनुल इस्लाम ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि भारत मौसम विभाग ने उन्हें अपनी 150वीं वर्षगांठ समारोह में आमंत्रित किया था। हमारे उनके साथ अच्छे संबंध हैं और हम उनके साथ सहयोग जारी रखेंगे। इस्लाम ने बताया कि हम इस कार्यक्रम में नहीं जा रहे है क्योंकि सरकार की ओर से वित्त पोषित गैर-जरूरी विदेश यात्राओं को सीमित करने का दायित्व है। इस्लाम ने दोनों देशों की मौसम विभाग एजेंसियों के बीच नियमित संपर्क पर जोर दिया।

# अंगोला में हैजा के 170 मामले दर्ज, 15 की मौत

**लुआंडा, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अंगोला में स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे तक हैजा के 170 मामले दर्ज किए गए हैं।

पिछले 24 घंटों में हैजा से तीन मौत और 51 नए मामले देखने को मिले। यह प्रकोप अब राजधानी प्रांत लुआंडा में दो अतिरिक्त नगर पालिकाओं में फैल गया है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को पहला मामला सामने आने के बाद से हैजा का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, इसलिए राष्ट्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों को सक्रिय किया गया है।

इससे पहले शनिवार को अंगोला की स्वास्थ्य मंत्री सिल्विया लुटुकुटा ने घोषणा की कि देश में हैजा के प्रकोप से निपटने के लिए विशेष रूप से इस रोग के केंद्र, लुआंडा प्रांत के कैकुआको नगर पालिका में आपातकालीन योजनाएं सक्रिय कर दी गई हैं।

लुटुकुटा के अनुसार स्वास्थ्य अधिकारियों ने महामारी विज्ञान और प्रयोगशाला निगरानी को बढ़ाया है। संसाधन जुटाने के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य संचार में सुधार किया गया है और इसके साथ ही सुरक्षित पेयजल तक आम लोगों की पहुंच सुनिश्चित की गई है।

उन्होंने कहा, हम जो कुछ भी कर रहे हैं, वह इस बीमारी से लड़ने के लिए है।

वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय ने कैकुआको के जनरल अस्पताल में हैजा से निपटने के लिए बहुक्षेत्रीय आयोग की बैठक बुलाई।

पब्लिक वाटर कंपनी के महानिदेशक अडाओ सिल्वा ने कहा कि पीने के पानी के लिए पहले इस्तेमाल की जाने वाली 17 सामुदायिक पानी की टंकियों को साफ करने का काम किया गया है।

प्रभावित निवासियों के लिए सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इन टंकियों का अब उपयोग नहीं किया जाता है।

अंगोला के स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सा संसाधन और आपूर्ति जुटाने के लिए अपने नेशनल कोलेरा रिस्पॉन्स प्लान को सक्रिय किया है, जिसका उद्देश्य लोगों को पीने योग्य पानी उपलब्ध कराना है।

मंत्रालय ने प्रकोप के प्रबंधन में चुनौतियों में प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई की कमी और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में पीने योग्य पानी की व्यवस्था की बात कही।

## कोलंबिया में विमान दुर्घटना में 10 लोगों की मौत

**बोगोटा।** दक्षिणी अमेरिकी देश कोलंबिया में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 10 लोगों की मौत हो गई है। विमानन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। पैसिफिक ट्रैवल द्वारा संचालित यह विमान जुराडो से मेडेलिन के रास्ते में बुधवार को लापता हो गया था। विमान का मलबा एंटिओक्विया के उत्तर-पश्चिमी कोलंबियाई विभाग के उर्राव के एक ग्रामीण इलाके में मिला। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विमान में चालक दल के दो सदस्य और आठ यात्री सवार थे। एंटिओक्विया के जोखिम प्रबंधन विभाग के निदेशक कार्लोस रियोस पुएर्टा ने कहा कि दुर्भाग्य से विमान में सवार कोई भी जीवित नहीं बचा है। हमारे पास साइट पर 37 कर्मी काम कर रहे हैं। हम दूसरे चरण में तेजी ला रहे हैं, जिसमें शवों को बरामद करना और न्यायिक पुलिस के साथ समन्वय करना शामिल है। मौसम की प्रतिकूल स्थिति की वजह से रिकवरी प्रक्रिया आसान नहीं हो रही। हालांकि कोशिश जारी है कि रिकवरी प्रक्रिया यथासंभव तेज और सकुशल सम्पन्न हो। पैसिफिक ट्रैवल ने बयान जारी कर पीड़ित परिवारों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता दोहराई है। उसने कहा कि हम हर समय उनके साथ रहेंगे, सहायता प्रदान करेंगे और इस दुखद घटना से उत्पन्न होने वाली हर जरूरत को पूरा करेंगे। वहीं, परिवहन मंत्रालय और नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने भी पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। प्राधिकरण ने दुर्घटना के कारणों की जानकारी के लिए जांच शुरू कर दी है।

# ब्रिटेन : चैरिटीडोनेशन मामले में धोखाधड़ी को लेकर ब्रिटिश सिख भाई-बहन को जेल

**लंदन, 12 जनवरी (एजेंसियां)।**

**सिख यूथ यूके समूह के जरिए चैरिटी दान (डोनेशन) केस में धोखाधड़ी के मामले में ब्रिटेन की एक अदालत ने ब्रिटिश सिख भाई-बहन (कलदीप सिंह और राजबिंदर कौर) को दोषी पाए जाने के बाद सजा सुनाई है। राजबिंदर कौर (55 वर्ष) को धन शोधन और 50 हजार ब्रिटिश पाउंड मूल्य की चोरी के छह मामलों तथा ब्रिटेन के चैरिटीज एक्ट 2011 की धारा 60 के तहत एक मामले में दोषी ठहराया गया, जो जानबूझकर या लापरवाही से चैरिटी आयोग को गलत या भ्रामक जानकारी प्रदान करने से संबंधित है।उसके भाई कलदीप सिंह लेहल (43 वर्ष) को भी चैरिटीज एक्ट के तहत इसी आरोप में दोषी ठहराया गया।**

दोनों भाई बहन मिलकर सिख यूथ यूके (एसवाईयूके) समूह चलाते थे। बर्मिंघम क्राउन कोर्ट ने राजबिंदर कौर को ने दो वर्ष और आठ महीने के कारावास की सजा सुनाई है। जबकि कलदीप को 18 महीने और 80 घंटे की सामुदायिक सेवा की सजा सुनाई है। यह मामला अक्टूबर 2018 का है।

वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस की अधीक्षक एनी मिलर ने सजा सुनाए जाने के बाद एक बयान में कहा कि एसवाईयूके स्पष्ट रूप से उनकी जीवनशैली को वित्तपोषित करने और कर्ज चुकाने का एक साधन था, लेकिन सरल शब्दों में कहें तो कौर बड़ी मात्रा में धन चुरा रही थीं, जिसे स्थानीय लोगों ने अच्छे कार्यों के लिए दान किया था। उन्होंने बताया कि दोनों भाई-बहन को शुरू में जुलाई 2019 में गिरफ्तार किया गया था और बाद में सितंबर 2019 में उन पर आरोप लगाए गए।

बतादें कि बर्मिंघम क्राउन कोर्ट में सुनवाई के बाद सितंबर 2024 में दोनों को दोषी ठहराया गया था, जिसके दौरान यह सामने आया कि कौर और लेहल ने 2016 में क्षेत्र के स्वतंत्र नियामक चैरिटी कमीशन के समक्ष एक आवेदन किया था ताकि इसे पंजीकृत चैरिटी बनाया जा सके। लेकिन जब आयोग ने एसवाईयूके के बारे में और जानकारी मांगी तो जानकारी नहीं दी गई, इसलिए चैरिटी आवेदन बंद कर दिया गया।

## पाकिस्तान में सड़क हादसा

पाकिस्तान में हुए एक भीषण सड़क हादसे के शिकारों की तलाश करते हुए लोग।

# पाकिस्तान : पेशावर हाई कोर्ट ने 100 अफगान संगीतकारों के निर्वासन पर लगाई रोक

**पेशावर**

पेशावर हाई कोर्ट ने पाकिस्तान में राजनीतिक शरण चाहने वाले 100 से अधिक अफगान संगीतकारों के जबरन निर्वासन पर रोक लगा दी है। साथ ही कोर्ट ने संघीय सरकार को उनके मामलों पर दो महीने के अंदर फैसला करने का निर्देश भी दिया है।

पेशावर हाई कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने पूरी दलीलें सुनने के बाद मामले का निपटारा करते हुए सुरक्षा एजेंसियों को दो महीने के दौरान उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति वकार अहमद की अध्यक्षता वाली पीठ ने हशमतुल्ला द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। जिसने तर्क दिया कि वे अफगानिस्तान के थे, लेकिन तालिबान सरकार की स्थापना के बाद पाकिस्तान चले गए क्योंकि उनका जीवन खतरे में था। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि वे पहले ही अपनी आजीविका खो चुके हैं और पाकिस्तान में, उन्हें और अधिक उत्पीड़न और जबरन निर्वासन की धमकियों का सामना करना पड़ा, जो मानवाधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत पाकिस्तानी सरकार उन्हें जबरन निर्वासित नहीं कर सकती।

याचिकाकर्ता को सुनने के बाद अदालत ने संघीय सरकार और उसके नामित अधिकारियों को अफगान संगीतकारों के शरण आवेदनों पर दो महीने के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि अफगान संगीतकार संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) के पास शरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। आदेश में यह भी कहा गया कि यदि उनके मामले दो महीने के बाद भी अनिर्णीत रहते हैं, तो संघीय आंतरिक सचिव को उन्हें नीतिगत ढांचे के तहत अस्थायी रूप से पाकिस्तान में रहने की अनुमति देनी चाहिए।

# हमास के साथ बंधक समझौते के लिए कतर जाएगा इजराइली प्रतिनिधिमंडल

**यरूशलम ,12 जनवरी।** गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए इजरायली नागरिकों की रिहाई के लिए हमास के साथ समझौते को आगे बढ़ाने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल को कतर की राजधानी दोहा रवाना होने का निर्देश दिया है।प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि नेतन्याहू ने यह निर्देश रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज और अमेरिकी वार्ताकारों (जिसमें मौजूदा और आने वाला प्रशासन दोनों शामिल है) के साथ स्थिति का आकलन करने के बाद दिया।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इजरायली प्रतिनिधिमंडल में इजरायली मोसाद खुफिया एजेंसी के प्रमुख डेविड बार्निया और शिन बेट आंतरिक सुरक्षा सेवा के प्रमुख रोनेन बार शामिल हैं।इस बीच, 10 जनवरी को इजरायल काट्ज़ ने सेना को निर्देश दिया है कि यदि 20 जनवरी तक बंधकों की रिहाई के समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए गए तो वे हमास को पूरी तरह पस्त करने के लिए एक योजना तैयार करें।

# मैं ट्रंप को चुनाव हरा सकता था लेकिन पार्टी को एकजुट रखना ज्यादा जरुरी था

### राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राष्ट्रपति चुनाव को लेकर प्रेस ब्रीफिंग में कही बात

**वाशिंगटन**

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने महीनों बाद राष्ट्रपति चुनाव को लेकर कहा कि वे नवंबर में हुए चुनाव में ट्रम्प को हरा सकते थे, लेकिन उन्होंने अपनी पार्टी की एकजुटता के लिए उम्मीदवारी वापस लेने का फैसला किया। बाइडेन ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस ब्रीफिंग में ये बात कही। बाइडेन से पूछा गया था कि क्या आपको चुनाव ना लड़ने के अपने फैसले पर खेद है। इस पर उन्होंने अपनी सहमति जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें चुनाव के बीच उम्मीदवारी वापस लेने का कोई पछतावा नहीं है। बाइडेन 15 जनवरी को ओवल ऑफिस से विदाई भाषण देंगे। राष्ट्रपति के तौर पर पद छोड़ने से पहले ये उनका अंतिम भाषण होगा।

बाइडेन ने आगे कहा कि कमला हैरिस चार साल बाद फिर चुनाव लड़ सकती हैं। बाइडेन से पूछा गया कि क्या आपको लगता है कि आपने डोनाल्ड ट्रम्प को चुनाव जीतने का मौका दिया। उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता है कि हमने ट्रम्प को आसान मौका दिया मुझे लगता है कि मैं ट्रम्प को हरा देता। बाइडेन ने कहा कि उनकी पार्टी इस बात को लेकर चिंतित थी कि वे चुनाव में आगे बढ़ पाएंगे या नहीं। पार्टी को एकजुट रखना बहुत जरूरी था। बाइडेन ने कहा कि मुझे यकीन था कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, ट्रम्प को हरा सकती थीं, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। हालांकि अगर वे चाहें तो चार साल बाद फिर से चुनाव लड़ सकती हैं। वे ऐसा करने के लायक हैं। हैरिस ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि वे चार साल बाद होने वाले चुनाव की रेस में हिस्सा लेंगी या नहीं।

## नेपाल : ओली के अध्यादेशों को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन में दरार

**काठमांडू।** प्रधानमंत्री केपी ओली का संसद की बैठक न बुलाकर एक के बाद एक अध्यादेश से शासन चलाने को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन में विरोध शुरू हो गया है। ओली सरकार को समर्थन करने वाली पार्टी नेपाली कांग्रेस के ही कई नेताओं ने एक साथ कई अध्यादेश लाने के सरकार के कदम का विरोध किया है। सरकार का विरोध करने वालों में पार्टी अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा के निकट माने जाने वाले नेता ही शामिल हैं। देउवा के निकट माने जाने वाले पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद ने ओली के लगातार अध्यादेश लाने के फैसले से गठबंधन की नींव में ही दरार आने की बात कही है। नेपालगंज में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सांसद एनपी साउद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और संसदीय व्यवस्था में विश्वास करने वाली पार्टी है। लेकिन जिस तरह से प्रधानमंत्री ओली संसदीय व्यवस्था को किनारे रखते हुए लगातार अध्यादेश के मार्फत शासन कर रहे हैं, उससे गठबंधन को लेकर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। इसी तरह देउवा के निकट एक अन्य सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता अर्जुन नरसिंह केसी ने कहा कि एमाले पार्टी और प्रधानमंत्री ओली गठबंधन धर्म के विपरीत शासन चलाने में मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से संसद में लाए जाने वाले विधेयक को अध्यादेश के द्वारा लाया जा रहा है, इसके पीछे इनकी नियत सही नहीं है। केसी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को ओली के साथ अपने गठबंधन को लेकर गंभीर समीक्षा करने की आवश्यकता है। उधर, पिछले कुछ दिनों से लंदन में रहे देउवा के विरोधी गुट के नेता शेखर कोइराला ने वहां आयोजित पार्टी समर्थकों के कार्यक्रम में कहा कि कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी पार्टी है लेकिन इस समय वह ओली को समर्थन कर सरकार चला रही है जो कि दुर्भाग्य है।

# पौष पूर्णिमा से पहले ही संगम पहुंचकर लाखों श्रद्धालुओं ने किया महास्नान

## युवाओं और बुजुर्गों के साथ बच्चों में भी संगम स्नान को लेकर गजब का उत्साह

**महाकुंभनगर, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** महाकुंभ में पौष पूर्णिमा के स्नान से एक दिन पहले ही संगम तट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। रविवार को लाखों श्रद्धालुओं ने सुबह ही संगम में पवित्र स्नान कर लिया। इसमें युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संगम पर श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर संगम स्नान के लिए सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से महाकुंभ नगर में चप्पे चप्पे पर नजर रखी जा रही है। डीआईजी वैभव कृष्ण और एसएसपी राजेश द्विवेदी खुद सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, जो पल पल की अपडेट कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी महाकुंभ का क्रेज दिख रहा है। महाकुंभ में पहुंचे लोगों ने वीडियो कॉलिंग से घर वालों को डिजिटल दर्शन भी कराया।

संगम तट पर हर उम्र के लोगों में सनातन संस्कृति के इस महापर्व को लेकर जबरदस्त उत्साह दिखा। युवा अपनी परंपरा को जानने और उसका हिस्सा बनने के लिए उमड़े। बुजुर्ग श्रद्धालुओं के लिए भी यह आयोजन गहरी आस्था का प्रतीक बना। डिजिटल युग में महाकुंभ का क्रेज सोशल मीडिया पर छाया रहा। विशेष तौर पर वीआईपी घाट और संगम नोज पर युवाओं ने स्नान किया। जिसके बाद वीडियो और तस्वीरें बनाकर इन्हें सोशल मीडिया पर साझा किया। इसके अलावा महाकुंभ में पहुंचे लोगों ने वीडियो कॉलिंग से घर वालों को मां गंगा का डिजिटल दर्शन कराया।

कुछ लोग फेसबुक लाइव, यूट्यूब लाइव और वॉट्सएप पर ग्रुप कॉलिंग करते भी देखे गए। नेशनल यूथ डे के अवसर पर संगम स्नान में शामिल होने वाले युवाओं का जोश देखने लायक था। सनातन संस्कृति और परंपरा से जुड़ने का यह पर्व युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम बन रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर संगम में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) से हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। डीआईजी वैभव कृष्ण और एसएसपी राजेश द्विवेदी की देखरेख में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पहली बार महा कुंभ के दौरान इतनी आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया गया है। सुरक्षा के लिए एआई कैमरे लगाए गए हैं, जो हर श्रद्धालु की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। देश के विभिन्न राज्यों के साथ ही विदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी योगी सरकार की ओर से की गई व्यवस्था की सराहना की। उनका कहना था कि इससे पहले कभी भी इतना विहंगम दृश्य नहीं देखा।

## बीजापुर में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, तीन नक्सली ढेर

**बीजापुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में रविवार की सुबह से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। अब तक तीन नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि अभी भी इलाके में कुछ नक्सलियों की मौजूदगी संभव है, क्योंकि रह-रहकर गोलियां चल रही हैं।

मामला कुछ यूं है कि बीजापुर के मद्देड़ पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले इलाके के जंगल में ये मुठभेड़ उस वक्त हुई जब जवानों की एक ज्वाइंट टीम एंटी नक्सल अभियान चला रही थी। इस अभियान में डीआरजी के जवान एसटीएफ और डिस्ट्रिक्ट फोर्स के जवान शामिल हैं। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा किए गए पोस्ट के अनुसार, बीजापुर पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय पार्क इलाके में ये मुठभेड़ हुई।

मारे गए नक्सलियों के पास से जवानों को स्वचालित हथियारों के साथ ही गोला बारूद भी मिले हैं। नक्सलियों की पहचान कर ली गई है।

## महाकुंभ में जल, थल और नभ से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी

**महाकुंभ नगर, 11 जनवरी (एजेंसियां)।** महाकुंभ 2025 को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस, कुंभ मेला पुलिस, एनएसजी, एटीएस, एनडीआरएफ, और अन्य पैरामिलिट्री फोर्सेज ने सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए लगातार मॉक ड्रिल का अभ्यास कर रहे हैं। शनिवार को प्रयागराज के बोट क्लब पर एनएसजी, यूपी एटीएस (एंटी-टेररिज्म स्क्वाड), एनडीआरएफ (नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स), और जल पुलिस ने एक संयुक्त मॉक ड्रिल की। इस ड्रिल में एक आतंकवादी हमले का सीन क्रिएट किया गया। जिसमें डर्टी बम का खतरा और बंधकों को छुड़ाया गया। एनएसजी की टीमों ने दो दिशाओं से ऑपरेशन शुरू किया। एसडीआरएफ ने जलमार्ग और सड़क मार्ग से लक्ष्य तक पहुंचकर बंधकों को सुरक्षित मुक्त कराते हुए सीबीआरएन (केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर) खतरे को बेअसर करने का प्रदर्शन किया।

एनएसजी कमांडो ने मॉक ड्रिल के दौरान आतंकियों द्वारा बंधक बनाए गए श्रद्धालुओं को छुड़ाने, बम ब्लास्ट से लोगों को बचाने और एक जिंदा बम को निष्क्रिय करने का प्रदर्शन किया। एनएसजी की पांच टुकड़ियां महाकुंभ में तैनात रहेंगी। ये टीमें डर्टी बम, फिदायीन हमले और केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर खतरों से निपटने में पूरी तरह सक्षम हैं।

महाकुंभ मेले में केमिकल अटैक की स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ की टीमों ने भी मॉक ड्रिल की। इस दौरान आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने की योजना को परखा गया। एनडीआरएफ की टीमें केमिकल और अन्य खतरों के प्रभाव को कम करने और राहत कार्यों में दक्षता साबित कर रही हैं। महाकुंभ में सुरक्षा के लिए भारतीय वायुसेना के एमआई-7 हेलीकॉप्टर को भी तैनात किया गया है। यह हेलिकॉप्टर निगरानी, आपात स्थिति में प्रतिक्रिया, और बचाव कार्यों में अहम भूमिका निभाएगा।

## पौष पूर्णिमा के अमृत स्नान के साथ शुरू होगा महाकुंभ में कल्पवास

### 13 जनवरी पौष पूर्णिमा से 12 फरवरी माघी पूर्णिमा तक होगा कल्पवास

**महाकुंभनगर, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** तीर्थराज प्रयागराज में त्रिवेणी संगम के तट पर सनातना आस्था के महापर्व, महाकुंभ 2025 की शुरुआत होने जा रही है। महाकुंभ में 40 से 45 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज में आने का अनुमान है। जो गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम में अमृत स्नान करेंगे। इसके साथ ही लाखों की संख्या में श्रद्धालु संगम तट पर महाकुंभ की प्राचीन परंपरा कल्पवास निर्वहन करेंगे। पौराणिक मान्यता के अनुसार श्रद्धालु एक माह तक नियमपूर्वक संगम तट पर कल्पवास करेंगे। जिसके लिए सीएम योगी के मार्गदर्शन में प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने विशेष इंतजाम किए हैं। कल्पवास की शुरुआत 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा की तिथि से होगी।

महाकुंभ सनातन आस्था का सबसे बड़ा आयोजन होने के साथ बहुत सी सनातन परंपराओं का वाहक भी है। इसमें से महाकुंभ की एक महत्वपूर्ण परंपरा है संगम तट पर कल्पवास करना। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार कल्पवास, पौष पूर्णिमा की तिथि से शुरू हो कर माघ पूर्णिमा की तिथि तक पूरे एक माह तक किया जाता है। इस महाकुंभ में कल्पवास 13 जनवरी से शुरू होकर 12 जनवरी तक संगम तट पर किया जाएगा। शास्त्रों के अनुसार कल्पवास में श्रद्धालु नियमपूर्वक, संकल्पपूर्वक एक माह तक संगम तट पर निवास करते हैं। वो कल्पवास के दौरान श्रद्धालु तीनों काल गंगा स्नान कर, जप,तप,ध्यान,पूजन और सत्संग करते हैं।

महाकुंभ 2025 में लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं के कल्पवास करने का अनुमान है। महाकुंभ की विशेष परंपरा कल्पवास का निर्वहन करने के लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सीएम योगी की प्रेरणा से सभी जरूरी इंतजाम किए हैं।

मेले क्षेत्र में गंगा जी के तट पर झूंसी से लेकर फाफामऊ तक लगभग 1.6 लाख टेंट, कल्पवासियों के लिए लगवाए गये हैं। इन सभी कल्पवासियों के टेंटों के लिए बिजली, पानी के कनेक्शन के साथ शौचालयों का निर्माण करवाया गया है।

## देश की सबसे ऊंची हवाई पट्टी आपात लैंडिंग के लिए तैयार

**सुरेश एस डुग्गर**

**जम्मू, 12 जनवरी।** लद्दाख के न्योमा में मुध इलाके में देश की सबसे ऊंची हवाई पट्टी आपात लैंडिंग के लिए तैयार हो गई है। इसका 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अगस्त 2025 के उपरांत सभी प्रकार के लड़ाकू विमान इस एयरफील्ड पर उतर सकेंगे। यह एयरफील्ड चीन के लिए एक चुनौती के तौर पर लिया जा रहा है।

एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने बताया कि पूर्वी लद्दाख के मुध में भारत के सबसे ऊंचे हवाई क्षेत्र का निर्माण पूरा होने वाला है, जिसका 90 प्रतिशत काम पहले ही हो चुका है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि 13,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित, हवाई क्षेत्र का रनवे आपातकालीन लैंडिंग के लिए तैयार है और अगस्त 2025 तक पूरी तरह से चालू हो जाएगा। हवाई अड्डा चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से सिर्फ 35 किमी और लेह से 200 किमी दूर स्थित है। रक्षाधिकारी बताया कि वर्तमान प्रगति 90 प्रतिशत है, रनवे का काम पूरा हो गया है। कुछ संबद्ध कार्यों का निष्पादन अभी भी प्रगति पर है, और हमें उम्मीद है कि परियोजना अगस्त 2025 तक पूरी हो जाएगी।

उन्होंने आगे खुलासा किया कि वायु सेना स्टेशन लेह के अधिकार क्षेत्र में न्योमा में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए परियोजना को 31 मार्च, 2023 को 219.39 करोड़ रुपए की लागत से मंजूरी दी गई थी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना में रनवे का निर्माण, संबद्ध परिचालन कार्य और आवश्यक रखरखाव और प्रशासनिक बुनियादी ढांचे की स्थापना शामिल है। पूरा होने के बाद, मुध हवाई क्षेत्र सीमावर्ती क्षेत्रों में रसद और सैन्य अभियानों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा, जिससे पूर्वी लद्दाख के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की रक्षा तैयारियों में सुधार होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 अक्टूबर, 2022 को वस्तुतः वायु सेना स्टेशन डीसा हवाई क्षेत्र की आधारशिला रखी। इसके अतिरिक्त, रक्षा मंत्रालय ने 31 मार्च, 2021 को एएफएस डीसा (चरण-एक) में रनवे और संबंधित बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 393.64 करोड़ रुपए मंजूर किए।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के न्योमा में स्थित मुध में अत्यधिक ठंड पड़ती है और सर्दियों में तापमान -35 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है, जिससे यह ऊंचाई पर होने के बावजूद भारत का सबसे ठंडा हवाई क्षेत्र बन जाता है। अब तक, मुध से 200 किलोमीटर दूर लेह में केबीआर हवाई अड्डा सैन्य और नागरिक विमानन दोनों जरूरतों को पूरा करने वाला एकमात्र हवाई क्षेत्र था। सैन्य मशीनरी को पहले लेह हवाई अड्डे पर ले जाया जाता था, उसके बाद उसे सड़क मार्ग से सीमा पर ले जाया जाता था। मुध हवाई अड्डे के पूरा होने से इन अभियानों को सुचारू बनाने और क्षेत्र में रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की उम्मीद है।

## सघन टीबी अभियान पूरे प्रदेश में शुरू, एक माह में 9340 मरीज खोजे गए

### 15 जनपदों में 35 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई

### सर्वाधिक 1175 मरीज सीतापुर में, सबसे कम 258 अमेठी में मिले

**लखनऊ, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश में 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान चलाया जा रहा है। सात दिसंबर से प्रदेश के 15 जनपदों में शुरू हुए अभियान के एक माह में 9,340 लोगों को टीबी संक्रमित पाया गया। इन सभी लोगों का इलाज शुरू हो चुका है। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भटनागर ने बताया कि इन 15 जनपदों के लगभग 35 लाख लोगों की टीबी के संभावित लक्षणों के आधार पर स्क्रीनिंग की गई जिनमें 9,340 लोगों में टीबी की पुष्टि हुई। सर्वाधिक 1175 मरीज सीतापुर में और सबसे कम 258 अमेठी में मिले हैं। सिद्धार्थनगर में 900, रामपुर में 858, बाराबंकी में 800, रायबरेली में 711 टीबी मरीज पंजीकृत हुए हैं।

राज्य क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि इन 15 जनपदों में 71,000 निक्षय शिविर लगाकर टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग और जागरूकता का काम किया गया जिसमें 3723 निक्षय शिविर 52 निक्षय वाहन द्वारा लगाए गए। औसतन प्रतिदिन 2062 निक्षय शिविर लगाए गए। इसके अलावा 29,290 निक्षय मित्रों द्वारा 50,705 टीबी मरीजों को गोद लिया गया है और 2201 पोषण पोटली वितरित की गई। डॉ. भटनागर ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सभी 75 जिलों में यह अभियान शुरू हो चुका है। अभियान के दौरान व्यापक जनजागरूकता भी फैलाई जा रही है और स्वयंसेवी संस्थाएं भी सहयोग कर रही हैं। निश्चित तौर पर मुख्यमंत्री की दूरदर्शिता का असर प्रदेश से टीबी उन्मूलन करने में दिखेगा।

## महाराष्ट्र में रामराज्य लाना जनता की अपेक्षा और पार्टी की जिम्मेदारी है : गडकरी

**मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने अहिल्यानगर के शिर्डी में रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में रामराज्य और शिवशाही लाना महाराष्ट्र की जनता की अपेक्षा है और इसे पूरा करने की जिम्मेदारी भारतीय जनता पार्टी की है। जनता की इस अपेक्षा को पूरा करने की जिम्मेदारी देवेंद्र फडणवीस सरकार, विधायकों और सांसदों की है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी आज शिर्डी में प्रदेश भाजपा की ओर से आयोजित राज्यव्यापी महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भी समस्याएं हैं, लेकिन हमारे नेतृत्व में उन्हें हल करने की क्षमता और विश्वास है, इसलिए जब तक शिवशाही नहीं आ जाती, हम चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की लगन, नेताओं की योग्यता और पार्टी की 'राष्ट्र सर्वोपरि' की शिक्षा के बल पर महाराष्ट्र समृद्ध और खुशहाल होगा। साथ ही सामाजिक समानता, विकास और समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मोदी जी के नेतृत्व में हम भारत को विश्वगुरु और आत्मनिर्भर भारत बनाने का सपना भी पूरा करना चाहते हैं।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ने की जरूरत है, क्योंकि ये सपने राम राज्य और शिव शाही से जुड़े हैं। यह छत्रपति, सावरकर, शाहू, फुले, अंबेडकर का महाराष्ट्र है। यह संतों की भूमि है। लोग हमसे अपेक्षा रखते हैं कि हम ऐसा महाराष्ट्र बनाएं जो संतों के विचारों और लोक कल्याण से प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि आज हम इस जीत से प्राप्त शक्ति से महाराष्ट्र के भविष्य के निर्माण का संकल्प लेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सत्ता हथियाना नहीं, बल्कि समाज को बदलना है। अटल बिहारी वाजपेयी कहते थे कि देश कैसा होना चाहिए,

इसकी सोच से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि देश का नेतृत्व कैसे होना चाहिए। देश की जनता को खुश करना, देश की सीमाओं को सुरक्षित करना, देश को आतंकवाद और सांप्रदायिकता से मुक्त करना, सामाजिक समानता और सुरक्षा स्थापित करना तथा इस विजय से प्राप्त सफलता से महाराष्ट्र में एक अच्छी सरकार स्थापित करना, यह हमारी जिम्मेदारी है। भाजपा की विचारधारा की भावना राष्ट्र की समग्र प्रगति और विकास, गरीबी और बेरोजगारी को खत्म करना, समाज को संतुष्ट करना और एक मजबूत देश का निर्माण करना है। जनता ने हमें ऐसा करने की शक्ति दी है। इस शक्ति के माध्यम से रैयतों के कल्याण और छत्रपति शिवाजी के शासन के आदर्श को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन लाना हमारी जिम्मेदारी है।

गडकरी ने कहा कि तत्कालीन सरसंघचालक गोलवलकर गुरुजी ने एक ही विचार से जनसंघ को अच्छे कार्य करने वाले स्वयंसेवकों की सूची दी और तब से लेकर आज तक हमारे कार्यकर्ता बिना थके, बिना रुके लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे हैं। यह एक कठिन समय था। कार्यकर्ताओं को आपातकाल जैसी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। लोग सोचने लगे थे कि जनसंघ खत्म हो गया है। लेकिन हम उससे उबरे, हम खड़े हुए और बाद में हम भाजपा के रूप में और अधिक मजबूती के साथ खड़े हुए। अटल बिहारी वाजपेयी ने भविष्यवाणी की थी कि सूरज निकलेगा, रोशनी आएगी, कमल खिलेगा और हम तब तक जीवित नहीं रहेंगे जब तक इस देश का भविष्य नहीं बदल जाता। लोगों ने हमें इसे वास्तविकता बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। हाल ही में महाराष्ट्र में जातिवाद और सांप्रदायिकता के माध्यम से समाज में विभाजन पैदा करने के प्रयास किए गए हैं।

गडकरी ने यह भी अपील की कि हमें समाज में अस्पृश्यता और जातिवाद को खत्म करके सामाजिक-आर्थिक समानता स्थापित करने के लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें दीनदयाल जी के सपने को साकार करना है कि हमारा कार्य उस दिन पूरा होगा जब हम समाज के हर वर्ग, दरिद्र नारायण को भगवान मानकर उसकी सेवा करेंगे तथा उसे भोजन, वस्त्र और आवास प्रदान करेंगे। समाज की प्रगति, विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार और किसानों का कल्याण हमारा कर्तव्य है और हम, हमारा नेतृत्व, इन्हें पूरा करने की शक्ति रखता है।

# 1993 की ब्लॉकबस्टर, बजट से सात गुना कर डाली कमाई

## शाहरुख खान रातोंरात बन गए फिल्म से सुपरस्टार

साल 1993 में अब्बास मस्तान एक फिल्म लेकर आए थे। इस फिल्म में लीड को लेकर कई एक्टर के सामने आए थे। लेकिन फिल्म उस दौर के एक नए नवेले एक्टर शाहरुख खान को मिली थी। उस ब्लॉकबस्टर फिल्म का नाम था 'बाजीगर'। फिल्म में शाहरुख खान, काजोल और शिल्पा शेट्टी लीड रोल में नजर आए थे। फिल्म ने उस दौर में रिकॉर्ड कर दिया था। शाहरुख खान की उस फिल्म को लोग आज भी भूल नहीं पाए हैं। इस फिल्म से जितना फायदा मेकर्स को हुआ, उससे कहीं ज्यादा तो फिल्म के लीड हीरो शाहरुख खान को हुआ था। ये फिल्म उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई थी। दौर में जब हीरो नेगेटिव रोल से तौबा करते थे, तब शाहरुख ने नेगेटिव रोल निभाकर इतिहास रच दिया था।

रिस्क जब बन गया एक्टर के लिए वरदान

90 के दशक में ज्यादातर हीरो नेगेटिव रोल से दूर रहा करते थे। उस दौर में शाहरुख खान ने बड़ा रिस्क और नेगेटिव रोल निभाया था। फिल्म में विलेन बनने का रिस्क उठाया था। उस दौर में बेहद कम बजट में बनी इस फिल्म ने करोड़ों का कलेक्शन किया था। फिल्म में काजोल, शिल्पा शेट्टी दोनों के हीरो का रोल अकेले शाहरुख खान ने ही निभाया था।

बदले के लिए बन गया था विलेन

शाहरुख खान की इस फिल्म की कहानी बदले की कहानी है। शाहरुख अपने मरे हुए पिता और भाई का बदला लेने के लिए काजोल और शिल्पा शेट्टी के पिता का दिल जीतते हैं और फिर कुर्सी पर बैठकर सब कुछ अपने नाम कर लेता है। में हीरो बना शाहरुख खान ही विलेन बन जाता है। उस दौर में ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। शाहरुख के करियर के लिए तो ये फिल्म मील का पत्थर साबित हुई थी।

बता दें कि साल 1993 में आई ये फिल्म उस साल की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने फिल्म साबित हुई थी। महज 2 करोड़ बजट, 14 करोड़ की कमाई कर मेकर्स को मालामाल कर दिया था। शाहरुख के करियर के लिए भी ये फिल्म टर्निंग प्वाइंट साबित हुई थी।

# हिसाब बराबर से माधवन की झलक आई सामने

## 24 जनवरी से ओटीटी पर होगी रिलीज

अभिनेता आर माधवन को पिछली बार फिल्म शैतान में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। 65 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने भारत में 211 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। यह फिल्म पर उपलब्ध है।बहरहाल, माधवन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म हिसाब बराबर को लेकर चर्चा में हैं।अब फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। हिसाब बराबर से माधवन की पहली झलक भी सामने आ चुकी है।माधवन की फिल्म हिसाब बराबर सिनेमाघर में नहीं, बल्कि ओटीटी पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 24 जनवरी, 2025 से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होने जा रहा है। इस फिल्म को आप हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु भाषा में देख सकते हैं।निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, जब एक आम आदमी उठता है तो सिस्टम हिल जाता है। जालसाज सावधान। माधवन करेंगे हिसाब बराबर।इस फिल्म के निर्देशन की कमान अश्वनी धीर ने संभाली है।हिसाब बराबर में आर माधवन और कीर्ति कुल्हारी के अलावा अनिल पांडे, महेंद्र राजपुर, फैजल राशिद, बॉन्डिप शर्मा और रश्मि देसाई भी हैं। अश्विनी धीर ने इसका डायरेक्?शन किया है, जबकि ज्योति देशपांडे, शरद पटेल और पटेल ने इसे प्रोड्यूस किया है।

# रोमांटिक सीन पर विवाद के 6 साल बाद बनी बिन ब्याही मां

## लोग करने लगे तारीफ, बेटी पर खुलकर कहा - औरत के लिए...

जब अफवाहें फैलीं कि मशहूर एक्ट्रेस ने बिजनेस टाइकून से गुपचुप शादी कर ली तो लोग तरह-तरह की बातें बनाने लगे। हालांकि, एक्ट्रेस ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने जब बिना शादी किए 45 साल की उम्र में मां बनने का निर्णय किया, तो लोगों ने उनका सपोर्ट किया। लोग उन्हें आज भी टीवी की आदर्श बहू 'पार्वती' के में सराहते हैं, हालांकि शादीशुदा एक्टर के साथ एक इंटीमेंट सीन की वजह से उनकी काफी आलोचना हुई थी।एक्टर राम कपूर के साथ साक्षी तंवर की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री इतनी जबरदस्त थी कि लोग उन्हें असल जिंदगी के कपल समझने लगे थे। लोगों के कयास तब और मजबूत हुए, उन्होंने एकता कपूर के कहने पर शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' के लिए 17 मिनट लंबा रोमांटिक सीन शूट किया, जो 12 मार्च 2012 को टीवी पर प्रसारित हुआ था।

साक्षी तंवर संग इंटीमेट सीन शूट से पहले राम कपूर ने अपनी पत्नी और एक्ट्रेस के पिता से अनुमति थी। साक्षी तंवर के पिता ने अनुमति देते हुए राम कपूर से कहा था, 'यह मेरे साथ सबसे अमेजिंग बात होगी। राम, तुम हो इसलिए सब ठीक है।' एक्ट्रेस के पिता राम पर भरोसा करते थे। साक्षी भी फिर रोमांटिक सीन के लिए तैयार हो गईं, जिस पर बात बहुत विवाद हुआ। साक्षी तंवर के साथ राम कपूर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की अफवाहें सुर्खियां बटोरने लगीं। राम कपूर ने कहा कि यह पूरा आइडिया एकता कपूर का था, जिनकी सलाह पर इंटीमेंट सीन शूट हुआ था। साक्षी तंवर और राम कपूर का साथ 2014 तक रहा, क्योंकि 'बड़े अच्छे लगते हैं' का आखिरी एपिसोड 10 जुलाई 2014 को प्रसारित हुआ था। फिर साक्षी तंवर को लेकर अफवाहें छाईं कि उन्होंने एक बिजनेस टाइकून से सीक्रेट मैरिज कर ली है, जिसे एक्ट्रेस ने बेबुनियाद बताया। साक्षी तंवर 2018 में तब सुर्खियों में आईं, जब उन्होंने अपनी 9 की बेटी से दुनिया को अवगत करवाया। एक्ट्रेस को मां का सुख पाने के लिए शादी करना जरूरी नहीं लगा। उन्होंने बेबी गर्ल को गोद लिया और उसे प्यारा नाम दिया- 'दित्या'। जो साल में 50-60 दिनों की होती है, ताकि वे अपनी बेटी के साथ वक्त बिता सकें।' करियर और निजी जिंदगी के बीच संतुलन बैठाने की कोशिश करती हैं जो महिलाओं के सामने एक बड़ी चुनौती है।52 साल की साक्षी तंवर ने कहा था, 'मुझे लगता है कि हर कोई वह संतुलन पाना चाहता है। समाज की उम्मीदों और खुद के सपनों को देखते हुए महिलाओं के लिए बड़ी चुनौती है।'

साक्षी तंवर ने सिंगल पैरेंट्स की चुनौतियों पर कहा, 'मैं कोई टिपिकल वर्किंग वुमन नहीं हूं। मैं 9-5 की जॉब नहीं कर रही। मुझे सुबह उठकर दफ्तर जाना नहीं पड़ता। मैं अपनी जरूरत के हिसाब से शूटिंग प्लान कर सकती हूं। मैं साल 50 से 65 दिन ही शूटिंग करती हूं।' साक्षी तंवर ने ताहिरा कश्यप के शो 'शर्माजी की बेटी' में खास रोल निभाया है, जिसकी लोगों ने तारीफ की। 12 जनवरी को एक्ट्रेस का जन्मदिन था। वे 52 साल की हो गई हैं। साक्षी तंवर ने टीवी शोज के कुछ फिल्मों में भी काम किया है। आमिर खान की 'दंगल' में उनका रोल खास था।

# गेम चेंजर ने वर्ल्डवाइड 186 करोड़ से की ओपनिंग

राम चरण और कियारा आडवाणी की गेम चेंजर इस हफ्ते की सबसे नई रिलीज है. संक्रांति-पोंगल के अवसर पर रिलीज हुई शंकर की निर्देशित फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार एंट्री की है. शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, राम चरण स्टारर का पहला दिन शानदार रहा है. इसने ओपनिंग डे 100 करोड़ रुपये के साथ ब्लॉकबस्टर वर्ल्डवाइड ओपनिंग की है. वहीं, भारत में भी 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में सफल रही है. हालांकि शानदार कमाई के बाद भी यह अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 और जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा: पार्ट 1 का रिकॉर्ड तोड़ नहीं पाई है.सैकनिल्क के शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, गेम चेंजर ने पहले दिन भारत में 51.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. रिपोर्ट के अनुसार, राम चरण ने तेलुगू बेल्ट में सबसे ज्यादा कमाई की. इसने तेलुगू वर्जन में 42 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जबकि तमिल में 2.1 करोड़ रुपये कमाए हिंदी में शंकर की फिल्म ने 7 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. वहीं मलयालम और कन्नड़ में इसने क्रमश: 5 लाख रुपये और 1 रुपये कमाए.रिपोर्ट के अनुसार, गेम चेंजर को पूरे भारत में तेलुगू भाषा में 3863 शो मिले. तमिल में लगभग 650 शो, हिंदी में 2485 शो रहे. फिल्म को चुनिंदा सिनेमाघरों में 2डी और आईमैक्स 2डी में रिलीज किया गया है.फिल्म इंडस्ट्री ट्रैकर मनोबाला विजयबालन ने राम चरण की नई का वर्ल्डवाइड कलेक्शन का रिपोर्ट साझा किया है. उन्होंने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है, गेम चेंजर ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की ओपनिंग की. यह सुबह के आंकड़े हैं.गेम चेंजर ने भले ही दुनियाभर में 100 रुपये से ज्यादा की रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है, लेकिन अल्लू अर्जुन की नई फिल्म पुष्पा 2 और जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा के रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाया है. पुष्पा 2 मेकर्स के मुताबिक, फिल्म ने 294 करोड़ रुपये के साथ वर्ल्डवाइड ओपनिंग की, जबकि भारत में इसने करोड़ रुपये के साथ ओपनिंग की. वहीं, ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला के अनुसार, देवरा ने 172 करोड़ रुपये के साथ वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर एंट्री मारी. इसने पहले घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 77 करोड़ रुपये कमाए थे.गेम चेंजर एक राजनीतिक ड्रामा है जो राम नंदन (राम चरण) नाम के आईएएस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है. कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी गई है, शंकर ने इस कमर्शियल एंटरटेनर का निर्देशन किया है. 10 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली गेम चेंजर तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ अ ा ै र मलयालम में रिलीज हुई है.

## लॉस एंजिल्स आग मामला

# प्रीति जिंटा ने जताई चिंता फैमिली को बताया सेफ

प्रीति जिंटा ने कहा कि लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग के बीच वह और उनका परिवार फिलहाल सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने आसपास हुई को देखकर दुखी हैं। एक्स पर उन्होंने एक अपडेट साझा किया और लिखा: मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा दिन देखूंगी, जहां लॉस एंजिल्स के हमारे आस-पास के इलाकों में आग लग जाएगी। सबको हाई अलर्ट पर रखा गया है। मैं हमारे आस-पास की तबाही को देखकर दुखी हूं और भगवान की आभारी हूं कि हम अभी तक सुरक्षित हैं।

प्रीति जिंटा ने कहा,मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन लोगों के साथ हैं जो सब कुछ छोड़ने को मजबूर हुए या आग में अपना सब कुछ खो चुके हैं। उम्मीद है स्थिति जल्द ही काबू में आ आग बुझाने वाला विभाग, आग बुझाने वाले कर्मचारियो और जान-माल बचाने में मदद करने वाले सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद। सभी सुरक्षित रहें।

**प्रियंका चोपड़ा ने भी जताया दुख**

प्रीति जिंटा से पहले, प्रियंका चोपड़ा जोनास ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पोस्ट साझा की थी। इस पोस्ट के जरिए ने उन लोगों के कामों की सराहना की थी जो जंगल की आग के बाद प्रभावित परिवारों की मदद करने के लिए आगे आए थे। उन्होंने लॉस एंजिल्स के पड़ोस में लगी जंगल की आग की एक क्लिप भी शेयर की थी।

**लॉस एंजिल्स की आग में फंस गई नोरा फतेही**

लॉस एंजिल्स में लगी आग के बाद 9 जनवरी को नोरा फतेही ने एक वीडियो के माध्यम से भयावह अनुभव के बारे में बात की थी। उन्होंने लिखा था, अरे दोस्तों, मैं लॉस एंजिल्स में हूं, और जंगल में आग बहुत भयंकर है। मैंने ऐसा पहले कभी देखा। हमें पांच मिनट पहले ही निकलने का ऑर्डर मिला है। इसलिए मैंने जल्दी से अपना सारा सामान पैक किया और मैं यहां से बाहर निकल रही हूं। मैं एयपोर्ट के पास जाऊंगी और वहां आराम करूंगी क्योंकि आज मेरी फ्लाइट है और मुझे उम्मीद है कि मैं इसे पाऊंगी। मैंने पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं किया है इसलिए मैं आपको अपडेट देती रहूंगी।

# फिल्म चार कदम के लिए स्टोरी राइटर डेब्यू करने जा रही हैं सोनिया बंसल

बिग बॉस सीजन 17 की सोनिया बंसल ने आगरा से बॉलीवुड और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री तक का एक पेशनेट सफर तय किया है। वह नए साल में और भी कई उपलब्धियां हासिल करने के लिए तैयार हैं। अबू धाबी में ह्वह्वस्न में भाग लेने से पहले, सोनिया डिप्रेशन से अपनी लड़ाई के लिए चर्चा थीं, लेकिन अब उन्होंने कड़ी मेहनत, खुशी और अपने काम के प्रति प्यार के साथ डिप्रेशन से बाहर निकलने का कारण ढूंढ लिया है। फिलहाल, मैंने बॉलीवुड और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री दोनों में कई रोमांचक प्रोजेक्ट साइन किए हैं। मैं दोनों इंडस्ट्री की रचनात्मकता और मेरे जैसे महत्वाकांक्षी कलाकारों मिलने वाले अवसरों के लिए उनकी बहुत प्रशंसा करती हूं। मैं जनवरी-फरवरी 2025 के आसपास इसकी शूटिंग शुरू करूंगी, सोनिया बंसल ने अपनी उत्सुकता के कारणों को साझा करते हुए कहा। आगरा यूनिवर्सिटी से एमए करने वाली सोनिया कॉर्पोरेट जगत में अपना करियर शुरू करने के लिए मुंबई चली हालांकि, उनकी किस्मत और सच्चे जुनून ने उन्हें अभिनय और फैशन इंडस्ट्री की ओर अग्रसर किया।डुबकी, गेम 100 करोड़ का, शूरवीर और धीरा में काम कर चुकीं सोनिया म्यूजिक वीडियो के जगत में भी एक जानी-मानी हस्ती हैं। उन्हें रियलिटी स्टार शिव ठाकरे के साथ कोई बात नहीं, म्यूजिक में देखा गया था। सोनिया बंसल अपनी आने वाली फिल्म चार कदम में बतौर स्टोरी राइटर डेब्यू करने जा रही हैं।इस बारे में बताते हुए सोनिया ने कहा, मुझे न केवल अपने खाली समय में बल्कि यात्रा के दौरान और जब भी संभव हो, फिल्में देखना पसंद है। मैंने भाषाओं में बनी फिल्में देखी हैं और एक बात जो मुझे समझ में आई वह यह है की ऐसी कई कहानियां हैं जिन्हें बताया जाना चाहिए और मैंने चार कदम की कहानी बनाई।यह कई लड़कियों की कहानी है जो बेहतर अवसरों की तलाश में अपने छोटे शहरों से मुंबई मेट्रो शहरों में आती हैं, मेरी तरह और वे क्या-क्या झेलती हैं। सोनिया ने न केवल फिल्म की कहानी लिखी है बल्कि वह फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभा रही हैं। वह प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव में इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रही हैं।

# आज से महाकुंभ प्रारंभ

## महाकुंभ : शाही स्नान का शुभ मुहूर्त

13 जनवरी यानी आज से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत हो रही है। कुंभ मेले का महत्व न केवल धार्मिक है बल्कि इसका ज्योतिषीय आधार भी है। कुंभ 12 साल में एक बार आता है, आयोजन भारत के चार प्राचीन शहरों हरिद्वार, नासिक, प्रयागराज और उज्जैन में होता है। इन संगम के पवित्र जल में कुंभ के स्नान और पूजा-अर्चना का सबसे बड़ा मौका होता है।

मान्यता है कि कुंभ के मेले में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिल जाती है। समुद्र के से निकले अमृत को पाने के लिए देवताओं और राक्षसों में 12 वर्षों तक युद्ध चला। इस युद्ध के दौरान कलश में से जिन स्थानों पर अमृत की बूंदें गिरीं वहां पर कुंभ मेला आयोजित किया जाता है। 12 वर्षों तक युद्ध चलने के कारण ही कुंभ हर 12 में एक बार आता है। महाकुंभ के स्नान को शाही स्नान के नाम से जाना जाता है।

महाकुंभ का पहला शाही स्नान कल पूर्णिमा के शुभ अवसर पर होगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 13 जनवरी यानी आज 5 बजकर 03 मिनट पर होगी और तिथि का समापन 14 जनवरी को अर्धरात्रि 3 बजकर 56 मिनट पर होगा।

### शाही स्नान के मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 05 बजकर 27 मिनट से सुबह 06 बजकर 21 मिनट रहेगा

प्रात: संध्या मुहूर्त- सुबह 5 बजकर 54 मिनट से सुबह 7 15 मिनट

विजय मुहूर्त- दोपहर 2 बजकर 15 मिनट से लेकर 2 बजकर 57 मिनट

गोधूलि मुहूर्त- शाम 5 बजकर 42 से लेकर 6 बजकर 09 तक

### महाकुंभ पर 144 साल बनेगा भद्रावास योग का शुभ संयोग

इस बार महाकुंभ खास माना जा रहा है क्योंकि साल बाद एक दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है जिसका संबंध समुद्र मंथन से माना जाता है, जिसके दौरान देवताओं और राक्षसों ने अमृत के लिए संघर्ष किया था। इस दिन सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति ग्रहों की शुभ स्थिति बन रही है जो कि उस समय समुद्र मंथन के भी बनी थी। साथ ही, महाकुंभ पर रवि योग का निर्माण होने जा रहा है। रवि योग कल सुबह 7 बजकर 15 मिनट से होगा और 10 बजकर 38 मिनट पर इसका समापन होगा। इसी दिन भद्रावास योग का भी संयोग बन रहा है और इस योग में भगवान की पूजा करना विशेष फलदायी माना जाता है।

### कब कब होंगे महाकुंभ के छह शाही स्नान?

प्रयागराज कुंभ मेले में छह शाही स्नान होंगे। महाकुंभ मेला का पहला शाही स्नान 13 जनवरी यानी आज होगा। दूसरा शाही स्नान 14 जनवरी 2025 को मकर संक्रांति पर होगा, तीसरा स्नान 29 2025 को मौनी अमावस्या पर होगा, चौथा शाही स्नान 2 फरवरी 2025 को बसंत पंचमी पर होगा, पांचवां शाही स्नान 12 फरवरी 2025 को माघ पूर्णिमा पर होगा और आखिरी शाही स्नान 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि पर होगा।

## इस बार का महाकुंभ क्यों है इतना खास?

कुंभ मेला शताब्दियों से अनवरत चली आ रही उस सांस्कृतिक यात्रा का पड़ाव है, जिसमें नदियां हैं, कथाएं हैं, मिथक हैं, अनुष्ठान हैं, संस्कार हैं, सरोकार हैं और शामिल हैं हमारी अनगिनत आध्यात्मिक और चेतनाएं, जिनके बलबूते हम अपनी परंपराओं को बखूबी निभाते हुए अपनी बनावट और मंजावट करते आए हैं। अथक प्रवाहमान इस यात्रा में नदियों की आवाजें भी शामिल हैं, जिन्हें सुनने स्वयं कुंभ आता है तो कुंभ में शामिल होने का स्वप्न संजोए लाखों-करोड़ों लोग भी।

इस अद्भुत, अप्रतिम, अलौकिक में शामिल होता है 12 वर्ष का इंतजार, पवित्र नदियों के पुण्य तट, नक्षत्रों की विशेष स्थिति, विशेष स्नान पर्वों की धमक, साधु-संतों की जुटान, धर्म आकाश के सभी सितारे और उनका वैभव, कल्पवासियों की आकांक्षाएं और देखते ही देखते दुनिया के सबसे बड़े अस्थायी नगर का बस जाना...

बरस के बाद आने वाले अपने हर पड़ाव पर यह यात्रा लोकोत्सव में बदल जाती है, जिसमें भारतीय संस्कृति कुलांचे भरती, अठखेलियां करती पूरे विश्व को स्वयं में समाहित कर लेने की ताकत दिखा देती है। सच तो यह कि इस लोकोत्सव में 'वसुधैव कुटुंबकम' की भारतीय अवधारणा सहजता चरितार्थ होती है।

### सनातन गर्व का महापर्व

वास्तव में भारतीय संस्कृति की अवधारणा में ही सामूहिकता निहित है। हमने प्रारंभ से ही विश्व को एक कुटुंब की तरह मानकर स्वयं को प्रस्तुत किया है। हमारी सभी सांस्कृतिक चेतनाओं में समूह पहले आता है, फिर व्यक्ति। यही वजह है कि जैसे आयोजन केवल देश को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को अपने भीतर सहेज लेने का सामर्थ्य रखते हैं। यही वजह है कि किसी भी कुंभ मेले में पग-पग पर संस्कृतियां अपनी पूरी रौ में चमकती-दमकती मिल जाती हैं।

इसी चमक-दमक के आलोक में ही तो हम पीढ़ियों को और मांजने का दायित्व निभाते हैं। देश के दूर-दराज के स्थानों से कुंभ मेले में अपने-अपने समूहों में पहुंचते लोगों के पास अपनी संस्कृति की ऐसी पूंजी होती है, जिसमें सब गुंथे-बिंधे रहते हैं। एक ऐसी डोर से जिसको टूटना नहीं आता, केवल जोड़ना आता है। गाते-बजाते-नाचते-बतियाते इन समूहों भारतीयता की उस चेतना के दर्शन हो जाते हैं, जिनके सहारे हम पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोते आए हैं।

### परंपरा और आस्था की झलक

यह अनायास नहीं है कि यूनेस्को यानी संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन ने 2017 में कुंभ मेला को 'मानवता की सांस्कृतिक विरासत' की सूची में शामिल कर लिया है। सच यही है कि कुंभ मेला में पहुंचे बहुतेरे लोग किसी लोक कलाकार से कम नहीं होते। हर किसी को अपनी विरासत में बहुत कुछ ऐसा मिला होता है, जो खुशियों के कुंभ के रूप में यहां फूट पड़ता है।

तो यह भी सकते हैं कि यहां पहुंचते ही विरासत में मिलीं संस्कृतियां बिखर जाती हैं, अन्य लोक-संस्कृतियों के साथ मिलकर किलोल करने, अठखेलियां करने के लिए। और, सब के सब बहुरंगी लोकरंग में झूम उठते हैं। अपनी-अपनी बोली-बानी में लोकगीतों के स्वरों को एक लय-ताल में बह जाने हैं लोग।

कोई किसी की लय में झूमता नजर आता है तो कोई किसी की धुन गुनगुनाता मिल जाता है। कभी संगम की रेती पर विदेश से पहुंचे लोगों को गाते-नाचते देखिए तो यह मत समझिएगा कि वे नदी के तट पर किसी इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करने के कोई वीडियो शूट कर रहे हैं, बल्कि यह अनुभव करिएगा कि वे अपनी सुर-लय-ताल को हमारी सामूहिक संस्कृति की विरासत का हिस्सा बनाना चाहते हैं। ऐसा मैं इसलिए कह पा रहा हूं कि मैंने देखा है कुंभ में पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण का भेद मिटते हुए। और, यही वह है जो कुंभ को वैश्विक बनाती है।

### साथ जाएगी परंपरा की थाती

इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि देश-दुनिया के लोग अपने रहन-सहन, सोच-विचार, रीति-रिवाज, संस्कार-सरोकार, आचार-व्यवहार की भरी-पूरी थाती लेकर कुंभ मेले में शामिल होने आते हैं और यहां उसमें से बहुत कुछ जगह बनाते हैं, ताकि उसमें यहां से कुछ नया सहेजकर ले जा सकें। यही तो है स्वयं को नया कर लेने की जुगत। कुंभ मेला कल्पवास के रूप में हमें अपनी आध्यात्मिक, सामाजिक, मानसिक और शारीरिक चेतनाओं को तरोताजा करने की सांस्कृतिक प्रयोगशाला उपलब्ध कराता है। मैंने देखा है प्रयोगशालाओं में नए गीतों, नए आख्यानों, नई कथाओं और नए रूपकों को गढ़े जाते हुए, प्रस्तुत होते हुए और फिर पीछे आ रही पीढ़ियों के लिए सहेजे जाते हुए। आज जब हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और चिप कम्युनिकेशन जैसी तकनीकों की गिरफ्त में आते जा रहे हैं, तब अपनी अपनी संस्कृति, अपनी परंपराओं और अपनों के साथ नातेदारी बनाने को प्रेरित करते कुंभ मेले बहुत जरूरी जान पड़ते हैं।

यह सही है कि वास्तविक कुंभ मेलों के साथ-साथ वर्चुअल कुंभ मेले भी विस्तार पा रहे हैं, लेकिन हमारी सांस्कृतिक यात्रा के अप्रतिम पड़ाव के रूप में साथ निभाते रहे ये मेले हमें यह भी सिखाते हैं कि किस तरह तकनीक को हाशिए पर धकेले बिना हम अपनी परंपराओं, संस्कारों और सरोकारों से जुड़े रह सकते हैं और निरंतर उनको मजबूत कर सकते हैं।यह तो तय है कि 21वीं सदी के 25 वें वर्ष में प्रयागराज महाकुंभ हमारी भारतीय संस्कृति और तकनीक के बीच की जुगलबंदी को नए आयाम देगा। हमारी यह सदियों पुरानी सांस्कृतिक यात्रा एक नई आभा के साथ अगले पड़ाव की ओर बढ़ चलेगी!

## कुंभ मेले से कैसे अलग है महाकुंभ, दोनों आयोजनों में प्रमुख अंतर

देशभर में इस समय महाकुंभ की रौनक देखने को मिल रही है। आस्था का यह महापर्व इस साल प्रयागराज की पवित्र धरती पर वाला है। यह हिंदू धर्म का सबसे अहम आयोजन माना जाता है, जो हर बाहर साल में एक बार आयोजित किया जाता है।

### इसलिए खास है कुंभ मेला

इस भव्य मेले में देश ही नहीं दुनियाभर से लाखों तीर्थयात्री और भक्त एक साथ जमा होकर संगम तट पर आस्था डुबकी लगाते हैं। प्रयागराज में कुंभ मेला संगम किनारे लगता है, जहां गंगा, यमुना और सरस्वती नदियां मिलती हैं। इस मेले की जड़े हिंदू पौराणिक कथाओं से जुड़ी हुई है। इस दौरान लोगों को अपने पापों से मुक्ति पाने और मोक्ष मिलने का एक मौका मिलता है। इस मेले कई ऐसे आयोजन होते हैं, जो लोगों के बीच मुख्य आकर्षण का केंद्र रहते हैं। आमतौर पर हर 12 साल में कुंभ का आयोजन किया जाता है, लेकिन प्रयागराज की धरती पर इस साल 2025 में महाकुंभ आयोजित हो रहा है। बहुत कम लोग ही कुंभ और महाकुंभ के का अंतर जानते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कुंभ और महाकुंभ के बीच का अंतर-

### महाकुंभ और कुंभ में अंतर

महाकुंभ मेला: यह आयोजन हर 12 साल में एक बार होता है और इसे सभी कुंभ मेलों में सबसे पवित्र माना जाता है। आगामी मेला 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक प्रयागराज में होने वाला है।

कुंभ मेला: कुंभ मेला हर 3 साल में मनाया जाता है और यह चार स्थानों पर बारी-बारी से आयोजित किया जाता है, जिसमें हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज शामिल हैं। हर एक जगह एक चक्र में मेले की मेजबानी करता है और इस दौरान यह ध्यान रखा जाता है कि हर एक जगह पर हर 12 साल में एक बार कुंभ मेले का आयजोन जरूर किया जाए।

### कहां लगता है महाकुंभ और कुंभ मेला

महाकुंभ मेला: महाकुंभ मेले का आयोजन मुख्य रूप से प्रयागराज में किया जाता है। यहां संगम तट पर इस मेले को आयोजित किया जाता है, जहां गंगा, यमुना और सरस्वती नदियां मिलती हैं। इस भव्य आयोजन में कुंभ मेले की तुलना में ज्यादा लोग आते हैं।यह मेला चार पवित्र जगहों हरिद्वार (गंगा), उज्जैन (शिप्रा), नासिक (गोदावरी), और (गंगा-यमुना-सरस्वती) के तट पर लगता है। इन सभी स्थलों का अपना विशेष महत्व और उससे जुड़े अनुष्ठान हैं।

### महाकुंभ और कुंभ मेले का आध्यात्मिक महत्व

महाकुंभ मेला: महाकुंभ को सतातन धर्म में सबसे अहम और पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि इस आयोजन में भाग लेने से पापों छुटकारा और मोक्ष जैसे कई आध्यात्मिक लाभ मिलते हैं। इस दौरान किया गया पवित्र स्नान विशेष रूप से शक्तिशाली माना जाता है।

**कुंभ मेला:** कुंभ मेले का भी अपना अलग आध्यात्मिक महत्व होता है, लेकिन महाकुंभ की तुलना में इसे कम शक्तिशाली माना जाता है। हालांकि, बावजूद इसके लोग पर भी आस्था की डुबकी लगाने आते हैं।

## डिजिटल युग ने बदला महाकुंभ का रूप

### भारतीय संस्कृति की ओर बढ़ रहा युवाओं का झुकाव

हमारा देश का भव्य मंदिर है और हमारी युवा-चेतना इस मंदिर की पुजारिन। भारतीय मन जब-जब सनातन के प्रति कृतज्ञ होना चाहता है, वह तीर्थाटन के लिए मचलने लगता है। वह ऐसा ठौर और ऐसा मेला ढूंढता है, जहां वह आनंद के भाव में उतरकर विशाल समूह के साथ निवेदित हो प्रायः वह नदियों की ओर दौड़ लगाता है।

'नदी में स्नान करते हुए सूर्य को अर्घ्य देना' उसकी सरलतम अभिव्यक्ति है, जो उसे भगवान के स्पर्श का अनुभव देती है। हमारे देश में कोई भी छोटी या बड़ी नदी ऐसी नहीं, जहां मकर संक्रांति जैसे सांस्कृतिक पर्वों पर लोगों मेला न जुटता हो। प्रयागराज का महाकुंभ उसी का विशालतम स्वरूप है। विश्व का सबसे बड़ा समझा जाने वाला यह मेला सबका ध्यान खींचकर यह बता देना चाहता है कि मनुष्य जाति सनातन के प्रति कृतज्ञ है और भागवत धर्म में अटूट आस्था रखती है।

### गंगा-यमुना-सरस्वती: मुक्ति का स्थल

पृथ्वी एक बहुत बड़ा तीर्थ है। सौभाग्यशाली होते हैं वे, जो इस तीर्थयात्रा के लिए भगवान द्वारा चुने जाते हैं। उनसे भी बड़े सौभाग्यशाली वे होते हैं, जिन्हें तीर्थों का राजा कहे जाने वाले प्रयागराज की ओर से निमंत्रण आता है। प्रयागराज विश्व की एकमात्र जगह है, जहां गंगा-यमुना-सरस्वती वेदकाल से भी पहले महायज्ञ किया था। वह यज्ञ स्थल आज भी पवित्र संगम की तरह पूजा भाव से देखा जाता है। ये तीनों नदियां योगिनी हैं, जीवनदायिनी हैं, मोक्षदायिनी भी।

ज्ञान-भक्ति-कर्म और सत-चित-आनंद की त्रिवेणी के रूप में दिखाई देने वाली ये नदियां आर्यों का पूरा सांस्कृतिक इतिहास हैं। सनातन धर्म का साक्षात्कार सबसे पहले इन्हीं नदियों ने किया और फिर ऋषियों को कराया, इसलिए इन ऋषि स्वरूपा नदियों के पवित्र संगम को भारत का प्राण कहा जाता है। प्राचीन भारत के निर्माण में प्रयागराज की केंद्रीय भूमिका रही है। यह शैव, शाक्त और वैष्णव संप्रदायों की भूमि है। यह मंत्र, यंत्र और तंत्र की उद्गम-भूमि होने के साथ-साथ कला, साहित्य और संस्कृति के अभ्युदय का भी अकेला सूत्रधार है। इतिहासकारों ने प्रयागराज को वेदकालीन बस्ती स्वीकार किया है।

ऋग्वेद के पंचम मंडल के अधिष्ठाता ऋषि भारद्वाज का विशाल आश्रम यहीं पर था। कुंभ का मेला अवंतिका और नासिक में लगता है, लेकिन महाकुंभ का मेला तो प्रयागराज में ही लगता है। कहा जाता है कि प्रयागराज के महाकुंभ में अवंतिका, हरिद्वार और नासिक की तीर्थ भूमियां चलकर आती हैं। तीनों कुंभों का समाहार महाकुंभ मेले में ही होता है। यहां आकर धर्म की सिद्धि है, अर्थ की पुष्टि होती है और काम को संतुष्टि मिलती है। ये तीनों पुरुषार्थ के यज्ञ कहे गए हैं। ये वे यज्ञ हैं, जिनके बिना मुक्ति संभव नहीं। प्रयागराज का महाकुंभ दुनिया भर के मेलों का राजा है। यहां आकर भारत की धड़कन को सुना जा सकता है। आकर सनातन धर्म का विश्वरूप देखा जा सकता है। महाकुंभ में श्रद्धा और विश्वास की जो भागवत सुगंध फैल रही है, उसे महसूस किया जा सकता है। इस मेले में उमड़ते जन-सैलाब पर विशाल अक्षरों में छपा हुआ दिखाई देता है-'वसुधैव कुटुंबकम'।

### सनातन की नई परिभाषा लिख रही युवा

हमारी आधुनिक पीढ़ी भारतीय संस्कृति का वैज्ञानिक विश्लेषण करते हुए जिन निष्कर्षों पर पहुंच रही है, वे भविष्य के नए द्वार खोलने की दिशा में बहुत महत्व के हैं। सनातन की रूढ़ हो चुकी परिभाषाएं बदल रही हैं। नई पीढ़ी की आस्था को अर्थ मिल रहा है। संप्रदायों के को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर परखने के बाद अब यह माना जाने लगा है कि हमारे ऋषि और आचार्य विज्ञानी थे। उन्होंने जो प्रत्यक्ष देखा, वही बताया। धर्म के नाम पर होने वाले आडंबरों को पीछे धकेल दिया गया है, किंतु लोक-सम्मत धारणाओं को युवा पीढ़ी का बल है। नई पीढ़ी समझ रही है कि जो शाश्वत सत्य है, वही सनातन है।

सदियों से जो कुंभ के मेले आयोजित होते चले आए हैं, वे लोक जीवन में उसी सत्य को प्रकट करते हैं। ये मेले सनातन हैं। ये मेले किसी न किसी रूप में अनादि काल से चले आए हैं और अनंतकाल तक सजते रहेंगे। 21वीं सदी के रजत जयंती वर्ष में युवाओं को महाकुंभ में अमृत स्नान करते हुए देखना भारतीय संस्कृति के अखंड पुण्यों का उदय है। इस बार महाकुंभ को लेकर नई पीढ़ी बेहद उत्साहित नजर आ रही है। हमारे युवा भारत के भाग्य विधाता है।

महाकुंभ में युवाओं के बीच जब सनातन-विमर्श होगा, युवा कलाकारों द्वारा शास्त्रीय गायन-वादन के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का परिचय देने वाली पारंपरिक नृत्य और नाट्य की प्रस्तुतियां होंगी, युवा कलाकारों की सृजन-वीथियां सजेंगी, अध्यात्म और विज्ञान के परस्पर संबंधों पर व्यापक चर्चा होगी, भारत के प्राचीन की सुरक्षा को लेकर ठोस निर्णय लिए जाएंगे, तब युवा-प्रभाव की रश्मियां पूरे विश्व को आलोकित करेंगी।

प्रगतिशील युवाओं के नेतृत्व में होने वाला यह महाकुंभ 'मेले में नवाचार' का जनक साबित होगा। इसलिए इस महाकुंभ को 'भव्य, दिव्य और नव्य महाकुंभ' कहा जा रहा है। इस बार का मेलों की परंपरा में एक नया अध्याय जोड़ने जा रहा है। उन्नत सड़क मार्ग से लेकर तमाम व्यवस्थाओं को डिजिटल करना इसी की बानगी है।

यह महाकुंभ विश्व-धर्म, विश्व-विज्ञान और विश्व-संस्कृति के समन्वय का अभूतपूर्व मेला सिद्ध होगा। इन तीनों को आपस में गले मिलते हुए देखना न केवल होगा, अपितु यह 21वीं सदी के रजत वर्ष का शृंगार भी होगा। इसे साधने के लिए युवा-चिंतकों ने आधुनिक संसाधनों के तालमेल के साथ व्यापक तैयारियां की हैं। विष्णु का सनातन पीठ कहे जाने वाले प्रयागराज में आयोजित यह महाकुंभ संक्रांति के महापर्व पर धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संक्रांति शुभ दिन रचेगा, इसमें संदेह नहीं। आने वाली पौष पूर्णिमा के दिन महाकुंभ के पहले अमृत स्नान में भींग कर भारत की युवा-चेतना सनातन के प्रति श्रद्धा और विश्वास का महाघोष करेगी!

संपादकीय

# चुनाव आयोग के जवाब

**चुनाव** आयोग ने राजधानी दिल्ली के विधानसभा चुनाव की तारीखें घोषित कर दी हैं। सियासी तापमान लगातार बढ़ेगा। भाजपा का बहुत कुछ दांव पर है, क्योंकि वह 26 साल से दिल्ली अद्र्धराज्य की सत्ता से बाहर है। इस बार भी भाजपा के चुनावी पोस्टर पर प्रधानमंत्री मोदी का चित्र छापा गया है। साफ है कि पार्टी के पास मुख्यमंत्री के चेहरे लायक कोई नेता नहीं है। प्रधानमंत्री के चेहरे पर एक अद्र्धराज्य के लिए वोट मांगना ही असंगत और राजनीतिक कमजोरी है। दूसरी तरफ केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) लगातार चौथी बार सत्ता के लिए जनादेश मांग रहे हैं, लेकिन इन 'कट्टर ईमानदार' चेहरों पर भ्रष्टाचार के दाग भी उभर आए हैं। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल समेत बड़े नेता, सांसद, विधायक जेल की हवा खा चुके हैं, लिहाजा 'आप' का चुनावी अभियान सवालिया है, लेकिन केजरीवाल चुनावी दौड़ से बाहर नहीं हैं। दरअसल दिल्ली बेहद शिक्षित, संपन्न और जागरूक महानगर है। यहां की साक्षरता दर 88 फीसदी है। प्रति व्यक्ति आय 4.6 लाख रुपए सालाना है। दिल्लीवालों के पास करीब 1.70 करोड़ स्मार्ट फोन हैं और 70 फीसदी से अधिक लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। जाहिर है कि दिल्ली का जनादेश किसी सामान्य राज्य या क्षेत्र से भिन्न होता है। ऐसे चुनाव की तारीखें घोषित करने से पूर्व चुनाव आयोग ने कई सवालों, आपत्तियों, संदेहों और झूठ के गुब्बारों के जवाब देना उचित समझा, क्योंकि आयोग देश के प्रति जवाबदेह है और स्पष्टीकरण देना उसकी संवैधानिक प्राथमिकता भी है। अधिकतर आरोप कांग्रेस ने लगाए हैं और कुछ जनादेशों को 'ईवीएम का चुनाव' करार दिया है। 'आप' ने भी आरोप लगाए हैं कि दिल्ली में मतदाता-सूची में नाम जोड़े या काटे गए हैं। खुद मुख्यमंत्री आतिशी ने चुनाव आयोग को ज्ञापन लिखा है कि केजरीवाल के चुनाव-क्षेत्र 'नई दिल्ली विधानसभा' में 6000 से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। कुछ और चुनाव-क्षेत्रों में भी ऐसा किया गया है। चूंकि इधर चुनाव आयोग की छवि और भूमिका दागदार और सवालिया हो गई है और उसे 'भाजपा का चुनाव आयोग' कहा जाने लगा है, लिहाजा स्पष्टीकरण देने बहुत जरूरी थे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने एक बार फिर 'ईवीएम' पर स्पष्टीकरण दिए। हालांकि सर्वोच्च अदालत तक इस मुद्दे पर विस्तृत फैसला सुना चुकी है। फिर भी सीईसी ने स्पष्ट किया कि ईवीएम बिल्कुल पारदर्शी है। उसे हैक नहीं किया जा सकता। उसमें वायरस डाल कर किसी भी चुनाव-परिणाम को प्रभावित नहीं किया जा सकता। सीईसी ने किसी भी तरह की छेड़छाड़ के आरोपों और अवैध वोट की संभावना को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि 'झूठ के गुब्बारे' उड़ाना बंद करें। ईवीएम को राजनीतिक दलों के एजेंटों के सामने खोला जाता है, चुनाव-चिह्न डाले जाते हैं और मतदान के सात दिन पहले ही मशीन को तैयार किया जाता है। ईवीएम फुलप्रूफ मशीन है। इसे मतदान के बाद सील कर दिया जाता है। मतगणना फॉर्म 17-सी के साथ की जाती है। यह फॉर्म मतदान समाप्त होने के बाद एजेंटों को दिया जाता है। इसमें उस मतदान केंद्र पर हुए मतदान का रिकॉर्ड होता है। इस तरह मतदान और मतगणना के दौरान पूरी पारदर्शिता बनाए रखी जाती है। सीईसी ने मतदाता-सूची में नाम जोडने या काटने को बहुत मुश्किल बताया, क्योंकि इस काम की एक स्थापित व्यवस्था और प्रक्रिया है। फॉर्म-7 भरे बिना किसी मृतक का नाम भी सूची से बाहर नहीं किया जा सकता। मतदाता-सूची तैयार करने में 70 चरण अपनाए जाते हैं और हर चरण में प्रत्याशी और राजनीतिक दलों को रखा जाता है। चुनाव आयोग का ऐसा स्पष्टीकरण प्रशंसनीय है।

> भाजपा के चुनावी पोस्टर पर प्रधानमंत्री मोदी का चित्र छापा गया है। साफ है कि पार्टी के पास मुख्यमंत्री के चेहरे लायक कोई नेता नहीं है। प्रधानमंत्री के चेहरे पर एक अद्र्धराज्य के लिए वोट मांगना ही असंगत और राजनीतिक कमजोरी है। दूसरी तरफ केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) लगातार चौथी बार सत्ता के लिए जनादेश मांग रहे हैं, लेकिन इन 'कट्टर ईमानदार' चेहरों पर भ्रष्टाचार के दाग भी उभर आए हैं। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल समेत बड़े नेता, सांसद, विधायक जेल की हवा खा चुके हैं, लिहाजा 'आप' का चुनावी अभियान सवालिया है, लेकिन केजरीवाल चुनावी दौड़ से बाहर नहीं हैं। दरअसल दिल्ली बेहद शिक्षित, संपन्न और जागरूक महानगर है। यहां की साक्षरता दर 88 फीसदी है। प्रति व्यक्ति आय 4.6 लाख रुपए सालाना है। दिल्लीवालों के पास करीब 1.70 करोड़ स्मार्ट फोन हैं और 70 फीसदी से अधिक लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं।

### यूनेस्को के अनुसार साल एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं

# ताकि बची रहे सांस्कृतिक बहुलता

उमेश चतुर्वेदी

> लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, 'मेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दी।' इसका साफ मतलब यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है। ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना एक्सक्लूसिव ज्ञान भी।

**बीसवीं** सदी के भाषा दार्शनिकों में लुडविग विट्गेंश्टाइन का नाम गंभीरता से लिया जाता है। लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, 'मेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दी।' इसका साफ मतलब यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है। ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना एक्सक्लूसिव ज्ञान भी। जिस तरह नदियां अपने उद्गम और अपने प्रवाह वाले इलाकों की पूरी संस्कृति और पर्यावरण के अथाह गुणों को खुद में समोए रहती हैं, भाषाएं भी नदी की भांति ही अपनी परंपरा, अपनी सोच, अपने दर्शन, अपने भूगोल और अपने इतिहास के साथ ही समूची संस्कृति को लेकर प्रवाहित होती रही हैं। यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है। यूनेस्को के अनुसार, पहले जहां हर तीन महीने के अंतराल पर एक भाषा की मौत की खबर आती थी, वहीं साल 2019 के बाद इस गति में तेजी आई है। यूनेस्को के मुताबिक, इस दर से हर साल दुनिया से करीब नौ भाषाओं का अस्तित्व खत्म होते जा रहा है। साफ है कि अगर एक भाषा मर रही है तो दरअसल उस भाषा की अपनी विशिष्ट संस्कृति, उसकी अपनी सोच और उसका अपना परिवेशबोध मर रहा है। इन अर्थों में देखें तो भाषाओं का इस तरह मरते जाना दरअसल संस्कृतियों के बहुलवादी स्वरूप का संकुचित होते जाना है। यूनेस्को के अनुसार साल एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं। जिनकी संख्या घटते-घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गई है। यूनेस्को को आशंका है कि भाषाओं के मरने की यही दर बनी रही तो 21वीं सदी के अंत तक दुनियाभर की करीब तीन हजार भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो चुका होगा। भाषाओं के जानकारों के अनुसार, यूनेस्को का यह आकलन उम्मीदों से भरा है। जबकि पश्चिम के कई भाषा और मानवशास्त्री मानते हैं कि अगर भाषाओं के मरने की गति ऐसी ही रही तो साल 2200 ईस्वी तक दुनियाभर में महज 100 भाषाएं ही जीवित रह पाएंगी। भाषाओं के लुप्त होने को लेकर भारत में एक अवधारणा यह है कि जो भाषा क्लिष्ट या कठिन होती जाती है, वह लोकव्यवहार

में खत्म होते जाती है। संस्कृत भाषा के बारे में नहीं कह सकते कि वह खत्म हो चुकी है, लेकिन उसका चलन घट गया है। एक खास धारा की वैचारिकी और भाषा दार्शनिक संस्कृत के चलन से बाहर होने के लिए उसके गंभीर होते जाने का उदाहरण देते हुए भाषाओं के लुप्त होने का सिद्धांत गढ़ते रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच भाषाएं सिर्फ इसी वजह से खत्म हो रही हैं कि वे क्लिष्ट या कठिन होती जा रही हैं? आधुनिक संदर्भों में देखें तो यह तर्क सही नहीं लगता। अंग्रेजी को ही लीजिए। कठिन अंग्रेजी बोलना शान का प्रतीक माना जाता है। इस लिहाज से तो उसे भी चलन से दूर होना चाहिए था। लेकिन उलटे वह बढ़ रही है। आधुनिक विश्व में सबसे बेहतरीन व्यवस्था लोकतंत्र को माना जा रहा है। लेकिन यह लोकतंत्र सिर्फ राजनीतिक संदर्भों तक ही सिमटता जा रहा है। विश्व ग्राम में बदली दुनिया में हर देश में एकरूपता बढ़ती जा रही है। संस्कृतियां और उनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं रोजाना के व्यवहार का विषय नहीं रहीं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की वजह से पूरी दुनिया तकरीबन एक तरह से खानपान, एक तरह के पहनावे और एक तरह की भाषा की ओर आकर्षित होती जा रही है। पश्चिमी सभ्यता और उसका सलीका ही मानक बनते जा रहे हैं। इस लिहाज दुनियाभर की बोलियों में भी एकरूपता कभी सायासिक, तो कभी अनायास ही होती जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया में छोटे समुदायों की भाषाएं लगातार किनारे होते जा रही हैं। चूंकि रोजी और रोजगार के लिए छोटे समुदायों की भाषाएं सहयोगी नहीं रह पाई हैं तो उनका चलन रोजाना की जिंदगी से कम होता जा रहा है और भाषाएं मर रही हैं। इसमें हर देश की अपनी केंद्रीय भाषा जहां केंद्रीय भूमिका में हैं, वहीं उसके देसज रूप लगातार या तो कमजोर हुए हैं या फिर लुप्त हो रहे हैं। कथित आधुनिक सोच इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दे रही है। भारत में अंग्रेजी इस आधुनिकता की वाहक है। इसी तरह कुछ प्रमुख भाषाएं अपने-अपने क्षेत्रों में आधुनिकता का केंद्रीय तत्व बन चुकी हैं। इस पूरी प्रक्रिया में बहुत ऐसी भाषाएं हैं, जो इतने कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं कि निकट भविष्य में उनका अस्तित्व ही नहीं रहेगा। यूनेस्को की रिपोर्ट 'एटलस-लुप्तप्राय भाषाएं' के अनुसार भारत में तीन ऐसी भाषाएं हैं, जिनके अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। इसमें पहले नंबर पर कर्नाटक की कोरगा है, जिसे बोलने वालों की संख्या महज सोलह हजार ही है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश की सिरमौरी भाषा है, जिसे महज 31 हजार लोग ही बोलते हैं। इस सूची में तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की पारजी भाषा है, जिसे सिर्फ पचास हजार लोग बोल रहे हैं। जाहिर है कि इन भाषाओं के अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। एकीकरण के दौर में रोहिंग्या लोगों की भाषा हनीफी पर मरने के कगार पर है। यूरोप में ऐसे ही अस्तित्व के संकट से आयरिश, सिसिली और यिडिश भाषाएं भी जूझ रही हैं। हमें याद रखना चाहिए कि भाषाओं की गहन विविधता सांस्कृतिक विविधता को ना सिर्फ सुनिश्चित करती है, बल्कि अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को आकार देती है। अगर आज के दौर में किसी भाषा को पीछे धकेला जा रहा है या किनारे किया जा रहा है तो इसका मतलब यह भी है कि इसके जरिए एक तरह से उस भाषा विशेष के इलाके की संस्कृति का हिस्सा भी गायब हो रहा है। हर संस्कृति में सबकुछ लिखने की क्षमता नहीं होती, उसके कई तत्व श्रुति, स्मृति और चलन के सहारे जिंदा रहते हैं। भाषा के मरने के बाद संस्कृति का यह अलिखा हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी भाषाओं को जिंदा रखें। भाषाओं को जिंदा रखने के लिए स्थानीय स्तर पर कोशिशें भी हो रही हैं। चीन ने अपनी पुरानी मंदारिन को संरक्षित करने के लिए अभियान चला रखा है। नाइजीरिया अपनी भाषाओं को वाचिक रूप में बचाए रखने के लिए रिकॉर्ड करने का सहारा ले रहा है। भारत में भी कई लोग अपनी बोलियों के लिए ऐसी कोशिशें कर रहे हैं। मरती हुई भाषाओं के लिए व्यक्तिगत की बजाय सामूहिक कोशिशें होनी चाहिए। भाषाएं क्यों जरूरी हैं, इसे हमें अमेरिकी नारी वादी रीटा मे ब्राउन के शब्दों में समझ सकते हैं। रीटा कहती हैं, "भाषा किसी भी संस्कृति का रोडमैप होती है। वह आपको बताती है कि इसे बोलने वाले लोग कहां से आते हैं और कहां जा रहे हैं।"

दृष्टि कोण

# कैंसर के खतरे से जुड़ा है शराब का सेवन

**नये** साल की शुरुआत एक नई स्वास्थ्य-चेतावनी के साथ हुई है। अमेरिका के सर्जन जनरल विवेक मूर्ति ने एक परामर्श प्रपत्र जारी किया है, जिसमें शराब सेवन और कैंसर के बढ़ते जोखिम के बीच सीधा संबंध बताया गया है। अमेरिका में कैंसर का तीसरा सबसे बड़ा रोकथाम योग्य कारण मदिरा पान है। हिदायत में कहा गया है कि चाहे शराब का सेवन किसी भी प्रकार का हो, इससे कम-से-कम सात प्रकार के कैंसर (स्तन, कोलोरेक्टम, ग्रास-नली, यकृत, मुंह, गला और स्वर-यंत्र) का खतरा बढ़ जाता है। अमेरिका में स्तन कैंसर के 16.4 प्रतिशत मामले शराब सेवन की वजह से हो रहे हैं। परामर्श प्रपत्र में चेतावनी दी गई है कि स्तन, मुंह और गले जैसे कुछ कैंसर के लिए 'जोखिम प्रतिदिन एक पैग या उससे कम के शराब सेवन से भी पैदा हो सकता है'। यहां तक कि शराब की थोड़ी मात्रा भी लीवर सिरोसिस जैसी विकट बीमारियों में कारक बन सकती है। हालांकि, किसी व्यक्ति में दारू पीने से कैंसर होने का जोखिम कई जैविक, पर्यावरणीय और सामाजिक कारकों पर भी निर्भर करता है। यह सलाह विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2023 के उस बयान के बाद आई है जिसमें शराब पीने से जुड़े जोखिम और नुकसान के बारे में बताया गया था। यह निष्कर्ष वैज्ञानिक साक्ष्यों के व्यवस्थित मूल्यांकन पर आधारित है। शराब सीधे तौर पर कई बीमारियों के लिए जिम्मेवार है और सड़क दुर्घटनाओं के पीछे दारू पीकर गाड़ी चलाना बहुत हद तक जिम्मेवार है। द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित विश्व स्वास्थ्य संगठन के बयान का निष्कर्ष है: 'जब बात शराब के सेवन की आए, तो इसकी कोई भी वह मात्रा सुरक्षित नहीं है जिससे स्वास्थ्य प्रभावित न होता हो'। 1980 के दशक में, इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर ने शराब को 'ग्रुप-1 कार्सिनोजेन' के रूप में वर्गीकृत किया था। यह कैंसर पैदा करने वाले पदार्थों की सबसे अधिक जोखिम वाली श्रेणी है जिसमें तंबाकू, रेडिएशन और एस्बेस्टस शामिल हैं। इथेनॉल शरीर में टूटने के कारण जैविक तंत्र के माध्यम से कैंसर का कारण बनता है। इसलिए, शराब युक्त कोई भी पेय (चाहे वह बीयर हो, वाइन हो या व्हिस्की) स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करता है। अपने बयान में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि शराब की मात्रा बढ़ने के साथ इसका जोखिम काफी हद तक बढ़ता चला जाता है। यह सुबूत इस मिथक को तोड़ता है कि कुछ मादक पेय, विशेष रूप से रेड वाइन, अगर संयम से सेवन किए जाएं तो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। दशकों से, शराब उद्योग ने हृदय रोग विशेषज्ञों को इस विचार को बढ़ावा देने के लिए गठजोड़ बनाया है कि शराब का सीमित मात्रा में सेवन हृदय के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है, जबकि इस तरह के दावों का समर्थन करने के लिए कोई विश्वसनीय वैज्ञानिक अध्ययन नहीं हुआ है। दूसरी ओर, विश्व स्वास्थ्य संगठन के यूरोपीय क्षेत्र के डाटा से पता चलता है कि शराब से होने वाले सभी किस्म के कैंसर में आधों में कारण आमतौर पर कथित 'हल्का' अथवा 'मध्यम' मदिरा सेवन करने वाले रहे, जैसे कि प्रति सप्ताह एक बोतल शराब या दो बोतल बीयर। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसा कोई अध्ययन नहीं है जो हृदय रोग या मधुमेह पर हल्की अथवा मध्यम मात्रा में शराब पीने के लाभकारी प्रभावों को प्रदर्शित करता हो या जो इस तरह के सेवन से जुड़े कैंसर के जोखिम को कम करना स्थापित करे। विश्व स्वास्थ संगठन में शराब और अवैध नशीली दवाओं के विशेषज्ञ कैरिना फेरेरा-बोर्गेस का कहना है: 'केवल एक चीज जो हम निश्चित रूप से कह सकते हैं वह यह कि जितना अधिक आप पीते हैं, उतना ही ज्यादा नुकसान यह करेगी। दूसरे शब्दों में, जितना कम आप पीएंगे, उतना ही आप सुरक्षित हैं'। जब आम तौर पर उत्पादित और उपभोग किये जाने वाले इस पदार्थ (शराब) के दुष्प्रभावों के बारे में वैज्ञानिक प्रमाण हैं, जिससे सरकारों को पर्याप्त राजस्व भी मिलता है, तो नुकसान को कम करने के लिए क्या कोई विकल्प उपलब्ध हैं? शराब पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का ब्यान उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों को दर्शाता है और सरकारों के लिए उपलब्ध नीतिगत विकल्प भी सुझाता है।

कुछ अलग

# वायु प्रदूषण की चिंता

**दिल्ली** एनसीआर सहित देश में वायु की दिन-प्रतिदिन गिरती गुणवत्ता गंभीर समस्या बन चुकी है। कहीं यह मौत की हवा न सिद्ध हो, इसलिए इस दिशा में चिंतन जरूरी है। निरंतर वायु की गुणवत्ता गंभीर स्तर पर बढने लगी है जिससे मृत्यु की दर के आंकड़े भयभीत कर रहे हैं। देश में वायु प्रदूषण की समस्या इस कदर भयावह हो गई है कि इसकी वजह से मृत्यु दर में वृद्धि होने लगी है। लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन ने आंकड़ों के माध्यम से जो तस्वीर पेश की है, वो सोचने को मजबूर कर रही है। इसके अनुसार दिल्ली सहित देश के 10 शहरों में प्रतिवर्ष हवा में पीएम-2.5 के कणों की अधिकता के कारण लगभग 33000 लोगों की मौत हो रही है। इसमें सिर्फ दिल्ली में ही 12 हजार लोगों की जान जा रही है, जो प्रति वर्ष होने वाली कुल मौतों का 11.5 प्रतिशत है। राजधानी में 100 में से 12 लोगों की मौत खराब हवा के कारण होती है। वाराणसी में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतें 10 प्रतिशत से अधिक हैं। कोलकाता में 7.3, पुणे में 5.9, अहमदाबाद, मुंबई और हैदराबाद में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतें 5.6 प्रतिशत हैं। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला जैसी जगह पर यह 3.7 प्रतिशत है। भारत के स्वच्छ वायु मानदंड विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 15 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर के मानक से चार गुना अधिक हैं। देश के कई क्षेत्रों की हवा जहरीली होती जा रही है। दिल्ली वालें का दम तो घुट ही गया है, बल्कि साथ में कई अन्य शहर भी इसकी चपेट में हैं। दिल्ली में तो इसका ठीकरा पंजाब, हरियाणा, यूपी की पराली पर फोड़ दिया जाता है कि उसका धुंआ इधर आता है, मगर सर्वेक्षण में पराली तो केवल 10 फीसदी योगदान देती है, शेष 90 फीसदी के लिए जिम्मेवार कौन है, यह सबसे बड़ा प्रश्न है। सरकारें बारिश होकर व हवा के साथ उड़ जाने से स्वयं स्थिति सामान्य होने का इंतजार कर रही हैं। क्या अपने स्तर पर कोई प्रयास संभव नहीं है, जो लोगों को दम घुटती इस स्थिति से बाहर निकाल सके। दिल्ली-एनसीआर का वायु प्रदूषण अब न केवल स्थानीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता का कारण बन गया है। हाल ही में अजरबैजान की राजधानी बाकू में आयोजित सीओपी-29 समिट में दिल्ली की जहरीली हवा और उसके खतरनाक प्रभावों पर गंभीर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने इसे न केवल स्वास्थ्य, बल्कि पर्यावरणीय आपातकाल घोषित किया। दिल्ली-एनसीआर के हालात बद से बदतर हो चुके हैं। यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर स्तर पर पहुंच गया है जिसमें कुछ क्षेत्रों में यह 500 से भी अधिक हो गया है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रदूषण के कारण कई इलाकों में विजिबिलिटी कम हो गई है और शहर गैस चैंबर में तब्दील हो चुका है। डॉक्टर्स और वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि दिल्ली का बढ़ता वायु प्रदूषण अस्थमा, हृदय रोग, फेफड़ों के कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है। हर सांस के साथ जहरीले कण शरीर में प्रवेश कर रहे हैं, जो विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रहे हैं। सीओपी-29 समिट में दिल्ली के प्रदूषण का मुद्दा प्रमुख रहा। पर्यावरण मंत्रालय को दम घुटती जहरीली हवाओं से देशवासियों को बचाने के लिए उपाय खोजने होंगे, नहीं तो यह विश्व में भारत की बढ़ती धाक पर एक धब्बे के रूप में स्पष्ट देखने को मिलेगा। कई देशों ने ऐसी समस्याओं का इलाज किया है। उस तकनीक को भारत क्यों नहीं समझता।

देश दुनिया से

# फसल खुद नष्ट कर रहे हैं किसान

**झारखंड** के लातेहार जिले के बालूमाथ और बारियातू इलाकों में दो प्रकार के टमाटर की खेती प्रसिद्ध है- एक गुलशन (मोटे छिलके वाला) जो सलाद और सब्जी में उपयोग होता है, और दूसरा सलेक्शन (नरम छिलके वाला) जिसका इस्तेमाल सब्जी, चटनी और टोमैटो कैचअप में होता है। हालांकि, पहले यहां की टमाटर फसल किसानों के लिए लाभकारी थी, लेकिन इस साल फसल तो अच्छी हुई है, लेकिन मंडी तक पहुंचाने और उसकी कीमत निकालने में दिक्कत हो रही है, जिससे किसानों को घाटा हो रहा है। रामगढ़, हजारीबाग, लोहरदग्गा में टमाटर, गोभी, पालक जैसी फसलों की बुरी स्थिति है। किसानों ने खुद अपनी फसल को ट्रैक्टर से रौंद कर नष्ट कर दिया है, क्योंकि फसल का मूल्य बहुत कम हो गया है। गोभी के दाम 2-4 रुपये और टमाटर के दाम 2 रुपये प्रति किलो तक गिर गए हैं, जो तुड़ाई की लागत भी नहीं निकाल पा रहे। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के हरवाई गांव में भी टमाटर की फसल पर रोटवेलर चलाकर गेहूं बोने की स्थिति है। यहां किसानों ने खेत किराये पर लिए थे, लेकिन टमाटर के दाम में भारी गिरावट आ गई है। पिछले महीने 400 रुपये प्रति क्रेट मिलने वाला टमाटर अब 30 रुपये प्रति क्रेट बिक रहा है। तुड़ाई, मंडी का खर्च और परिवहन के बाद किसान को भारी नुकसान हो रहा है। मध्यप्रदेश के बड़वानी में टमाटर मवेशी खा रहे हैं, जबकि दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में टमाटर के दाम 40 रुपये प्रति किलो हैं। लेकिन विभिन्न जिलों में टमाटर की फसल कूड़े में पड़ी हुई है। छत्तीसगढ़ के किसानों को जलवायु परिवर्तन के कारण फसल नष्ट करनी पड़ रही है। दुर्ग जिले में चक्रवाती तूफान और अचानक बढ़ी ठंड ने टमाटर की फसल को प्रभावित किया, जिससे दाम गिर गए और किसान मजबूर होकर फसल नष्ट कर रहे हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी हालात खराब हैं, जहां मेडक के शिवमपेट में किसानों ने अपनी फसल को आग लगा दी है। विदित है कि टमाटर 15-27 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच के तापमान में सबसे अच्छे उगते हैं, और इसके लिए आदर्श औसत मासिक तापमान 21-23 °डिग्री सेंटीग्रेड होता है। 32° डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक तापमान फल लगने और उसके विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। दक्षिणी राज्यों में जलवायु परिवर्तन के कारण टमाटर की खेती प्रभावित हो रही है, जिसके कारण सफेद फंगस और पट्टी में छेद करने वाले कीटों की समस्या बढ़ गई है। इससे पहले ही कीटनाशकों का खर्च बढ़ गया था। हालांकि, फसल अच्छी हो गई, लेकिन बाजार में दाम नहीं मिलने के कारण किसान कर्ज में दब गए हैं। यह पहली बार नहीं हो रहा है। अधिक फसल कभी-कभी किसानों के सुनहरे सपनों पर पानी फेर देती है। घर के नए छप्पर, बहन की शादी, माता-पिता की तीर्थ यात्रा—

किसान ऐसे अनेक सपने लेकर अपनी 'केश क्रॉप' फसल सड़क पर फेंक देते हैं। इसके साथ रहती है केवल एक चिंता—खेती के लिए लिए गए बीज और खाद के कर्ज को कैसे चुकाया जाए? पूरे देश की खेती अनियोजित, शोषण का शिकार और किसान प्रतिकूल है, जिससे हर साल कई हिस्सों में किसान फसल को सड़क पर फेंकने को मजबूर होते हैं, जबकि कुछ ही महीनों बाद वही फसल फिर संकट का कारण बन जाती है। किसान मेहनत कर सकता है और अच्छी फसल दे सकता है, लेकिन सरकार को भी उसके परिश्रम के लिए उचित दाम और माल के सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए। कर्नाटक के कई जिलों में किसान हरी मिर्च जैसी फसलों को हर दूसरे-तीसरे साल सड़कों पर फेंककर अपनी हताशा व्यक्त करते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में कभी टमाटर, अंगूर, मूंगफली तो कभी गोभी किसानों को इसी तरह हताश करती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में आलू की फसल मवेशियों को चराने के लिए छोड़ दी जाती है, जबकि दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा में आलू के दाम बढ़े रहते हैं। राजस्थान के सिरोही जिले में जब टमाटर सड़कों पर बिखरते हैं, वहीं गुजरात में टमाटर के दाम उच्च स्तर पर रहते हैं। सरकारी और निजी कंपनियां अधिक उत्पादन देने वाले बीजों का प्रचार करती हैं, लेकिन जब फसल अच्छी होती है, तो दाम इतने कम होते हैं कि किसानों की लागत भी नहीं निकल पाती। विडंबना है कि कृषिप्रधान अर्थव्यवस्था वाले देश में कृषि उत्पाद के न्यूनतम मूल्य, उत्पाद खरीदी, बिचौलियों की भूमिका, किसान को भंडारण का हक, फसल-प्रबंधन जैसे मुद्दे गौण दिखते हैं। यह हमारे लोकतंत्र की किसान के प्रति संवेदनहीनता का प्रमाण है। सब्जी, फल और दूसरी कैश-क्राप को बगैर सोचे-समझे प्रोत्साहित करने के दुष्परिणाम दाल, तेल-बीजों (तिलहनों) और अन्य खाद्य पदार्थों के उत्पादन में संकट की सीमा तक कमी के रूप में सामने आ रहे हैं। मौसमी फसल बचाने को जरूरी है कि जिला स्तर पर अधिक कोल्ड स्टोरेज की स्थापना हो। साथ ही, स्थानीय उत्पाद के आधार पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की शुरुआत हो। यदि हर जिले में टमाटर के कैचअप और सॉस बनाने की फैक्टरी होती तो किसानों को अपनी फसल सड़कों पर नहीं फेंकनी पड़ती। देश में लगभग आठ हजार कोल्ड स्टोरेज हैं, जिनमें से अधिकांश आलू और प्याज के लिए उपयोग होते हैं। अब जरूरी है कि यह नीतियां स्थानीय स्तर पर बनें, ताकि प्रत्येक जिले की फसल, स्थानीय मांग और परिवहन की क्षमता का सही मूल्यांकन किया जा सके। इसके अलावा, कोल्ड स्टोरेज या वेयर हाउस पर किसानों का नियंत्रण होना चाहिए, न कि व्यापारी का।

आप का नजरिया

# घट रही आर्थिक विकास दर

**आम** बजट से पूर्व राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जीडीपी की विकास दर का जो अनुमान बताया है, वह खतरे की घंटी है। कमोबेश 'विकसित भारत' के संकल्प और लक्ष्य को पीछे धकेल सकती है। यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एडीबी और एसएंडपी एजेंसी के अनुमानों से भी कम है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की विकास दर 6.4 फीसदी आंकी गई है, जो बीते चार साल में सबसे धीमी और निम्न स्तर पर रहेगी। भारतीय स्टेट बैंक की एक रपट में तो यह दर घटकर 6.3 फीसदी हो गई है। अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्रों के कुल 8 उप-क्षेत्रों में से कृषि और लोक प्रशासन को छोड़ कर शेष 6 क्षेत्रों में विकास दर में गिरावट आंकी गई है। विनिर्माण, सेवा, निर्माण, खनन, बिजली-गैस, होटल-परिवहन और औद्योगिक वृद्धि में वित्त वर्ष 2024 की तुलना में चालू वित्त वर्ष में गिरावट के पूरे आसार हैं। कृषि में 1.4 फीसदी की तुलना में 3.8 फीसदी की बढ़ोतरी और लोक प्रशासन में 7.8 फीसदी के स्थान पर 9.1 फीसदी की वृद्धि हो सकती है। दरअसल नीतिकारों को यह चिंता करनी चाहिए कि भारत की वास्तविक मिश्रित सालाना विकास दर, बीते 10 सालों के दौरान, घटकर 5.9 फीसदी रह गई है। बीते 4 सालों में तो यह 4.8 फीसदी ही रह गई है। ऐसा देश 'विकसित' बनने का लक्ष्य कैसे हासिल कर सकता है। भारत को इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि उसकी विकास दर अमरीका, चीन, जापान सरीखे देशों की तुलना में ज्यादा है। अमरीका की अर्थव्यवस्था हमसे 8 गुना अधिक है, जबकि आबादी 33 करोड़ के करीब है। चीन की अर्थव्यवस्था हमसे 5 गुना ज्यादा है और जापान में आबादी कम है और वह विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत को आत्मचिंतन करना चाहिए कि सरकार 7-8 फीसदी विकास दर के दावे करती रहती है और हकीकत बहुत कम है। दरअसल कोरोना महामारी के बाद यह भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे धीमी गति साबित हो सकती है। इस कथित मंदी का आधार व्यापक है। इसी अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में 9.9 से घटकर विकास दर 5.3 फीसदी हो सकती है, जिसका असर रोजगार सृजन पर पड़ेगा। ऐसे में सरकार को खपत बढ़ाने के लिए कदम उठाने चाहिए। विकास दर लुढक़ने के बावजूद निजी उपभोग में उछाल आएगा, यह एक अच्छी खबर है, लेकिन फिक्स्ड पूंजी निर्माण में बढ़ोतरी 6.4 फीसदी ही होगी, जो वित्त वर्ष 2024 में 9 फीसदी थी। निजी उपभोग व्यय और फिक्स्ड पूंजी निर्माण किसी भी अर्थव्यवस्था में क्रमशः 60 फीसदी और 30 फीसदी के योगदान के साथ बढ़ोतरी के इंजन होते हैं, लेकिन दुर्भाग्य है कि दोनों में गिरावट देखी जा रही है। सारांश यह है कि निवेश अर्थव्यवस्था को कई गुना बढ़ाने वाली ताकत के तौर पर काम नहीं कर रहा है। अर्थात निवेश पर्याप्त नहीं मिल पा रहा है। हालांकि भारत में कॉरपोरेट कर अन्य देशों की तुलना में कम है और उत्पादन से जुड़ी योजनाओं के तहत प्रोत्साहन दिए जाते हैं, फिर भी अपेक्षाकृत निवेश कम आ रहा है। कोरोना महामारी के बाद वित्त वर्ष 2020-21 में हमारी अर्थव्यवस्था में 5.8 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज आपको भूमि, रिअल–एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। उन लोगों की बातों का बुरा न मानें जिनकी आपके जीवन में कोई अहमियत नहीं है।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

मौज–मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा, जो आपको तनाव दे सकता है। कुछ लोगों के लिए आ–कस्मिक यात्रा दौड़–भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी। आपका जीवनसाथी बिना जाने कुछ ऐसा ख़ास काम कर सकता है, जिसे आप कभी भुला नहीं पाएंगे। लोगों के बीच रहकर सबका सम्मान करना आपको आता है इसलिए आप भी सबकी नजरों में अच्छी छवि बना पाते हैं।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह**

सेहत अच्छी रहेगी। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। जरुरी कामों को समय न देना और फिज़ूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। आज किसी सामाजिक काम में हिस्सेदारी करके आपको अच्छा महसूस होगा।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है इसलिए साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जी–वनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है। यदि आप किसी खेल में महारत रखते हैं तो आज के दिन आपको वो खेल खेलना चाहिए।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। हालाँकि किसी भी चीज़ की अति नुक़सानदेह है।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे।
इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिल–खिलाकर हंसेगा।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। वे नि–वेश–योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें– कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। हि–तकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करें–गे। समय को व्यर्थ गँवाने की बजाय आज किसी विदेशी भाषा को सीखना आपके वार्तालाप के तरीक़ों में वृद्धि कर सकता है।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। बच्चों को साथ समय का पता नहीं चलता आज आप भी अपने बच्चों के साथ वक्त बिताकर यह जान जाएँगे।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है। अगर आज कुछ अधिक करने को नहीं है तो अपने घर के सामानों को दुरुस्त करके आप अपने को व्यस्त रख सकते हैं।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है– क्योंकि जल्दी ही आपको आपका जीवन–साथी मिलने वाला है। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का असली स्वाद चख सकते हैं।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। ग़लतफ़हमी के लम्बे दौर के बाद इस शाम आपको जीवनसाथी के प्यार का तोहफ़ा नसीब होगा। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

## सोमवार का पंचांग

दिनांक : 13 जनवरी 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि 03:59 तक
नक्षत्र : आर्द्रा प्रात: 10:59 तक
योग : वैधृति रात्रि 04:38 तक
करण : विष्टि सायं 04:29 तक
चन्द्रराशि : मिथुन प्रात: 04:20 तक
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:00 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:11 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:03 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:53 ( विजयवाडा )

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– पौष पूर्णिमा व्रत–पुण्य , शाकम्बरी जयंती , लोहड़ी पर्व , माघ स्नान आरंभ, कुंभ स्नान आरंभ , धनुर्मास

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# युवाओं के उत्थान के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल

**जयपुर,12 जनवरी (एजेंसियां)।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत है। उनके उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए के संदेश को युवा आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी भीतर की शक्ति और क्षमता को पहचाने और अपने सपनों को पूरा करते हुए सफलता की नई उंचाईयों को छूएं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को हर क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए पूर्ण रूप प्रतिबद्ध है।

शर्मा रविवार को स्टेडियम में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा प्रतिभाओं को महोत्सव में पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित कर रही है ताकि वे आसमान में एक लम्बी उड़ान भरे। प्रदेश का हर युवा राजस्थान की दिशा में पूरी क्षमता के साथ काम करे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार चार जातियों–युवा, महिला, और गरीब के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अन्त्योदय की परिकल्पना को साकार करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हम 5 साल में 4 लाख सरकारी भर्ती और निजी क्षेत्र में 6 रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा हमारे समाज के सबसे बड़े स्तंभ हैं। हमारे युवा जिस देश और प्रदेश में गए हैं, उन्होंने मेहनत कर राजस्थान का नाम किया है। आज विश्वभर में प्रवासी राजस्थानियों को अपनी हुनर और प्रतिभा से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कई देशों को प्रदेश में भाषाई संस्थान खोलने के लिए आमंत्रित किया है ताकि हमारी युवा प्रतिभाएं विदेशी भाषाओं में पारंगत होकर अधिक से अधिक रोजगार के प्राप्त कर सके। हम युवाओं की शैक्षणिक योग्यता के साथ ही, कौशलपरक योग्यता तथा अभिरूचि के संबंध में पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण भी करेंगे। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्–वेस्टमेंट समिट के अन्तर्गत किए गए एमओयू के माध्यम से युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने गत एक वर्ष में युवाओं के कौशल विकास और उनके लिए रोजगार के अवसरों के सृजन हेतु कई महत्वपूर्ण पहल की है। राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर नई शाखाओं की शुरुआत भी गई है, ताकि हमारे विद्यार्थियों को व्यावसायिक और उद्योग आधारित शिक्षा मिल सके। अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सेलेरेटर और एवीजीसी–एक्सआर पॉलिसी के तहत हमने युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 144 कैम्पस प्लेसमेंट शिविर आयोजित कर करीब 30 हजार युवाओं चयन और करीब 10 हजार युवाओं को करियर के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने स्टार्टअप लॉन्चपैड भी स्थापित किए हैं, जिससे युवाओं को नए स्टार्टअप शुरू करने और अपनी नवाचार क्षमताओं को प्रदर्शित करने का मिल रहा है। साथ ही एक साल में 900 से ज्यादा स्टार्टअप्स भी पंजीकृत हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजकीय महाविद्यालयों में 30 प्रतिशत सीटें छात्राओं के लिए आरक्षित करने के साथ लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए शुल्क माफ कर हम समावेशी विकास परिकल्पना को साकार कर रहे हैं। शर्मा ने कहा पेरिस पैरालिंपिक में प्रदेश के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, कांस्य सहित कुल 3 पदक जीतकर पूरे राज्य का सिर गर्व से ऊंचा किया। अब हम मिशन ओलिंपिक 2028 पर काम करते हुए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नई खेल नीति तैयार कर रही है जिसमें खेल के बुनियादी ढांचे के साथ विज्ञान, विश्–लेषण, परामर्श और पोषण का समावेश होगा। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव खेल एवं युवा मामलात भवानी सिंह देथा, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल नीरज के. पवन सहित संबंधित अधिकारी–कार्मिक बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

# 27 को होगा पाल बालाजी ज्योतिष ज्ञान महोत्सव

**जयपुर ,12 जनवरी (एजेंसियां)।**

अपेक्स यूनिवर्सिटी जयपुर और पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार 27 जनवरी को पाल बालाजी ज्योतिष ज्ञान महोत्सव आयोजित किया जायेगा। इंटरनेशनल कांफ्रेंस में 350 से अधिक ज्योतिष विद्वान भाग लेंगे। कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन के लिए केंद्रीय रेल मंत्री, लोकसभा राजस्थान के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्य सचेतक, विधायक सहित अन्य अति विशिष्ट व्यक्तियों को निमंत्रण दिया गया है।

अपेक्स यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष डॉ रवि जूनीवाल ने बताया कि शिक्षा एवं कैरियर में ग्रहों की भूमिका और दांपत्य जीवन में तनाव, विघटन और निवारण विषय पर देश विदेश के प्रसिद्ध अपने अपने विचार प्रकट करेंगे। पाल बालाजी ज्योतिष ज्ञान महोत्सव में मुख्य वक्ता कैप्टन लेखराज शर्मा, प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य के ए दुबे, रमेश भोजराज द्विवेदी, लाल किताब विशेषज्ञ गुरुदेव जी डी वशिष्ठ, गुरुदेव रमेश सेमवाल, शुभेश शरमन, प्रोफेसर डॉ अनिल मित्रा, डॉ शेफाली गर्ग, डॉ वाई राखी, डॉ मनोज गुप्ता अन्य विद्वान होंगे। कॉन्फ्रेंस की संयोजक रंजीता व्यास ने बताया कि 27 जनवरी को अपेक्स यूनिवर्सिटी में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में देश विदेश के 350 से अधिक ज्योतिष विद्वान भाग लेंगे। कॉन्फ्रेंस के पोस्टर का विमोचन उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बेरवा, संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सचिन पायलट, हवा महल विधायक बालमुकुंदाचार्य और धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत में अपने कर कमलों से किया। पोस्टर विमोचन के अवसर पर भविष्यवक्ता डॉ अनीष व्यास, सह संयोजक नीतिका शर्मा, आयोजन समिति की वरिष्ठ सदस्य शिवानी गौतम शमशेर सिंह और लक्ष्मी राय मौजूद रहे। कॉन्फ्रेंस की संयोजक नीतिका शर्मा ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में वैदिक ज्योतिष, हस्तरेखा, टैरो कार्ड रीडर, लाल किताब, केपी, अंकगणित और वास्तु सहित अन्य ज्योतिष विधाओं के विद्वान भाग लेंगे। कॉन्फ्रेंस में शामिल होने वाले विद्वान ज्योतिषाचार्यों को गोल्ड मेडल, मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। पाल बालाजी ज्योतिष महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई है और इसमें ज्योतिष के साथ शिक्षा, चिकित्सा, मीडिया और समाज सेवा के लोगों को सम्मानित किया जायेगा।

# जयपुर सहित 14 जिलों में शीतलहर के कारण स्कूलों में छुट्टियां बढ़ी

**जयपुर,12 जनवरी (एजेंसियां)।**

राजस्थान के जयपुर सहित 14 जिलों में शीतलहर के कारण स्कूलों में छुट्टियों की अवधि बढ़ा दी गई है। छुट्टियां 1 से 4 दिन बढ़ाई गई हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने जिला कलेक्टरों को स्कूलों का समय बदलने और छुट्टियां घोषित करने का अधिकार सौंपा है।

इस आदेश के बाद, जयपुर, सीकर, कोटा, टोंक और जैसलमेर के सभी स्कूलों में कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों के लिए 13 जनवरी छुट्टी घोषित कर दी गई है। वहीं, ब्यावर, पाली, जालोर, भरतपुर, डीग और खैरथल–तिजारा जिलों में कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों के लिए 13 और 14 जनवरी को छुट्टी होगी। सवाई माधोपुर जिले के सभी स्कूलों में कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों के लिए 13 और 16 जनवरी तक छुट्टियां घोषित की गई हैं।

**अजमेर और नागौर में छुट्टियां**

अजमेर कलेक्टर ने देर शाम आदेश जारी करते हुए प्री–प्राइमरी से 5वीं कक्षा तक के बच्चों के लिए 13–14 जनवरी का अवकाश घोषित किया है। कक्षा 6 से 12वीं तक की कक्षाएं नियमित रूप से चलेंगी। में भी 13 जनवरी को कक्षा 1 से 5वीं तक के बच्चों के लिए छुट्टी की घोषणा की गई है, जबकि 14 जनवरी को मकर संक्रांति का अवकाश

पहले ही घोषित किया जा चुका है।

**जोधपुर और बीकानेर में समय में बदलाव**

जोधपुर में जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने स्कूलों के समय में बदलाव का आदेश जारी किया है। 13 और 14 जनवरी को विद्यार्थियों को 10 बजे स्कूल आना होगा। इससे पहले स्कूलों का समय स्टाफ के लिए साढ़े 7 बजे और विद्यार्थियों के लिए 8 बजे से था।बीकानेर में कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने स्कूल के में बदलाव किया है। अब जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होंगे। इस बार बीकानेर में स्कूलों में छुट्टी नहीं की गई है।

# गृह क्लेश निवारण के नाम पर ठगी, पुलिस ने तीन आरोपी गिरफ्तार किए

**जालौर,12 जनवरी (एजेंसियां)।**

जालौर में बिशनगढ़ थाना क्षेत्र के धोरा ढाणी उम्मेदाबाद निवासी एक महिला को इंस्टाग्राम आईडी पर खुद को पंडित बता पूजा पाठ से कुछ ही समय में गृह क्लेश का करने का झांसा देकर सोने के आभूषणों के स्थान पर नकली आभूषण रख ठगी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर तीन आरोपियों दीपक भार्गव पुत्र उदाराम (40) निवासी रेडी थाना डूंगरगढ़ बीकानेर, कुलदीप भार्गव पुत्र प्रेमचंद (22) निवासी वार्ड नंबर 26 थाना सुजानगढ़ चुरु एवं मुकेश भार्गव बद्री प्रसाद (35) निवासी राणासर थाना सरदारशहर को गिरफ्तार कर एक ऑल्टो कार जब्त की है।एसपी ज्ञान चन्द यादव ने बताया कि 11 जनवरी को धोरा ढाणी उम्मेदाबाद जयन्ति देवी राजपुरोहित द्वारा थाना बिशनगढ में रिपोर्ट दी गई कि इंस्टाग्राम पर उसकी एक पर पंडित से बात हुई, उसने पूजा पाठ कर कम समय में गृह क्लेश का निवारण करना बताया। बातों में आकर पंडित के कहे अनुसार उसने 05 सोने के आईटम एक लाल कपड़े मे बांध कर पानी से भरे हुए लोटे के उपर रख दिया।

# भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी अमृत योजना सरकार जारी करे श्वेत पत्र : सैलजा

**सिरसा,12 जनवरी (एजेंसियां)।**

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश के शहरों और कस्बों में बुनियादी ढांचे में सुधार के साथ–साथ पानी, सीवरेज, शहरी परिवहन, पार्क जैसी सुविधाएं के लिए शुरू की गई अमृत योजना (अटल मिशन फ़ॉर रिजूवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफ़ॉर्मेशन) भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है, ये योजना जहां–जहां शुरू की गई वहां बुरी तरह से फेल हुई है। सरकार को इस योजना को लेकर श्वेत पत्र जारी करते हुए बताना चाहिए कि इस पर धनराशि खर्च की गई और क्या–क्या काम करवाए गए है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि यह अमृत योजना देश में 25 जून 2015 में शहरी विकास मंत्रालय की ओर से शुरू की गई। इस योजना का मकसद शहरों और कस्बों में बुनियादी ढांचे में करना है।

इस योजना के तहत, पानी, सीवरेज, शहरी परिवहन, पार्क जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। इसका मकसद, सभी के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। खास तौर पर, गरीबों और वंचितों के लिए इस योजना का फ़ायदा पहुंचाया जाता है। जिसका उद्देश्य शहरी नवीनीकरण परियोजनाओं के बुनियादी ढांचे की स्थापना करना है, जो शहरी परिवर्तन के लिए पर्याप्त मजबूत सीवरेज नेटवर्क और जल आपूर्ति सुनिश्चित कर सके।यह योजना सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल (पीपीपी) पर निर्भर है।

# 2 किलो 7 सौ ग्राम गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

**भरतपुर,12 जनवरी (एजेंसियां)।**

उद्योग नगर थाना पुलिस अवैध गांजे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। 2 किलो 7 सौ ग्राम गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से 1 लाख 2 हजार 2 सौ 20 रुपये भी बरामद किए गए हैं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही वह कहां से गांजा लाता था और कहां–कहां सप्लाई करता था।सीओ सिटी पंकज यादव ने बताया की 11 जनवरी को उद्योग नगर थाना अधिकारी हनुमान सहाय को मुखबिर की सूचना मिली थी की टोंटपुर के सामने कृष्ण वाटिका कॉलोनी में मानवेंद्र नाम के व्यक्ति के पास अवैध गांजा और बिक्री के लाखों रुपये हैं। जिसके बाद पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घेराबंदी कर मानवेंद्र को उसके घर से पकड़ लिया।जिसके बाद मानवेंद्र के घर की तलाशी ली गई तो, उसके घर से 2 किलो 7 सौ ग्राम गांजा और गांजा बिक्री के 1 लाख हजार 2 सौ 20 रुपये बरामद किए।

# बजट 2025: फरवरी मे संभावित हरियाणा का बजट सत्र, विकास कार्यों को मिलेगी गति

**चंडीगढ़,12 जनवरी (एजेंसियां)।**

हरियाणा में बजट सत्र 2025 की तिथि जल्द ही घोषित होने वाली है। यह जानकारी खुद हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने दी है। उन्होंने बताया कि आगामी सत्र फरवरी के दूसरे पखवाड़े में आयोजित किया जाएगा। बजट सत्र की सही तिथि भी जल्द ही तय की जाएगी। हर साल की तरह इस बार भी हरियाणा विधानसभा बजट सत्र को सफलतापूर्वक चलाने के लिए पूरी तरह तैयार है।बजट सत्र में जनहित के मुद्दे प्राथमिकता रहेंगे।हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष कल्याण ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार सभी वर्गों से संवाद कर रहे हैं। जनता की मांगों और सुझावों को गंभीरता से सुना जा रहा है ताकि उन्हें बजट में शामिल किया जा सके। सरकार का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का समाधान करना और विकास को तेजी से आगे बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री विभिन्न वर्गों से सुझाव लेकर बजट की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। इसके अलावा सभी विधायकों को अपने क्षेत्र की समस्याओं को विधानसभा में उठाने का पूरा मौका मिलेगा। बजट सत्र में सकारात्मक और रचनात्मक पर जोर दिया जाएगा। विकास कार्यों में तेजी आएगी। हरविंदर कल्याण ने कहा कि सरकार का फोकस प्रदेश के विकास पर है। रुके हुए प्रोजेक्ट जल्द से जल्द पूरे किए जाएंगे और नए विकास कार्यों को गति दी जाएगी। खासकर ग्रामीण इलाकों में विकास को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि का समग्र विकास हो सके।

जनता को हरियाणा बजट 2025 से कई अहम घोषणाओं की उम्मीद है। जिन क्षेत्रों पर सरकार विशेष ध्यान दे सकती है, उनमें कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और बुनियादी ढांचा शामिल हैं।

## राष्ट्रीय युवा दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह

# नायब सिंह सैनी ने युवाओं के लिए सौगातों की लगाई झड़ी

**चंडीगढ़,12 जनवरी (एजेंसियां)।**

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज स्वामी की 163 वीं जयंती युवाओं को समर्पित करते हुए प्रदेश के युवाओं के लिए सौग़ातों की झड़ी लगा दी। उन्होंने ग्रामीण युवाओं के लिए एक साथ 250 ज़िम का उदघाटन करने के बाद जहां आठ अधिसूचित खेलों के लिए मुफ्त खेल उपकरण तथा राज्य के वार्षिक खेल कैलेंडर में अंतर युवा क्लब खेलों को शामिल करने की घोषणा की , वहीं प्रदेश के हर ब्लॉक में कम से कम एक आईटीआई खोलने की बात कही।

मुख्यमंत्री यही नहीं रुके उन्होंने विभिन्न देशों की भाषाओं में युवाओं को दक्ष बनाने के लिए एक खास नीति बनाने और उसे एजेसी से प्रमाणित करवाने का खर्च भी सरकार द्वारा वहन करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज राष्ट्रीय युवा दिवस और स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में युवाओं को सम्बोधित कर रहे थे।इससे पूर्व उन्होंने युवाओं को नशे के जागरूकता के लिए प्रेरित करने वाले एक गीत का लोकार्पण किया जिसको प्रसिद्ध गायक नवीन पुनिया ने गाया। उन्होंने आईटीआई के प्रशिक्षुओं को जॉब के ऑफर लैटर भी प्रदान किए। उन्होंने एनएसएस के अवार्डी युवाओं और वालंटियर्स को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने ओजस्वी भाषण स्वामी विवेकानंद को नमन करते हुए युवाओं को प्रदेश से नशा की सामाजिक बुराई को समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने भारत में नव–जागरण का शंखनाद किया था। उन्होंने देशवासियों में आत्म–सम्मान और गौरव से जीने की लौ तथा आध्यात्मिक जागृति पैदा की। उन्होंने कि स्वामी विवेकानन्द भी कुश्ती के खेल को बहुत पसंद करते थे। वे पढ़ने के भी बहुत शौक़ीन थे , इतने ध्यान और एकाग्रचित्त होकर पढ़ते थे कि वे एक बार जिस किताब को पढ़ लेते थे वह कभी नहीं भुलते थे। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के हित में किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि हमारी सरकार का यह तीसरा कार्यकाल है। पिछले दो कार्यकालों के 10 वर्षों में हमने पूरा प्रयास किया है कि आपको आसमान दें। हमने आपको 21वीं सदी की आधुनिक शिक्षा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर रहे हैं। हाथ के हुनर से कमाल करने वाले नौजवानों की मदद के लिए पी.एम. विश्वकर्मा योजना लागू की है।

### सीएम योगी ने पीआरडी जवानों को दिया तोहफा

# राष्ट्रीय युवा दिवस पर मानदेय 500 रुपए प्रतिदिन हुआ

## स्वामी विवेकानंद जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए योगी आदित्यनाथ

**लखनऊ, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** स्वामी विवेकानंद भारत माता के ऐसे सपूत थे, जिन्होंने भारत की प्राचीन आध्यात्मिक संस्कृति को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था। उन्होंने 1893 में शिकागो समिट के जरिये दुनिया को भारत के महत्व, यहां की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के बारे में बताया था। स्वामी विवेकानंद अक्सर कहा करते थे कि जितनी बड़ी चुनौती हो, जीत उतनी ही शानदार होती है। यह युवाओं के लिए प्रेरणा है। उनकी इसी प्रेरणा को आत्मसात करके युवा आगे बढ़ रहे हैं।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोकभवन के सभागार में स्वामी विवेकानंद जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस पर कहीं। सीएम योगी ने पीआरडी के 35 हजार से अधिक जवानों का मानदेय प्रतिदिन 500 रुपए करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रीय महोत्सव में प्रदेश के 63 नौजवानों ने भाग लिया था। इनमें से तीन ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रदेश का नाम रौशन किया। प्रदेश के युवाओं के सामने कभी पहचान का संकट था, लेकिन आज यहां का युवा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहा है। सीएम ने कार्यक्रम में राज्य स्तरीय स्वामी विवेकानंद यूथ अवार्ड के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया। सीएम ने प्रांतीय रक्षक दल के मृतक जवानों के चयनित आश्रितों को चयन पत्र भी सौंपा। साथ ही एआई आधारित एकीकृत पोर्टल युवा साथी का शुभारंभ किया, जिसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से एकीकृत कर युवाओं को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए किया जाएगा। सीएम ने युवा पीढ़ी को आगाह करते हुए कहा कि जो युवा अपनी जवानी में नशे की चपेट में आ जाए, उसका कोई भविष्य नहीं हो सकता है। नशा नाश का कारण बनता है। युवाओं को नशे के खिलाफ लड़ना होगा। इसके लिए युवक मंगल दल और महिला मंगल दल को भी आगे आना होगा। सीएम ने कहा कि देश में टीबी के खिलाफ अभियान चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2025 तक टीबी को देश से समाप्त करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए मरीजों को चिह्नित करने के साथ फ्री उपचार और दवा दी जा रही है। सीएम ने कहा कि देश वर्ष 2047 में दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरेगा। उस दिशा में हम सभी को सामूहिक प्रयास करना चाहिए।

सीएम योगी ने पीआरडी के मृतक जवानों के आश्रितों को चयन पत्र वितरित किये। सीएम ने कहा कि 1948 में पीआरडी का गठन किया गया था। सीएम ने पीआरडी के जवानों के विभिन्न प्रशिक्षण पर जोर दिया। बोले-आपदा के समय उनकी बड़ी भूमिका हो सकती है। सीएम ने कार्यक्रम में पीआरडी के जवानों का मानदेय 500 रुपए प्रतिदिन करने की घोषणा की।

सीएम योगी ने पीआरडी के मृतक जवान के आश्रित बस्ती के मो. अमीर, बस्ती की कमला देवी, कानपुर नगर के माधव अवस्थी, अमरोहा के भपेंद्र और फतेहपुर के चंद्रशेखर को चयन पत्र सौंपा। इसके अलावा विवेकानंद युवा अवार्ड के तहत झांसी के अर्शप्रीत सिंह, बागपत के अमल, गोरखपुर की अर्पिता सिंह, चंदौली के अजीत कुमार सोनी, प्रतापगढ़ के सुंदरम तिवारी, बरेली के सत्यदेव आर्य, गाजीपुर के सिद्धार्थ राय, उन्नाव के अक्षय शुक्ला, बुलंदशहर के आर्यन गौड़ आदि को प्रमाण पत्र और चेक देकर सम्मानित किया।

वहीं युवक मंगल दल अंबेडकर नगर के प्रवीण कुमार गुप्ता और अंकित गुप्ता, सिद्धार्थनगर के अभिषेक कुमार यादव और अरविंद कुमार यादव, वाराणसी के प्रिंस चौबे और अनिल विश्वकर्मा के साथ महिला मंगल दल जालौन की प्रवीणा, रामपुर की स्वाति, लखनऊ की अशिंका यादव और स्वाति यादव आदि को प्रमाण पत्र और चेक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव, महापौर सुषमा खर्कवाल आदि की उपस्थिति रही।

## मकर संक्रांति के राजसी स्नान के लिए प्रयागराज रेल मंडल की योजना तैयार

**महाकुंभनगर, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** महाकुंभ 2025 के लिए प्रयागराज रेल मंडल की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अनुमान के मुताबिक महाकुंभ में लगभग 10 करोड़ श्रद्धालु के ट्रेन से प्रयागराज आएंगे।

14 जनवरी के दिन मकर संक्रांति के पहले राजसी स्नान पर लगभग 1 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम में स्नान करने का अनुमान है। प्रयागराज रेल मंडल ने मकर संक्रांति के दिन रेलवे स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष कार्ययोजना का निर्माण किया है।

ताकि श्रद्धालु आसानी से विभिन्न शहरों से प्रयागराज पहुंचकर आसानी से संगम स्नान कर सकें और किसी तरह की आपदा या भगदड़ न होने पाए। प्रयागराज रेल मंडल ने इसके लिए स्टेशनों पर श्रद्धालुओं के प्रवेश,निकास और ठहरने, टिकट लेने की योजनाओं को तैयार कर लिया है।

प्रयागराज रेल मंडल महाकुंभ के दौरान 3000 मेला स्पेशल ट्रेनों के साथ लगभग 13000 ट्रेनें चलाएगा। महाकुंभ के पहले राजसी स्नान पर्वों पर प्रयागराज रेल मंडल के स्टेशनों पर इंट्री और एक्जिट प्लान बनाए गये हैं। इस के बारे में बताते हुए जन संपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन प्रयागराज जंक्शन में प्रवेश केवल सिटी साइड, प्लेटफोर्म नं.-1 की ओर से दिया जाएगा और निकास केवल सिविल लाइंस साइड की ओर से ही होगा।

अनरिजर्वड़ यात्रियों को उनके गन्तव्य स्टेशन के हिसाब से यात्री आश्रय स्थलों के माध्यम से सही प्लेटफार्म की ओर ले जाया जाएगा। वहीं रिजर्वेशन कराये हुए यात्रियों को प्रयाराज जंक्शन के सिटी साइड से गेट नंबर 5 से प्रवेश कराया जाएगा। इसी तरह नैनी जंक्शन पर प्रवेश केवल स्टेशन रोड से दिया जाएगा और निकास केवल मालगोदाम की ओर, दूसरे प्रवेश द्वार से होगा। तो वहीं प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर प्रवेश केवल प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग को जोड़ने वाले सीओडी मार्ग से और निकास केवल जी.ई.सी नैनी रोड की ओर से कराया जाएगा।

प्रयाग जंक्शन में मकर संक्राति के दिन 14 जनवरी को इंट्री केवल चैथम लाइन, प्लेटफोर्म नं-1 की ओर से तो एक्सिट रामप्रिया रोड, प्लेटफोर्म नं-4 की ओर से होगी।

## स्वामी विवेकानंद ने वैश्विक पटल पर सनातन संस्कृति को प्रतिष्ठित किया: योगी

### सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण

**गोरखपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने उस कालखंड में जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, वैश्विक पटल पर सनातन वैदिक संस्कृति को प्रभावी ढंग से प्रतिष्ठित किया। इस युवा सन्यासी ने अपने विचारों और आचरण की साम्यता से राष्ट्र के प्रति चेतना जागृत करने के बड़ी भूमिका निभाई है। गुलामी के कालखंड में सनातन वैदिक मूल्यों की चर्चा दुरूह होने के बावजूद स्वामी विवेकानंद ने गर्व से कहो हम हिंदू हैं का उद्घोष किया।

सीएम योगी रविवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस नगर कॉलोनी में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद विद्यालय के पूर्व छात्रों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। विद्यालय के रज्जू भैया सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि महज 42 वर्ष की उम्र में नश्वर काया को छोड़ देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव भारत और भारतीयता की बात की। उनकी जयंती पर आज पूरा देश उन्हें भारत माता के महान सपूत और राष्ट्रीय-आध्यात्मिक गुरु के रूप में याद कर उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शिकागो समिट में जब भारतीय सनातन मूल्यों को वैश्विक मंच पर रखा तो उनके वक्तव्य को सुनकर दुनिया मंत्रमुग्ध और भाव विभोर हो गई। स्वामी जी ने सबको जागरूक करते हुए कहा था कि सनातन धर्म सबसे प्राचीन धर्म है। हर भारतवासी को इस पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। स्वामी जी की शिक्षा है कि हम सबका एक ही धर्म होना चाहिए, राष्ट्रधर्म। उन्होंने कहा कि भारत ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का अनुसरण किया तो देश को आजाद होने में समय नहीं लगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्वामी विवेकानंद का नाम सभी लोग लेते हैं लेकिन हिंदुत्व का उद्घोष करने वाले सन्यासी को वामपंथी कैसे स्वीकार करते। स्वामी विवेकानंद के विचारों को सरस्वती शिशु मंदिरों ने हमेशा की अंगीकार किया। स्वामी जी के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए देशभर में सरस्वती शिशु मंदिरों की लंबी श्रृंखला है।

सीएम योगी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का मानना था कि चुनौती जितनी कठिन होगी, उसके अनुरूप परिश्रम करने पर जीत और शानदार होगी।

उनके अनुसार परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता है। स्वामी जी के आदर्शों पर चलकर कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए भारत आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गया है और तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इससे प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी, शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर के नए दौर की शुरुआत होगी। भारत वैश्विक टेक्नोलॉजी का हब बनेगा। देश में हर चेहरे पर खुशहाली होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वामी जी के आदर्शों के अनुरूप युवाओं को समय के अनुकूल सक्षम बनाने के लिए स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 2 करोड़ युवाओं को टैबलेट-स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों के अनुरूप शिक्षा देने और राष्ट्रीयता का भाव जागृत करने के लिए सरस्वती शिशु मंदिर की शुरुआत नानाजी देशमुख ने गोरखपुर से की थी। उन्होंने कहा कि आज इन शिक्षा मंदिरों के जरिये जनजातीय क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। यदि इन कार्यों को तत्कालीन सरकारों ने समय रहते किया होता तो आज वहां अराजकता की यह स्थिति नहीं होती। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज नानाजी देशमुख के नाम पर एक पार्क का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि नानाजी देशमुख ने ग्रामीण विकास और वनवासी क्षेत्रों के विकास का जो मॉडल दिया है, वह आज भी अनुकरणीय है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हस्तलिखित दो पत्रिकाओं का विमोचन भी किया तथा मां दुर्गा पर केंद्रित एक भावपूर्ण नृत्य नाटिका का अवलोकन कर बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

# महाकुंभ पहुंचे इटली के एमा ने कहा, पिछले जन्म में मैं भारतीय था

### दोस्तों स्टीफेनो और पीटरों संग पहली बार महाकुंभ आए एमा

**महाकुंभ नगर, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** प्रयागराज में सजे महाकुंभ मेले की भव्यता और दिव्यता को निहारने न सिर्फ भारत के कोने-कोने से बल्कि पूरी दुनिया से लोग यहां पहुंच रहे हैं। भारतीय संस्कृति और परंपरा से प्रभावित इटली के तीन दोस्त महाकुंभ का मेला देखने पहुंचे हैं और यहां मेला परिसर में शिविर में ठहरे हैं। संन्यासी वस्त्र धारण कर घूम रहे युवकों में से एक ने कहा कि उसे ऐसा अहसास होता है कि वह पिछले जन्म में भारतीय था।

पीटरों ने बातचीत में कहा, मैं योगा का प्रैक्टिशनर हूं। मुझे भारतीय संस्कृति के बारे में कुछ-कुछ जानकारी है। कुंभ मेला सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन है। यह पहला अवसर है जब मैं कुंभ मेला घूमने आया हूं। मेरे दोस्त यहां आने की योजना बना रहे थे तो मैं भी शामिल हो गया।

स्टीफेनो ने कहा, मैं पहली बार कुंभ आया हूं। रूस के रहने वाले मेरे कुछ साधु मित्रों ने मुझे कुंभ के बारे में बताया। वे भारत में आकर नागा साधु बन चुके हैं।

इटली के एमा महाकुंभ के आयोजन से काफी प्रभावित दिखाई दिए। एमा ने कहा, मैं यहां पहली बार आया हूं। मैं योगा का शिक्षक हूं। कई भारतीय मेरे मित्र हैं। मुझे भारतीय संस्कृति पसंद है। मुझे लगता है कि इससे पहले के जन्म में मैं इंडियन था। भारत का संगीत, भजन, कीर्तन, सब कुछ मुझे काफी पसंद है। यहां महाकुंभ मेले की व्यवस्थाएं काफी अच्छी हैं।

## महाकुंभ-2025 : मकर संक्रांति के महापुण्यकाल की अवधि 1 घंटा 47 मिनट

**महाकुंभ नगर, 12 जनवरी (एजेंसियां)।** महाकुंभ का शुभारंभ हो चुका है, और मकर संक्रांति के अवसर पर आस्था का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा है। श्रद्धालु दूर-दूर से मां गंगा के पवित्र तट पर पहुंचने लगे हैं। कड़कड़ाती ठंड भी उनके उत्साह को कम नहीं कर पाई। सिर पर गठरी और पांव में बिना चप्पल, भक्त रेती पर दौड़ते हुए गंगा में स्नान के लिए तत्पर दिखे।

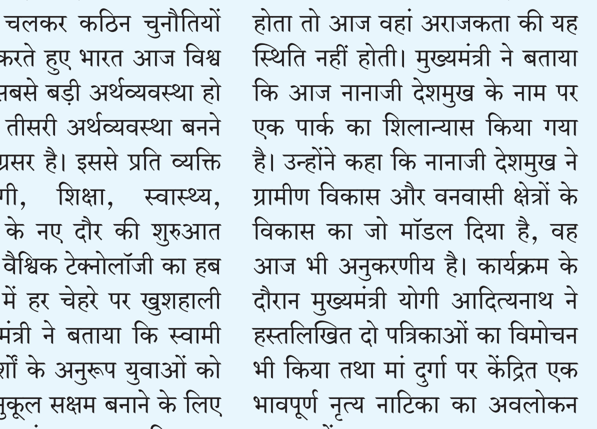

इस वर्ष मकर संक्रांति 14 जनवरी को है। इस पर्व में कोई भद्रा नहीं है, यह सुबह से शाम तक शुभ रहेगा। वैदिक ज्योतिष संस्थान के आचार्य पीसी शुक्ला के अनुसार, मकर संक्रांति सूर्य की स्थिति के आधार पर मनाया जाने वाला पर्व है। इस दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं और उत्तरायण हो जाते हैं। मकर संक्रांति पर गंगा, यमुना और अन्य पवित्र नदियों में स्नान करने का विशेष महत्व है। इस दौरान स्नान, दान, और तिल-गुड़ के सेवन से व्यक्ति पुण्य अर्जित करता है। महापुण्यकाल की अवधि सुबह 9:03 बजे से 10:50 बजे तक रहेगी, जो 1 घंटा 47 मिनट होगी।

शास्त्रों में मकर संक्रांति को तिल संक्रांति भी कहा गया है। इस दिन काले तिल, गुड़, खिचड़ी, नमक और घी का दान विशेष फलदायी माना गया है। तिल और गुड़ का दान: यह पापों का नाश और पुण्य लाभ प्रदान करता है। नमक का दान बुरी ऊर्जा और अनिष्टों का नाश करता है। खिचड़ी का दान, चावल और उड़द की दाल की खिचड़ी दान करने से अक्षय फल प्राप्त होता है। घी और रेवड़ी का दान भौतिक सुख, मान-सम्मान, और यश प्राप्त होता है। पक्षियों को दाना और जानवरों को भोजन: यह कर्म अत्यधिक फलदायी माना जाता है।

ज्योतिष के अनुसार, मकर संक्रांति पर स्नान और दान के बाद सूर्य देव के 12 नामों का जाप और उनके मंत्रों का उच्चारण जीवन की कई समस्याओं को समाप्त कर सकता है। यह मंत्र जाप सूर्य देव की कृपा पाने का उत्तम साधन है।इस पर्व पर तिल-गुड़ से बने लड्डू, खिचड़ी और अन्य पारंपरिक पकवान बनाए जाते हैं। पतंग उड़ाना भी इस दिन की खास परंपरा है, जो उत्साह और आनंद का प्रतीक है। मकर संक्रांति 2025 में महाकुंभ का यह संगम आस्था, परंपरा और श्रद्धा का अद्भुत समागम है।

# आंध्रा-तेलंगाना ज्ञानशाला ज्ञानार्थी परीक्षा-2024 आयोजित

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महासभा, ज्ञानशाला प्रकोष्ठ के निर्देशन एवं श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा सिकंदराबाद के तत्वावधान में ज्ञानशाला ज्ञानार्थी परीक्षा-2024 का रविवार दि. 12 जनवरी को पूर्ण नैतिकता के साथ और सुव्यवस्थित रूप से सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार देशभर और विदेशी केन्द्रों में एक साथ एक समय में संचालित की जाने वाली इस वार्षिक परीक्षा में हैदराबाद में कुल 8 परीक्षा केन्द्र स्थापित किए गए थे। सिकंदराबाद तेरापंथी सभा के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल बैद, ज्ञानशाला विभाग संयोजक वीरेंद्र घोषल, क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा, केंद्र परीक्षा व्यवस्थापक सरिता नखत, सह संयोजक जूली बैद, मुख्य प्रशिक्षक पुष्पा बरड़िया, परामर्शक अंजू बैद, क्षेत्रीय सह संयोजक सुरभि सिंघी, तेममं संरक्षिका विमलेश सिंघी आदि पदाधिकारियों की उपस्थिति में डीवी कॉलोनी तेरापंथ भवन में प्रश्न पत्र खोले गए।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा सिकन्दराबाद के अध्यक्ष सुशील संचेती, ज्ञानशाला की आंचलिक संयोजक सीमा दस्साणी, तेममं संरक्षिका सम्पत सिंघी, क्षेत्रीय सह संयोजक उषा सुराणा व अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में हिमायत नगर सभा भवन में प्रश्न पत्रों का अनावरण किया गया।

बोलाराम केंद्र में सभा के प्रतिनिधि अनिल कातरेला, सुजाता संचेती, मोनिका भंसाली, बोलारम की प्रशिक्षिकाएं और हाईटेक सिटी केंद्र में परीक्षा सहव्यवस्थापक सुमन सेठिया व तेमम कन्या प्रभारी शीतल कोठारी, क्षेत्रीय सह संयोजक यशोदा कोठारी उपस्थित रहे।

मारेडपल्ली परीक्षा केंद्र में क्षेत्रीय सह संयोजक अरुणा भंडारी व टीम, क्काडीगुडा परीक्षा केंद्र में तेमम संरक्षिका मंजू दुगड़ उपस्थित रहे। कविता व शीला की टीम ने मौखिक परीक्षाएं लीं। सभी परीक्षा केन्द्रों में सभा के प्रतिनिधियों और कार्यसमिति सदस्यों व तेरापंथ महिला मंडल के प्रतिनिधियों की देखरेख में परीक्षकों द्वारा प्रश्नपत्र खोले गए।

परीक्षा केंद्रों में तेलंगाना क्षेत्र से इन वार्षिक मौखिक परीक्षाओं में 260 ज्ञानार्थियों ने सहभागिता दर्ज कराई। परीक्षा लेने में और व्यवस्था में 95 प्रशिक्षिकाओं का सहयोग रहा। सभी ज्ञानार्थियों और प्रशिक्षिकाओं ने वर्ष भर भरपूर मेहनत की है। मूल्यांकन के इस अवसर पर पदाधिकारियों ने सभी के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। परीक्षा केंद्रों में तेमम सदस्यों और किशोर मंडल व कन्या मंडल की टीम ने व्यवस्था बनाए रखने में सुंदर सहयोग दिया।

ज्ञानशाला का नया शैक्षणिक वर्ष 2025 आरंभ हो चुका है। सभी अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि ज्ञानशाला की उम्र (4-14) के बालक-बालिकाओं को ज्ञानशाला जैसे महनीय उपक्रम से अवश्य जोड़ें।

# श्री गुजराती सेवा मंडल द्वारा संचालित गुजराती स्कूल का 90वाँ वार्षिकोत्सव आयोजित

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)**

श्री गुजराती सेवा मंडल द्वारा संचालित गुजराती स्कूल का 90वां वार्षिक दिवस समारोह भव्यता के साथ स्कूल प्रांगण में सम्पन्न हुआ ।

प्रेस करे जारी विज्ञप्ति के अनुसार स्कूल के सचिव जनकभाई ब्रह्मभट्ट ने बताया कि श्री गुजराती सेवा मंडल के 102 वर्ष पूर्ण हुए और गुजराती स्कूल ने अपने 90 वर्ष पूर्ण किये। इस अवसर को भव्यता से मनाते हुए वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया । साथ ही अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर की प्रथम वर्षगांठ को भी मनाते हुए बच्चों ने झांकी प्रस्तुत की । स्कूल के बच्चों ने अनेक प्रस्तुति से कार्यक्रम को मनोरंजक और मनमोहक बनाया। अवसर पर मंडल के अध्यक्ष घनश्याम भाई पटेल, उपाध्यक्ष जयंती भाई पटेल, सचिव जनक भाई ब्रह्मभट्ट, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र भाई कोटक, सह-कोषाध्यक्ष विष्णुभाई पटेल, ट्रस्ट बोर्ड चेयरमैन शिवघनभाई पटेल, बोर्ड सचिव जशभाई बी. पटेल, ट्रस्टी आसितभाई कडाकिया, गिरीशभाई रंगापुरिया, धवलभाई आर. दमानी, समिति सदस्य कुशालभाई वी. शाह, हरीशबाई दवे, तरुण भाई मेहता, दिनेश भाई (लाल गुरु), राकेश वी. पटेल, दिनेश भाई (नीलकंठ), अजय भाई एम ओझा, सुरेश भाई गढिया, रमेश भाई निगांधी, कौशिक जे. पटेल, जितेश कुमार जानी, हरीशभाई गढिया, अतिथि जसमत भाई पटेल, रिद्धिश जागीरदार, स्कूल के प्रधानाध्यापक बिन्द्रा ए संपत्त, सुषमा सिंह एवं अन्य उपस्थित थे।

जियगुडा स्थित कामधेनु गौशाला में रामपतलाल पूर्षोत्तम गुप्ता परिवार द्वारा आयोजित गौ प्रसाद कार्यक्रम में उपस्थित पीस कमेटी अध्यक्ष श्रीकिशन शर्मा, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के जसमत भाई पटेल, रिद्धिश जागीरदार, सारिका गुप्ता, कुशल, मयांक, दीपा, मोना एवं अन्य

# जयशंकर कृषि विवि में तेंदुए की गतिविधि का कोई सबूत नहीं मिला

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीजीएयू) के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि विश्वविद्यालय परिसर में तेंदुए की गतिविधि का कोई सबूत नहीं मिला है, उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह किया है।

यह स्पष्टीकरण सोशल मीडिया और विभिन्न मीडिया चैनलों पर तेंदुए के देखे जाने की अफवाहों के व्यापक रूप से साझा किए जाने के बाद आया है, जिससे छात्रों और उनके अभिभावकों में चिंता पैदा हो गई है। स्थिति से निपटने के लिए, विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों, स्थानीय पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों ने रविवार को परिसर की गहन तलाशी ली। विश्वविद्यालय के प्रभारी सुरक्षा अधिकारी डॉ. हुसैन के अनुसार, परिसर के कई क्षेत्रों में लगभग चार घंटे तक विस्तृत निरीक्षण किया गया। व्यापक तलाशी के बावजूद, तेंदुए के पैरों के निशान या गतिविधि के अन्य संकेत नहीं मिले।अफवाहों के जवाब में, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने लोगों को आश्वस्त किया और इस बात पर जोर दिया कि चिंता का कोई कारण नहीं है। उन्होंने छात्रों, कर्मचारियों और अभिभावकों से निराधार जानकारी न फैलाने का आग्रह किया, जिससे अनावश्यक दहशत पैदा हो सकती है।

एहतियात के तौर पर विश्वविद्यालय सुरक्षा कर्मियों के साथ परिसर की निगरानी जारी रखे हुए है और सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रैप कैमरे लगाए हैं। अधिकारियों ने छात्रों को देर रात परिसर में घूमने से बचने और सतर्क रहने की सलाह भी दी है। जबकि स्थिति साफ हो गई है, विश्वविद्यालय के अधिकारी सतर्कता और निगरानी बनाए रखना जारी रखे हुए हैं।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को श्रीमती शारदा देवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में बालकिशन सुजीत कुमार अग्रवाल परिवार की ओर से नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

बजरंग सेना तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव के नेतृत्व में श्री राधा मदन मोहन मंदिर (इस्कॉन), अबिड्स में गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की वकालत करते हुए एक हस्ताक्षर अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया। इस अभियान में भक्तों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई और इस नेक काम के समर्थन में 500 से अधिक हस्ताक्षर एकत्र किए गए। इस कार्यक्रम के दौरान संगठन के प्रमुख सदस्य, जिनमें श्री संजय कुमार (उपाध्यक्ष), श्री राघव कुमार (उपाध्यक्ष), श्री सुरेंदर सुराना (संगठन मंत्री), श्री मनोज मोगलगिड्डी (अध्यक्ष, ग्रेटर हैदराबाद), श्री रामेश्वर मिश्रा और अन्य शामिल थे।

हैदराबाद हेल्पिंग ह्यूमन फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार, दि. 12 जनवरी को काटेदान में अयोध्या राम मंदिर की पहली वर्षगांठ पर राम प्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर भगवान रामचंद्र जी को भव्य रूप से सजाया गया। कार्यक्रम में फाउंडेशन के योगेश देवड़ा, कुलदीप शर्मा, राजेंद्र सिंह, सिद्ध विजय भाटी, अभिषेक कुमार, राजेंद्र मिश्रा, दिनेश सांखला, साहित अनेक लोगों ने सेवा प्रदान की।

# अत्तापुर में रक्तदान शिविर आयोजित

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

श्री जगतगुरु नरेंद्राचार्य महाराज संस्थान द्वारा रविवार दि. 12 जनवरी को अत्तापुर के रामबागराम मंदिर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनेक लोगों ने रक्तदान किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार रक्तदान शिविर का उद्घाटन तेलंगाना मुदिराज संगम के अध्यक्ष बी. ज्ञानेश्वर मुद्धिराज ने किया। इस मौके पर कांग्रेस नेता दानम सीनू, बी-ब्लॉक के मो. खालिद, गोवर्धन रेड्डी, प्रवीण रेड्डी, सरदार अरमेंद सिंह, महेंद्र, कृष्णमूर्ति, मधुकर साहित अनेक लोगों ने सेवाएं प्रदान कीं।

सिकंदराबाद स्थित डायमंडल पॉइंट में आयोजित भगवान अय्यप्पा स्वामी की पड़ी पूजा में भाग लेते हुए भक्तगण।

## पर्यटन को जन उद्योग बनाना चाहते हैं सीएम योगी

# राम-कृष्ण की धरती ऐतिहासिक विरासतों से समृद्ध है

**लखनऊ, 12 जनवरी (एजेंसियां)।**

उत्तर प्रदेश विविधताओं का प्रदेश है। भगवान श्रीराम की अयोध्या, वनवास के दौरान उन्होंने पत्नी सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ जिस चित्रकूट में सर्वाधिक समय गुजारा वह भी उत्तर प्रदेश में है। मथुरा और वृंदावन सहित पूरा ब्रज क्षेत्र राधा, कृष्ण, गोपियों, ग्वालों की याद दिलाता है। ताजमहल के नाते आगरा और शौर्य संस्कार की गवाह रानी लक्ष्मीबाई की धरती बुंदेलखंड का अपना अलग आकर्षण है। तीर्थराज प्रयाग तो खुद में अद्भुत है। कुंभ और महाकुंभ के दौरान तो यह मानवता का वैश्विक समागम बन जाता है। दुनिया को शांति और अहिंसा का संदेश देने वाले भगवान बुद्ध, योग को बिना भेदभाव के लोककल्याण का जरिया बनाने वाले गुरु गोरक्षनाथ, महावीर जैन की भी यही धरती है। सबसे पुराने जीवाश्म के नाते सोनभद्र भी पर्यटकों की पसंद बन सकता है। कुल मिलाकर यूपी में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश के लोगों को इन संभावनाओं का अधिकतम लाभ मिले, इसके लिए सीएम योगी पर्यटन को जन उद्योग बनाना चाहते हैं।

चूंकि आने वाले पर्यटकों से सर्वाधिक लाभ स्थानीय लोगों को ही होता है इसलिए सीएम योगी चाहते हैं हर स्थानीय आदमी अपने यहां आने वाले पर्यटकों के साथ बेहतर व्यवहार व उनको उचित सहयोग देकर ब्रांड एंबेसडर की भूमिका निभाए।

# महाकुंभ में प्रवाहित हो रही त्याग, संयम और संकल्प की त्रिवेणी

## कल्पवास कर रहे लाखों कल्पवासी बन रहे हैं साक्षी

**महाकुंभ नगर, 12 जनवरी (एजेंसियां)।**

संगम किनारे लगे आस्था के जन समागम महाकुंभ में भक्ति, त्याग और साधना के कई रूप बिखरे पड़े हैं। कल्पवास की परंपरा का निर्वाह कर रहे लाखों कल्पवासियों में इसकी एक झलक देखने को मिल रही है। ऐसे ही एक कल्पवासी हैं दिनेश स्वरूप ब्रह्मचारी। इनका संकल्प और त्याग सुनकर हर कोई हैरत में पड़ जाएगा।

यूपी के बुंदेलखंड के महोबा के रहने वाले दिनेश स्वरूप ब्रह्मचारी के पिता एक विद्यालय में प्राचार्य थे। पिता की मृत्यु के बाद अनुकम्पा में शिक्षक की नौकरी मिली लेकिन उन्होंने नौकरी करने की जगह गृहस्थ जीवन से विरक्त हो गए। दिनेश स्वरूप ब्रह्मचारी की कल्पवास की दुनिया भी अलग है। ब्रह्म मुहूर्त में उठकर गंगा स्नान करने के बाद वह अपनी पूजा आराधना करते हैं। इसके बाद वह अपने हाथ से दंड धारण करने वाले 51 दंडी स्वामी साधुओं की लिए भोजन तैयार करते हैं। उन्हें भोजन कराते हैं लेकिन खुद भोजन नहीं करते हैं। धरती में ही वह रात्रि में सोते हैं। दिनेश स्वरूप बताते है कि लगातार 41 साल से वह कल्पवास कर रहे हैं। इस हिसाब से देखा जाय तो दिनेश स्वरूप महाकुंभ में सबसे अधिक समय से कल्पवास करने वाले कल्पवासी हैं।

दिनेश स्वरूप ब्रह्मचारी अपने संकल्प के पक्के हैं। वह बताते हैं कि आज से 41 साल पूर्व उन्होंने अखंड कल्पवास की शुरुआत की। उसी दिन से उन्होंने अन्न और जल त्याग दिया। वह सिर्फ चाय पीते हैं। इसलिए लोग उन्हें पयहारी के नाम से भी बुलाते है। उन्होंने जब यह संकल्प लिया तो डाक्टरों ने उन्हें बहुत समझाया लेकिन उन्होंने अपना संकल्प नहीं बदला। मौनी महराज के दो ओपन बाई पास सर्जरी हो चुकी है। अस्सी फीसदी हार्ट भी काम नहीं करता बावजूद इसके वह पूरी तरह फिट है। खुद डॉक्टर भी उनके इस संकल्प और जिजीविषा से हैरान हैं।

कल्पवासी दिनेश स्वरूप के इष्ट देवता बाल जी भगवान हैं। कल्पवासी क्षेत्र के सेक्टर 17 के नागवासुकी मार्ग के एक साधारण से शिविर में कल्पवास कर रहे दिनेश स्वरूप ब्रह्मचारी प्रतिदिन शिक्षा का दान देते हैं। शिविर में उनके मंदिर में बाला जी भगवान की तस्वीर के साथ पीसीएस परीक्षा में तैयारी करने के लिए पढ़ी जाने वाली हजारों पुस्तके मिलेंगी। दिनेश स्वरूप खुद बीएससी बायो है। अपने संकल्प को जीवन का मिशन बनाते हुए वह हर समय इन पुस्तकों से नोट्स बनाते रहते हैं।

# तमिलनाडु के राज्यपाल और एमके स्टालिन में राष्ट्रगान को लेकर तनातनी

**चेन्नई, 12 जनवरी (एजेंसियां)।**

तमिलनाडु राजभवन ने विधानसभा के हालिया सत्र को संबोधित न करने के राज्यपाल आरएन रवि के फैसले को मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा ''बचकाना'' बताए जाने की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि इस तरह का अहंकार ठीक नहीं है।

अपने अभिभाषण की शुरुआत में राष्ट्रगान नहीं गाए जाने के विरोध में राज्यपाल द्वारा 6 जनवरी को विधानसभा से बहिर्गमन करने के बाद से तमिलनाडु की द्रमुक सरकार और राजभवन में तीखी नोकझोंक हो रही है. तमिलनाडु विधानसभा में परंपरा के अनुसार, सदन की बैठक शुरू होने पर राज्यगान तमिल थाई वल्थु गाया जाता है और अंत में राष्ट्रगान गाया जाता है। हालांकि, राज्यपाल रवि ने इस नियम पर आपत्ति जताई है और कहा है कि राष्ट्रगान दोनों समय गाया जाना चाहिए।

राजभवन ने राज्यपाल के वॉकआउट के बाद एक बयान में कहा, आज तमिलनाडु विधानसभा में एक बार फिर भारत के संविधान और राष्ट्रगान का अपमान किया गया. राष्ट्रगान का सम्मान करना हमारे संविधान में निहित पहला मौलिक कर्तव्य है। इसे सभी राज्य विधानसभाओं में शुरुआत और अंत में गाया जाता है।

# अंतर्राष्ट्रीय पतंग एवं मिठाई महोत्सव आज से

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

जीवंत रंगों और समृद्ध पाक परंपराओं का उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय पतंग एवं मिठाई महोत्सव, सोमवार को सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में शुरू होने वाला है। तेलंगाना राज्य पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित यह महोत्सव 13 से 15 जनवरी तक चलेगा, जिसमें मनोरंजन और सांस्कृतिक विरासत का अनूठा मिश्रण देखने को मिलेगा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव सोमवार को शाम 6 बजे कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। रविवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस महोत्सव में दुनिया भर और भारत के विभिन्न राज्यों के पतंग प्रेमी हिस्सा लेंगे, जिससे हैदराबाद का आसमान रचनात्मक पतंगबाजी के शानदार प्रदर्शन में बदल जाएगा।

पतंग महोत्सव के पूरक के रूप में, मिठाई महोत्सव भारत की विविध पाक विरासत को उजागर करेगा। तेलंगाना और पंजाब, गुजरात, केरल और महाराष्ट्र जैसे राज्यों की महिलाएं विभिन्न प्रकार की घर की बनी मिठाइयाँ पेश करेंगी। आगंतुक इन व्यंजनों का स्वाद समर्पित फूड कोर्ट में ले सकते हैं, जहाँ से कई खरीद के लिए उपलब्ध हैं। तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन में 1.5 मिलियन से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है, जो इसे हैदराबाद के सबसे प्रतीक्षित कार्यक्रमों में से एक बनाता है।पारंपरिक कलाओं, पाककला के व्यंजनों और आकर्षक गतिविधियों के संयोजन के साथ, अंतर्राष्ट्रीय पतंग और मिठाई महोत्सव सभी उम्र के उपस्थित लोगों के लिए एक यादगार अनुभव होने का वादा करता है।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं
शुभ लाभ
R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Validity : 1 Year from the time of issue
SUBSCRIPTION FORM
Name :
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date ... Drawn ...
Name of the Executive ...
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)
सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688883345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक
सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...
A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

# शिकॉगो एक्सचेंज में मजबूती से तेल तिलहन की कीमतें सुधार के साथ बंद

**सरसों की मंडियों में आवक घट रही है जबकि सोयाबीन की मांग निरंतर बढ़ रही है**

**नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां) ।**

शिकागो एक्सचेंज की मजबूती ने बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहनों के दामों में सुधार की ओर बढ़ावा किया। इस दौरान मूंगफली तेल को छोड़कर सरसों, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन, मूंगफली तिलहन और बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों के मुताबिक सरसों की मंडियों में आवक घट रही है जबकि सोयाबीन की मांग निरंतर बढ़ रही है।

सरसों का जो स्टॉक है, वह सहकारी संस्थाओं के पास है जो इसकी बिकवाली में संतुलन बनाए रख रहे हैं। सोयाबीन और कच्चे पामतेल (सीपीओ) के दामों में भी सुधार दिखाई दिया। मूंगफली खल के भाव मामूली सुधार के साथ बंद हुए, जबकि मूंगफली तेल के दाम पर निर्यात की कमजोर मांग के कारण कोई विशेष बदलाव नहीं आया। विदेशों में पाम और पामोलीन की कीमतों में गिरावट होने के बावजूद, तेल की कीमतों में सुधार देखने को मिला। कपास की सीड के दामों में भी थोड़ी उलटाव दिखाई दी, जिसे बीते हफ्ते सीसीआई ने बिनौला सीड की बिक्री रोककर दिखाया।

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 125 रुपये सुधार के साथ 6,650-6,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 200 रुपये की बढ़त के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 2,340-2,440 रुपये और 2,340-2,465 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 35-35 रुपये की बढ़त के साथ क्रमश: 4,335-4,385 रुपये और 4,035-4,135 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

## न्यूज ब्रीफ

### आगामी बजट में बायोगैस उत्पादन पर कॉरपोरेट कर की छूट चाहता है आईबीए

**नई दिल्ली।** भारतीय बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने वित्त मंत्रालय से आगामी बजट में कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) उत्पादन के लिए पूरी तरह कॉरपोरेट कर की छूट देने की मांग की है। इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहित करेगा। आईबीए ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक पत्र लिखकर इस मांग को मुख्य किया है। उद्योग निकाय ने कहा है कि सीबीजी उत्पादकों को पूर्ण कर राहत दी जानी चाहिए। आईबीए के अनुसार देश में कुल 100 सीबीजी संयंत्र चालू हैं और कुल सीबीजी की बिक्री लगभग 1,200 करोड़ रुपये तक पहुंची है। इसके बाद भी कर माफ करने के बाद सरकार को करीब 100 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। इस मामले में कर छूट से सीबीजी उत्पादकों को अपने उत्पादों को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर बेचने में मदद मिलेगी। आईबीए ने बताया कि इस कदम से भारत अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को हासिल कर सकेगा और निजी निवेश प्राप्त करने के साथ-साथ रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। इसके अलावा, बायोगैस के उत्पादन में कृषि अवशेषों का उपयोग बढ़ाएगा और प्रदूषण कम करने में मदद करेगा।

### सोने के आभूषणों का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़ा: जीजेईपीसी

GJEPC INDIA
Sponsored by the Ministry of Commerce & Industry

**कोलकाता ।** रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने कहा कि वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में सोने के आभूषणों का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़ गया है, जबकि हीरे के निर्यात में 10 प्रतिशत की गिरावट हुई है। इसमें अमेरिका को हीरे के निर्यात में सुधार की उम्मीद जताई गई है। चीन की सुस्त मांग की वजह से हीरे के निर्यात में चिंता बनी हुई है, लेकिन अमेरिका में त्योहार के दौरान मांग में वृद्धि की संकेत मिल रही है। जीजेईपीसी के अधिकारियों ने इस संदर्भ में उम्मीद जताते हुए कहा कि उनका मानना है कि अब बुरा समय निकल गया है और आगामी वर्षों में मद्देनजर 10-15 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद की जा रही है। इसके साथ ही जीजेईपीसी ने वैश्विक जेनेरिक प्रोत्साहन पर भी 150 करोड़ रुपये का निवेश किया है। आभूषण उद्योग के विकास और अमेरिका की मांग में सुधार की उम्मीद को ध्यान में रखते हुए जीजेईपीसी ने पश्चिम बंगाल के सिंगूर को एक वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने की योजना बताई है। यह योजना स्थानीय कारीगरी विरासत को बढ़ाने और कई रोजगार के अवसर प्रदान करने का उद्देश्य रखती है। सिंगूर के विकास में हुगली जिले के सुव्यवस्थित स्थान का भी अहम योगदान है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग-2 और कोलकाता हवाई अड्डे के निकट है। इस विकास योजना से अधिक लोगों को रोजगार का अवसर मिलने की उम्मीद है और स्थानीय उद्योगों को भी बढ़ावा प्राप्त होगा।

### सेबी डेरिवेटिव खंड में गतिविधि पर रोक नहीं लगाएगा

**मुंबई ।** पूंजी बाजार नियामक सेबी के एक पूर्णकालिक सदस्य ने हाल ही में एक बड़ा बयान दिया है, जिसमें उन्होंने खुलासा किया कि सेबी डेरिवेटिव खंड में गतिविधि पर रोक नहीं लगाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सेबी कोई भी ऐसा कदम नहीं उठाएगा जो डेरिवेटिव बाजार में कारोबार को नियंत्रित करे। उन्होंने बताया कि सेबी कारोबारी सुगमता और बेहतर जोखिम प्रबंधन के लिए कुछ उपायों पर विचार कर रहा है, परन्तु डेरिवेटिव खंड में कोई प्रतिबंध नहीं लगाने का इरादा है। उन्होंने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा नियंत्रित एनआईएसएम के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सेबी दर्शकों के लिए उपयुक्तता और अनुकूलता को ध्यान में रख रही है और नकद बाजार और डेरिवेटिव बाजार के बीच संबंध को मजबूत करने का प्रयास कर रही है। इस बयान के साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि सेबी किसी तरह के डेरिवेटिव खंड में गतिविधि को रोकने की स्थिति में नहीं है और उसे बरकरार रखने का निश्चित करेगी। उन्होंने उन सभी का समर्थन किया जिन्होंने सेबी के विचारों की प्रशंसा की है और सहमति जताई है कि डेरिवेटिव बाजार में कोई प्रतिबंध नहीं लगाना चाहिए। उन्होंने भविष्य में भी स्पष्ट किया कि डेरिवेटिव को लेकर किसी भी बदलाव को सावधानी से देखा जाएगा और उसे सभी पक्षों के सुझाव को ध्यान में रखकर ही लागू किया जाएगा। सेबी के इस प्रकार के निर्णय से बाजार के साथी उत्थान और विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत मिला है।

## साप्ताहिक शेयर समीक्षा

# 2 हफ्ते से जारी तेजी पर ब्रेक, निवेशकों को करीब 20 लाख करोड़ की चपत

**नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां) ।**

शुक्रवार 10 जनवरी को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार साप्ताहिक आधार पर दो महीने की सबसे बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। इसके साथ ही इसके पहले के दो सप्ताह से जारी तेजी के सिलसिले पर भी ब्रेक लग गया। जानकारों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती करने को लेकर बनी अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और निगेटिव ग्लोबल सेंटीमेंट्स के कारण पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हुआ।

शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 1,844.20 अंक यानी 2.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,378.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने 573.25 अंक यानी 2.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,431.50 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। सेक्टोरल फ्रंट पर देखें तो बीएसई का आईटी इंडेक्स 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, बीएसई का पावर इंडेक्स 9 प्रतिशत की साप्ताहिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह रियल्टी इंडेक्स पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद 7 प्रतिशत से अधिक टूट गया। इसके अलावा पीएसयू इंडेक्स 6.98 प्रतिशत, कैपिटल गुड्स इंडेक्स 5.3 प्रतिशत और मेटल इंडेक्स 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

बाजार में आई गिरावट के कारण घरेलू शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति में करीब 20 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद घट कर 429.79 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि इसके पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.78 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को सोमवार से शुक्रवार के कारोबार से करीब 19.99 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स 3.2 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल जेएसडब्ल्यू एनर्जी, यूनियन बैंक

ऑफ इंडिया, इन्फो एज इंडिया, आरईसी, इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन, जोमैटो, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन, आईडीबीआई बैंक, श्रीराम फाइनेंस और द टाटा पावर कंपनी के शेयरों में 10 से लेकर 16 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

इसी तरह बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स 5.7 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस, पीबी फिनटेक, कल्याण ज्वेलर्स इंडिया, गोदरेज इंडस्ट्रीज, वन 97 कम्युनिकेशंस पेटीएम, एसजेवीएन, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, निप्पोन लाइफ इंडिया ऐसेट मैनेजमेंट, अडाणी विल्मर, टोरेंट पावर, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस, पंजाब एंड सिंद बैंक, प्रेस्टीज एस्टेट प्रोजेक्ट्स, सुजलॉन एनर्जी, अशोक लीलैंड और बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में 10 से 19 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

साप्ताहिक प्रदर्शन के लिहाज से बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स ने पिछले सप्ताह सबसे कमजोर प्रदर्शन किया। पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद स्मॉलकैप इंडेक्स 6 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से जय कॉर्प, ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर, गारवेर हाईटेक फिल्म्स, केईसी इंटरनेशनल, इनॉक्स विंड, स्किपर, ब्लू स्टार और पीसीबीएल के शेयरों में 15 से 23 प्रतिशत तक की कमजोरी दर्ज की गई। दूसरी ओर स्पंदन स्फूर्ति फाइनेंशियल, कॉफी डे एंटरप्राइजेज, पीटीसी इंडस्ट्रीज, पोकरना लिमिटेड और विजया डायग्नोस्टिक सेंटर के शेयरों में 10 से 19 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार बिकवाली करते रहे। सप्ताह के 5 दिन के कारोबार में विदेशी निवेशकों ने 16,854.25 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) इस दौरान खरीदारी करके बाजार का सपोर्ट करने की कोशिश करते रहे। पिछले सप्ताह के कारोबार में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने कुल 21,682.76 करोड़ रुपये की खरीदारी की।

# डी-मार्ट का दिसंबर तिमाही में मुनाफा बढ़कर 723.5 करोड़ रुपए हुआ

**नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां) ।**

खुदरा स्टोर श्रंखला डी-मार्ट को संचालित करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्केट्स लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मुनाफा 4.8 प्रतिशत बढ़कर 723.54 करोड़ रुपये हो गया। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 690.41 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 17.68 प्रतिशत बढ़कर 15,972.55 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 13,572.47 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि तीसरी तिमाही में मुनाफा मार्जिन 4.5 प्रतिशत रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5.1 प्रतिशत था। कंपनी का कुल खर्च अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही में 18.52 प्रतिशत बढ़कर 15,001.64 करोड़ रुपये रहा। एवेन्यू सुपरमार्ट्स की कुल आमदनी समीक्षाधीन अवधि में 17.57 प्रतिशत बढ़कर 15,996.69 करोड़ रुपये हो गई।

### ओपीजी मोबिलिटी की 400 करोड़ रुपए जुटाने की योजना

**नई दिल्ली।** देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग के साथ ईवी विनिर्माता ओपीजी मोबिलिटी ने अपनी वृद्धि योजनाओं को पूरा करने के लिए अगले 18 से 24 माह में 400 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह धन उनके पोर्टफोलियो और नेटवर्क का विस्तार करने के लिए उपयोग किया जाएगा। ओपीजी मोबिलिटी की तरफ से एक बड़ा कदम उठाते हुए अधिकारी ने बताया कि कंपनी फेराटो ब्रांड के तहत दो नए इलेक्ट्रिक स्कूटर और एक इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल लॉन्च करने की योजना बना रही है। कंपनी का तिपहिया कारोबार ओटीटीओपीजी ब्रांड के तहत रहेगा। इस साल ओपीजी मोबिलिटी ने इलेक्ट्रिक यात्री खंड में उतरने का निर्णय लिया है और कंपनी देशभर में अपने बिक्री और सेवा नेटवर्क का विस्तार करने की योजना बना रही है। अधिकारी ने बताया कि ये निवेशकों के लिए कोई जोखिम नहीं होगा। पूंजी जुटाने को लेकर अधिकारी ने कहा कि कंपनी 18-24 माह में 400 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रख रही है। निवेशकों को एक मजबूत उत्पाद वितरण और सेवा नेटवर्क देना है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### राजनीति विकसित...

स्थिरता, महिला सशक्तिकरण, विनिर्माण और कृषि जैसे क्षेत्र शामिल हैं। विकसित भारत युवा नेता संवाद का उद्देश्य पारंपरिक रूप से राष्ट्रीय युवा महोत्सव आयोजित करने की 25 साल पुरानी परंपरा को तोड़ना है। यह प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के आह्वान के अनुरूप है, जिसमें बिना किसी राजनीतिक संबद्धता के 1 लाख युवाओं को राजनीति में शामिल किया जाएगा और उन्हें विकसित भारत के लिए अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान किया जाएगा।

### स्पाडेक्स परीक्षण...

प्रदर्शित करती है, जो अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नेतृत्व करने की हमारी क्षमता को रेखांकित करती है। जैसे-जैसे मिशन डॉकिंग अनुक्रम के अंतिम चरण में आगे बढ़ेगा, आगे के अपडेट की उम्मीद है।

### गणतंत्र दिवस समारोह में ...

वहीं 2020 में, तत्कालीन ब्राजीलियाई राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। इससे पहले 2019 में, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि थे, जबकि 2018 में सभी 10 आसियान देशों के नेताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था। इसके पहले के पिछले सालों में, जिन हस्तियों ने गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया उनमें 2017 में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, 2016 में फ्रांसीसी राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद और 2015 में अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा शामिल थे। साल 2014 में पूर्व-जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे मुख्य अतिथि थे।

### यूनुस सरकार ने ...

5 अगस्त को देश छोड़कर चले जाने से इस साल 8 जनवरी तक सांप्रदायिक हिंसा की 2,010 घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं। इन घटनाओं में से 1,769 हमले और तोड़फोड़ से जुड़ी हुई थीं। पुलिस ने दावों के आधार पर अब तक कुल 62 मामले दर्ज किए और 35 आरोपितों को गिरफ्तार किया। बयान में दावा किया गया है कि जांच में पाया गया कि ज्यादातर मामलों में हमले सांप्रदायिक प्रकृति के नहीं थे बल्कि राजनीति से प्रेरित थे। पुलिस की जांच से पता चला कि 1,234 घटनाएं 'राजनीतिक प्रकृति की थीं', 20 घटनाएं सांप्रदायिक थीं और कम से कम 161 दावे झूठे या फर्जी थे।उल्लेखनीय है कि शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यक समुदाय के इलाकों, धार्मिक स्थलों पर लगातार हिंसक हमले होते रहे हैं और इन हमलों में कई लोगों को जान भी गई है। खास तौर पर हिंदू आबादी को कट्टरपंथियों ने निशाना बनाया और कई मंदिरों को नुकसान पहुंचाया गया। ढाका में इस्कॉन मंदिर के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास को भी इस दौरान गिरफ्तार किया गया जिनकी रिहाई को लेकर स्थिति साफ नहीं है। ऐसे में पुलिस रिपोर्ट के आधार पर सरकार के ताजा दावे, अंतरराष्ट्रीय आलोचनाओं से बचने के लिए नये पैंतरे के रूप में देखे जा रहे हैं।

**मुस्लिम कट्टरपंथियों ने हिन्दू महिला का कराया कन्वर्जन**

बांग्लादेश में हिन्दुओं के हालात लगातार बदतर होते जा रहे हैं। मुस्लिम कट्टरपंथी कभी उनका घर जला दे रहे हैं, तो भी हिन्दू युवती का रेप कर रहे हैं। लेकिन, फिर भी इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं होती है। ताजा मामला देश के शेरपुर जिले का है, जहां एक शादीशुदा हिन्दू महिला का इस्लामिक कन्वर्जन करवा दिया गया।

एक्स हैंडल हिन्दू वॉयस ने एक पोस्ट के जरिए दावा किया कि बांग्लादेश में हिन्दुओं का कन्वर्जन लगातार जारी है। इस बार शेरपुर जिले के नलिताबाड़ी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले नन्नीबाजार गांव की रहने वाली विवाहित हिन्दू महिला सुकिया रानी दावा का मुस्लिम कट्टरपंथियों ने कन्वर्जन करवा दिया। एक्स हैंडल ने सुकिया रानी के कन्वर्जन का प्रमाण पत्र भी शेयर किया है।गौरतलब है कि इससे पहले हाल ही में कॉक्स बाजार के चकरिया में 15 वर्षीय नाबालिग का 8 मुस्लिमों ने गैंगरेप किया। पीड़िता के साथ दरिंदगी करने वाले जिहादी संगठन जमात ए इस्लामी के कार्यकर्ता थे। पीड़िता कॉक्स बाजार के मोहेसखाली की रहने वाली 15 वर्षीय नाबालिग किसी कार्य के चलते बदरखाली गई हुई थी। कॉक्स बाजार के एएसपी जसीम उद्दीन चौधरी का कहना है कि ये घटना रात के करीब 10 के आसपास की है। पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि वो बदरखाली से एक सीएनजी चालित ऑटो रिक्शॉ से मोहेसखाली के लिए निकली। घर जाते वक्त चकरिया के पास बीच पुल पर अचानक से ऑटो चालक ने गाड़ी रोक दी।

### भारत-बांग्लादेश के बीच...

बीएसएफ के अधिकारी हर बांग्लादेशी संदिग्ध से सीमा पर कड़ाई से पूछताछ कर रहे हैं। इससे बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस की सरकार बौखला गई है।ताजा विवाद में सूचना है कि बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को सीमा तनाव को लेकर भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को ढाका में तलब किया। यह घटनाक्रम बांग्लादेश द्वारा यह आरोप लगाए जाने के कुछ घंटों बाद सामने आया है कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर पांच स्थानों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है। वर्मा को अपराह्न लगभग तीन बजे मंत्रालय में प्रवेश करते देखा गया।बांग्लादेशी घुसपैठियों को सीमा में घुसने से रोकने के लिए भारत ने बॉर्डर पर बाड़ लगाना शुरू कर दिया है। बांग्लादेश इससे बौखला गया है। भारतीय उच्चायुक्त की ढाका में बांग्लादेश की विदेश सचिव जशीम उद्दीन के साथ लगभग 45 मिनट तक इन्हीं मुद्दों पर बैठक चली। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से हालांकि चर्चा के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन अधिकारियों ने पुष्टि की कि उच्चायुक्त को तलब किया गया है।

### अब देश ...

का पालन करने में एक अनधिकृत मस्जिद और मदरसे को ध्वस्त करने पर खूब उत्पात मचाया और साउथ एशिया सॉलिडेरिटी ग्रुप ने जॉर्ज सोरोस के भारत प्रतिनिधि हर्ष मंदर द्वारा हिंदू विरोधी समाचार पोर्टल में लिखा एक लेख साझा किया। उन्होंने कहा था कि उत्तराखंड में हिंदू उत्तराखंड के मुसलमानों का 'जातीय सफाया' कर रहे हैं।इसी तरह, यूनाइटेड अगेंस्ट हेट के बारे में तो संसद में गृह मंत्री ने कहा था कि यूनाइटेड अगेंस्ट हेट नाम सुनने में बहुत पवित्र लगता है, लेकिन देखिए उन्होंने क्या वकालत की। उन्होंने कहा, ''डोनाल्ड ट्रम्प आने वाले हैं। हमें सड़कें बंद कर देनी चाहिए। इसी वजह से उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हिंसा हुई।''वर्ष 2020 में दिल्ली में हुए दंगे में इस संगठन की भूमिका जगजाहिर है। इसके संस्थापक खालिद सैफी सहित उमर खालिद सब जेल गए। उन पर कठोर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया।आतंकी फंडिंग से ही कट्टरपंथियों को कानूनी सहायता मिलती रहती है। पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के समय तो भारत में आतंकी फंडिंग पर तगड़ी नकेल न होने के कारण इस प्रकार के गैर सरकारी संगठनों के हौसले बढ़ते गए और उसी फंडिंग से न्यायालयों को भी प्रभावित करने का काम होने लगा। अगस्त 2013 में लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में तत्कालीन गृह राज्य मंत्री आर.पी.एन.सिंह ने कहा था कि खुफिया जानकारी के अनुसार आतंकवादी और अलगाववादियों को हवाला और विदेशी मुद्रा के माध्यम से धन मिल रहा है।एफआईसीएन भारत में आतंकवाद के वित्तपोषण का भी एक सक्रिय स्रोत रहा है। उसे पड़ोसी देश की विदेशी खुफिया एजेंसी का समर्थन है। उन्होंने संसद को बताया कि केंद्रीय एवं राज्य विधि आयोग से प्राप्त इनपुट के आधार पर प्रवर्तन एजेंसियां, 2006 से लेकर 30 जून, 2013 तक कुल 218 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 65 मामलों में आरोप पत्र दाखिल किए गए हैं। बता दें कि इनमें आतंकवाद के लिए फंडिंग के के 10 मामले शामिल हैं, जिनकी जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है।वर्तमान सरकार के सामने भी इस समस्या से निपटने की चुनौती है। आतंकियों को की जाने वाली फंडिंग पर लगाम लगाने के लिए मोदी सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए भी हैं। सरकार ने 'नो मनी फॉर टेरर' कॉन्फ्रेंस आयोजित करके विश्व के तमाम देशो की जांच एजेंसियों से विदेशी फंडिंग के मार्गों की जांच करने व इस मामले में आपसी सहयोग एवं पारदर्शिता का आग्रह भी किया है। चंदन गुप्ता के मामले में बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने जिन एनजीओ के नाम लिए वह सब के सब इसी देश विरोधी इकोसिस्टम के हिस्से हैं, जिनका काम कट्टरपंथियों और आतंकवादियों को मानवधिकार के नाम पर प्रश्रय देना है।अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता ललित किशोर दीक्षित ने ऐसी रिपोर्ट्स पर चिंता जताते हुए न्यायालय का ध्यान इस ओर आकर्षित किया। उनके तर्कों का समर्थन एनआईए न्यायालय तथा एटीएस के वादों की पैरवी कर रहे अन्य लोक अभियोजकों ने भी किया है। भियोजकगण द्वारा भी किया गया ।एनआईए न्यायालय लखनऊ ने इन एनजीओ की भूमिका पर गंभीर चिंता जताई है, कथित तौर पर कासगंज मामले में आरोपियों के लिए महंगे वकीलों को काम पर रखा था। एनजीओ की खिंचाई करते हुए न्यायालय ने कहा कि न्यायिक प्रणाली के हितधारकों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि उत्तर प्रदेश के कासगंज में सांप्रदायिक झड़प में इन एनजीओ की क्या दिलचस्पी हो सकती है।सभी बुद्धिजीवियों, संस्थाओं और न्यायिक व्यवस्था के हितधारकों से यह भी कहा कि वे इस बात पर गौर करें कि आखिर ऐसे एनजीओ आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के मामलों में मुल्जिमों का बचाव करने और उन्हें कानूनी सहायता देने के लिए आगे क्यों आते हैं, जबकि कानून में पहले से ही प्रावधान है कि अगर कोई आरोपी कोर्ट में अपना बचाव करने की स्थिति में नहीं है, तो उसे मुफ्त में वकील मुहैया कराया जाता है। न्यायालय ने अपने फैसले में यह भी कहा कि इन हितधारकों को कासगंज सांप्रदायिक हिंसा मामले में इन एनजीओ की भूमिका पर भी गौर करना चाहिए।एनआईए न्यायालय ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और अधिवक्ताओं की उच्चतम नियामक संस्था बीसीआई को इन एनजीओ के सामूहिक उद्देश्यों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने और न्यायिक प्रक्रिया में इन एनजीओ के अनुचित हस्तक्षेप को रोकने के लिए उचित कार्रवाई करने को भी कहा है। एनआईए न्यायालय लखनऊ की इस महत्वपूर्ण टिप्पणी से हडकंप तो मचा ही है, परन्तु अब केन्द्रीय गृह मंत्रालय और बार काउन्सिल आफ इंडिया को भी गहन जांच करके इस इकोसिस्टम को तोड़ने का काम करना होगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 13 जनवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# श्री गुरु गोबिंद सिंहजी का 358वां प्रकाश पर्व भक्ति के साथ मनाया गया

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** श्री गुरु गोबिंद सिंहजी का 358वां प्रकाश पर्व (जन्मदिन समारोह) दसवें और अंतिम सिख गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक, जिन्होंने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश फैलाया और कमजोर और दीन लोगों की रक्षा की, रविवार (12 जनवरी, 2025) को हजारों सिख श्रद्धालुओं और अन्य सामुदायिक धर्मों के लोगों ने हर्षोल्लास और भक्ति के साथ मनाया। समापन समारोह का मुख्य आकर्षण गुरुद्वारा साहिब सिकंदराबाद की प्रबंधक समिति के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

जिसमें रविवार को क्लासिक गार्डन, बलमराय, सिकंदराबाद में गुरु ग्रंथ साहिब जी (सिखों का पवित्र ग्रंथ) की अरदास करके विशाल दीवान (सामूहिक समागम) में सिख श्रद्धालुओं और अन्य समुदाय के लोगों की भारी भीड़ ने भाग लिया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में प्रबंधक समिति के अध्यक्ष बलदेव सिंह बग्गा, महासचिव जगमोहन सिंह और उपाध्यक्ष हरप्रीत सिंह गुलाटी ने कहा कि समागम रविवार को सुबह 11.00 बजे शुरू हुआ और अपराह्न 3.30 बजे तक जारी रहा। जिसमें प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित रागी जत्थों (सिख प्रचारकों) द्वारा गुरबानी कीर्तन और कथाओं (पवित्र भजनों) का पाठ किया गया।

उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न भागों से विशेष रूप से आमंत्रित प्रतिष्ठित रागी जत्थों भाई सरबजीत सिंह (पटना साहब), भाई जसकरन सिंह (पटियाला), ज्ञानी जगदेव सिंह और भाई चरणजीत सिंह तथा अन्य प्रतिष्ठित रागी जत्थों ने गुरबानी कीर्तन का गायन किया। जिसमें जीवन के उच्च मूल्यों और सांप्रदायिक सद्भाव को अपनाने पर जोर दिया गया, जिसके लिए गुरु गोबिंद सिंह देवजी ने प्रयास किया था। उन्होंने याद किया कि गुरु ने कमजोर और दीन लोगों की रक्षा की। उन्होंने सिख गुरुओं की शिक्षाओं पर भी प्रकाश डाला, जो राष्ट्रीय एकता, शांति, भाईचारे और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए खड़े थे। उन्होंने भक्तों से गुरु गोबिंद सिंह देवजी की शिक्षाओं का पालन करने का आग्रह किया, जो इन दिनों बहुत प्रासंगिक हैं।

समागम के समापन के बाद सभी भक्तों के लिए पारंपरिक गुरु-का-लंगर (निःशुल्क सामुदायिक रसोई) परोसा गया। जहां भक्त बड़े अनुशासन के साथ एक ही पंक्ति में बैठते हैं और साथी मनुष्यों के लिए एकजुटता, बंधुत्व और चिंता की भावनाओं को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में एस बलदेव सिंह बग्गा (अध्यक्ष), एस. जगमोहन सिंह (महासचिव), एस. हरप्रीत सिंह गुलाटी (उपाध्यक्ष) एवं अन्य उपस्थित थे।

भाजपा बिहार अध्यक्ष एवं मंत्री डॉ. दिलिप जायसवाल, बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा एमएलए पवन जायसवाल से पटना में शिष्टाचार भेंट कर उनका सम्मान करते हुए हैदराबाद के रामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल।

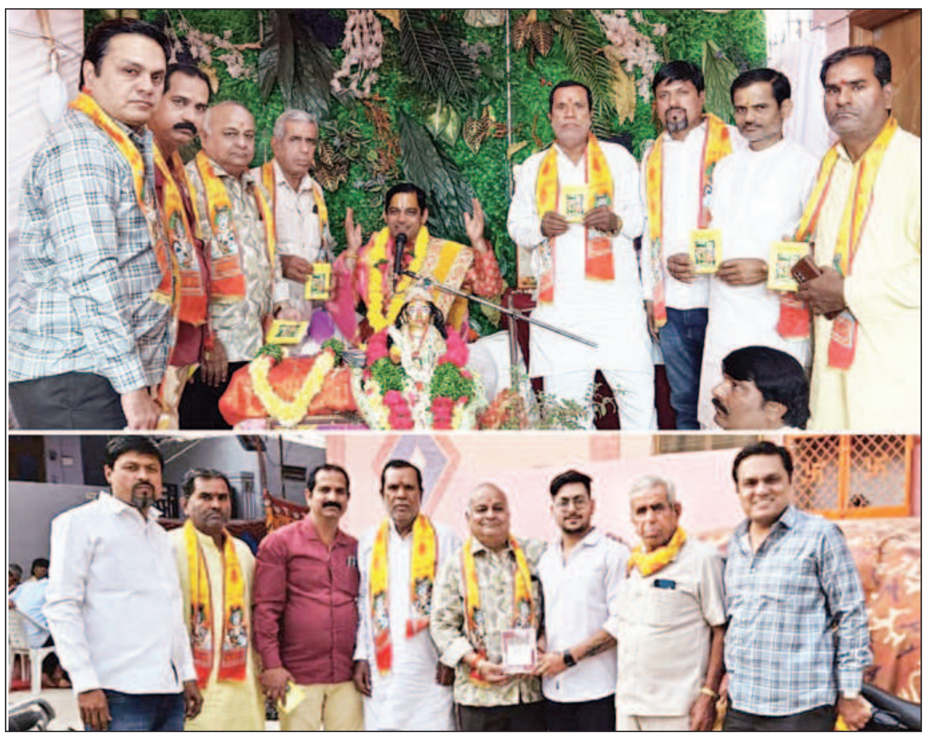

शिवरामपल्ली में रविवार, दि. 12 जनवरी को आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा कथा वाचक सुकेंद्र महाराज का सम्मान करते हुए रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, संदीप जायलवाल, अजय पंडित, अमर जयलवाल, विजय कुमार पांडे, कांग्रेस नेता एन.के. सिंह एवं अन्य।

अत्तापुर स्थित अमृत वैली में नवभारत निर्माण संघ के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द जी की 162वीं जयंती के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रसिद्ध समाज सेवी अमृत कुमार जैन, संघ के अध्यक्ष एस. रवि कुमार, अभय बोथरा, विशाल जैन, वंश जैन, गौरव जैन, विराट संचेती एवं अन्य।

## अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरेज डेटा कमेटी की 56वीं बैठक सम्पन्न

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी की 56वीं बैठक समाज के कार्यालय में आयोजित की गई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कमेटी के चेयरमेन मुकुंदलाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अग्रवाल समाज में अग्रबंधुओं द्वारा जमा करवाए गए बालक एवं बालिकाओं के बायोडेटाओं में से अभी तक 18 महीने के भीतर 164 रिश्ते नक्की हुए हैं। विज्ञप्ति के अनुसार समाज कार्यालय में हर रविवार को प्रातः 11.00 से 1-30 बजे तक कमेटी की बैठक निरंतर जारी है। इसके अतिरिक्त चेयरमेन एवं कमेटी के अन्य सदस्यों के निवास एवं कार्यालय पर प्रतिदिन अग्रबन्धु इस सेवा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। कमेटी के पास विदेश में रहने वाले बालक एवं बालिकाओं के भी बायोडेटा उपलब्ध हैं। कमेटी के सदस्यों द्वारा पुनः सभी अग्रबंधुओं से उक्त निःशुल्क सेवा का लाभ उठाने हेतु आग्रह किया गया है। रविवार को सम्पन्न हुई बैठक में मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, कन्वीनर रमेश कुमार तुलसियान, वाईस चेयरमेन गोविंद अग्रवाल, सुनील कुमार मित्तल, अशोक कुमार दादरीवाला, एक्यूपंक्चर के डॉ. बाल किशन सुरेखा एवं अन्य बालक बालिकाओं के अभिभावकगण उपस्थित थे।

रविवार दि. 12 जनवरी को चारमीनार स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए श्रीमद् भागवत कथा वाचक गोविंद शास्त्री महाराज, कांग्रेस नेता एनके सिंह, मनोहर सिंह। अवसर पर मंदिर के पूजारी एवं अन्य उपस्थित थे।

जियागुड़ा स्थित कामधेनु गौशाला में आयोजित अन्नकूट प्रसादी में भाग लेते हुए पीट कमेटी के ऑल जोन महासचिव श्रीकिशन शर्मा, वेस्ट जोन की अध्यक्षा तेजो कुमारी एवं अन्य ने भाग लेकर प्रसादी ग्रहण की।

गौ मित्र मंडल के सहयोग से मैत्री लेडीज क्लब द्वारा श्री समर्थ कामधेनु गौशाला, जियागुड़ा में गौ माता के लिए सब्जी सेवा की गई। इस अवसर पर मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, यश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, बबिता मित्तल एवं अन्य गौ भक्त उपस्थित थे।

## अग्रवाल समाज व महिला विंग गच्चीबावली का नव वर्ष एवं मकर संक्रांति कार्यक्रम 18 को

**हैदराबाद 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

अग्रवाल समाज गच्चीबावली शाखा के मानदमंत्री के. पी.अग्रवाल द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अग्रवाल समाज गच्चीबावली शाखा एवं महिला विंग का नव वर्ष एवं मकर संक्रांति कार्यक्रम शनिवार दि. 18 जनवरी को कोकपेट में आयोजित किया जा रहा है।

जिसमें अनेक प्रकार के गेम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कविता पाठ, नृत्य आदि सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे।

शाखा के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल एवं महिला विंग की अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों से भाग लेने का आग्रह किया।

## गीत चाँदनी का कवि सम्मेलन आज

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय और सक्रिय संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में मोज़मज़ाही मार्केट स्थित आरोग्य अस्पताल, कैलाश डायग्नोस्टिक के सेल्लार सभागृह, हैदराबाद के परिसर में कवि सम्मेलन का आयोजन सोमवार, 13 जनवरी, 2025 को सायं ठीक 5-30 बजे से संपन्न होगा। कवि अंजनी कुमार गोयल, सुप्रसिद्ध डॉक्टर मोहन गुप्ता, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव और मिलिंद प्रकाशन के श्री श्रुतिकांत भारती विशेष अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर श्री ठाकुर दिनेश सिंह उपन्यासकार जैनेंद्र कुमार जैन के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। इस महीने की 2 जनवरी को उपन्यासकार जैनेंद्र कुमार जैन का जन्म-दिन था। दक्षिण से प्रकाशित कविता प्रधान मासिक पत्रिका गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय संचालन करेंगे।

आज यहाँ जारी एक षषप्रेस विज्ञप्ति में गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अकक्षय ने बताया है कि कवि सम्मेलन की अध्यक्षता गीत चांदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद करेंगे। कवि सम्मेलन में नगरद्वय के कवि और कवयित्रियाँ अपने गीत, ग़ज़ल, नयी कविताएँ और हास्य व्यंग्य की कविताएँ प्रस्तुत कर समाँ बाँधेंगे। विशेष रूप से कवि सम्मेलन में देश की वर्तमान समस्याओं, विसंगतियों, पर्यावरण, देश की सुरक्षा, संक्रांति त्योहार, नारी सशक्तिकरण, आतंकवाद और जीवन की अनेक सच्चाइयों पर कविताएँ प्रस्तुत की जाएँगी।

गीत चाँदनी के समस्त पदाधिकारियों ने सभी काव्य-प्रेमी श्रोताओं से कार्यक्रम में समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने एवं शोभा बढ़ाने का निवेदन किया है। कार्यक्रम के आरंभ में कवि श्री पूनम जोधपुरी की ओर से जलपान की व्यवस्था रहेगी। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव की ओर से किसी एक कवि को रुपये 1100/- प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

# रेवंत ने भूमिगत बिजली केबलों हरित ऊर्जा पहल पर बल दिया

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए .रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को ग्रेटर हैदराबाद में भूमिगत बिजली केबल लगाने की व्यवहार्यता का आकलन करने का निर्देश दिया है।श्री रेड्डी ने एक मजबूत भूमिगत केबल प्रणाली को लागू करने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने और एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बिजली के नुकसान में कमी लाने और प्राकृतिक आपदाओं के कारण बिजली चोरी एवं कटौती जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए हैदराबाद आउटर रिंग रोड में एक पूर्ण भूमिगत केबल नेटवर्क स्थापित करने का प्रस्ताव दिया।

उन्होंने अधिकारियों से बिजली लाइनों सहित सभी प्रकार के केबलों को भूमिगत स्थानांतरित करने के लिए विकल्प तलाशने का आग्रह किया। शनिवार शाम को एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र में बिजली क्षेत्र पर समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री रेड्डी ने तेलंगाना स्वच्छ और हरित ऊर्जा नीति-2025 का अनावरण किया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य की बिजली की अधिकतम मांग, जो पिछले मार्च में 15,623 मेगावाट तक पहुंच गई थी, इस साल बढ़कर 16,877 मेगावाट होने का अनुमान है।

जवाब में, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस मांग को पूरा करने के लिए विस्तृत योजनाओं का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि गर्मियों के दौरान, विशेष रूप से कृषि और घरेलू जरूरतों के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। हैदराबाद के तेजी से विस्तार को संबोधित करते हुए, सीएम रेड्डी ने बढ़ती मांग के साथ तालमेल रखने के लिए बिजली आपूर्ति प्रणालियों को अपग्रेड करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने तकनीकी मुद्दों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए वैकल्पिक आपूर्ति प्रणालियों को लागू करने के महत्व पर जोर दिया और डिस्कॉम को पूरे राज्य में एक स्थिर बिजली आपूर्ति की गारंटी देने का निर्देश दिया। राज्य की हरित ऊर्जा पहल के तहत, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को वन और आदिवासी कल्याण विभागों के समन्वय से गुडेल्स में आदिवासी परिवारों को मुफ्त में सौर ऊर्जा और सौर पंप सेट प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने सरकारी भवनों, स्कूलों और कार्यालयों में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना का भी निर्देश दिया और इन परियोजनाओं को लागू करने के लिए कंपनियों से प्रस्ताव आमंत्रित करने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सर्वोत्तम दृष्टिकोण को अंतिम रूप देने के लिए अन्य राज्यों के सफल मॉडलों का अध्ययन करने की सिफारिश की।

सीएम रेड्डी ने तेलंगाना को अक्षय ऊर्जा में अग्रणी बनाने पर जोर दिया और अधिकारियों को परिगी में 400 केवी सबस्टेशन सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने एक नए उस्मानिया अस्पताल के निर्माण को समायोजित करने के लिए गोशामहल स्टेडियम के पास सबस्टेशन को स्थानांतरित करने और उन्नत करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन पहलों का उद्देश्य तेलंगाना को बिजली क्षेत्र के आधुनिकीकरण और अक्षय ऊर्जा अपनाने में एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित करना है। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क। शनिवार देर रात यहां एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री जुपल्ली और जेनको के सीएमडी संदीप सुल्तानिया सहित कई वरिष्ठ अधिकारी चर्चा में मौजूद थे।

# कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान करने के लिए नई नीति : सीताक्का

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
मंत्री सीताक्का ने घोषणा की कि कर्मचारियों की शिकायतों को कुशलतापूर्वक निपटान करने के लिए, पंचायती राज ग्रामीण विकास (पीआरआरडी) विभाग ने सेवा-संबंधी मुद्दों को तेजी से हल करने के उद्देश्य से एक नई नीति बनाई है।

नई नीति कर्मचारियों को अपने मुद्दों को हल करने के लिए सचिवालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता को खत्म करने के लिए बनाई गई है, एक ऐसी प्रथा जो अक्सर काम में बाधा डालती है और कर्मचारियों और वरिष्ठ अधिकारियों दोनों का समय बर्बाद करती है।

नई पहल के तहत, कर्मचारी अब हर महीने के दूसरे और चौथे शुक्रवार को 3.00 से 4.00 बजे तक आयोजित ऑनलाइन बैठकों में भाग ले सकते हैं, ताकि वे अपनी समस्याओं को वरिष्ठ अधिकारियों के सामने रख सकें।

मंत्री सीताक्का ने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कर्मचारियों को अपनी समस्याओं को हल करने की कोशिश करते समय बार-बार आने वाली समस्याओं का एक बहुत जरूरी समाधान प्रदान करेगा।पीआरआरडी सचिव लोकेश कुमार, एसईआरपी सीईओ दिव्या देवराजन, पीआरआरडी निदेशक सृजन और मिशन भगीरथ और ग्रामीण इंजीनियरिंग के वरिष्ठ अधिकारी ऑनलाइन सत्रों में भाग लेने और समाधान प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध रहेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मंत्री स्वयं ऑनलाइन बैठकों में शामिल होंगी।

इसके अलावा, जिन कर्मचारियों को अपनी समस्याओं से संबंधित दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता है, उनके लिए एक समर्पित मेल आईडी और व्हाट्सएप नंबर प्रदान किया जाएगा। नई प्रणाली से समय, प्रयास और संसाधनों की बचत होने की उम्मीद है, साथ ही यह सुनिश्चित होगा कि मुद्दों का बिना देरी के समाधान किया जाए।

मंत्री सीताक्का ने जोर देकर कहा कि यह पहल शासन को सुव्यवस्थित करेगी, ग्रामीण क्षेत्रों में दक्षता में सुधार करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि सरकारी योजनाएं और विकास कार्यक्रम लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचे।

रविवार को यहां एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऑनलाइन शिकायत तंत्र समन्वय अंतराल को काफी कम करेगा और लंबित मुद्दों का तत्काल समाधान प्रदान करेगा।

# सीएम चंद्रबाबू ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की

**अमरावती (आंध्र प्रदेश), 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को अमरावती में स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती के अवसर पर स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत आज 'महान आध्यात्मिक नेता, दार्शनिक और विचारक स्वामी विवेकानंद ' की स्मृति में राष्ट्रीय युवा दिवस मना रहा है , जिनका युवाओं की क्षमता में अटूट विश्वास देश के युवा नागरिकों के साथ गहराई से प्रतिध्वनित होता है। इससे पहले दिन में, आंध्र प्रदेश के सीएम ने भी राष्ट्रीय युवा दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं दीं । उन्होंने एक अद्भुत संदेश देते हुए कहा, कड़ी मेहनत आपका हथियार है, लेकिन सफलता आपकी गुलाम है। सभी युवाओं को शुभकामनाएं जो स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मना रहे हैं , सीएम नायडू ने एक्स पर

लिखा।नायडू ने राज्य के विकास में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला, युवा शक्ति को राज्य के पुनर्निर्माण, गरीबी उन्मूलन और एक समान समाज की स्थापना में भागीदार होना चाहिए। सोशल मीडिया, इंटरनेट और एआई जैसी शक्तिशाली तकनीकों का दुरुपयोग किए बिना आपके विकास के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, उनकी पोस्ट में लिखा है।

उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार अपने कार्यकाल के दौरान राज्य के युवाओं को 20 लाख नौकरियां देने के लिए काम कर रही है।

हम इन पाँच वर्षों में युवाओं को 20 लाख नौकरियां देने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। हम हर घर को उद्यमी बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम भी तैयार कर रहे हैं। हम देश में पहली बार कौशल जनगणना कर रहे हैं। आप लक्ष्य निर्धारित करें। आपकी सरकार उन्हें हासिल करने में आपकी मदद करने के लिए हमेशा मौजूद रहेगी।

# मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूर्व राज्यपाल विद्यासागर राव द्वारा लिखित पुस्तक यूनिका का अनावरण किया

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को यहां एक कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल चेन्नामनेनी विद्यासागर राव द्वारा लिखित पुस्तक यूनिका का अनावरण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विद्यासागर राव की प्रशंसा करते हुए उन्हें तेलंगाना के लिए एक आदर्श नेता बताया। उन्होंने उन्हें सागर जी कहा और उस्मानिया विश्वविद्यालय में छात्र राजनीति से लेकर एकीकृत आंध्र प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र और तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में उनकी भूमिकाओं तक की उनकी यात्रा की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे राजनीतिक करियर के बावजूद, विद्यासागर राव ने विचारधारा और ईमानदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक बेदाग रिकॉर्ड बनाए रखा है।

रेवंत रेड्डी ने विद्यासागर राव के प्रयासों को याद किया, जिसमें गोदावरी जल के लिए उनकी पदयात्रा भी शामिल है, और तेलंगाना के विकास के लिए राव के अनुभव के महत्व पर जोर दिया, खासकर गोदावरी जल का उपयोग करने और तुम्मिडी हेट्टी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण चुनौतियों का समाधान करने में। मुख्यमंत्री ने दक्षिण कोरिया जैसी वैश्विक सफलता की कहानियों से प्रेरित होकर तेलंगाना में एक खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना की भी घोषणा की, जिसने अपने खेल कार्यक्रमों के माध्यम से कई ओलंपिक पदक जीते हैं। उन्होंने क्षेत्रीय रिंग रोड के महत्व और राज्य के ऑटोमोबाइल उद्योग को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए तेलंगाना को एक वैश्विक प्रतियोगी के रूप में उभरने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

विश्वविद्यालयों की स्थिति को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने उनके पूर्व गौरव को बहाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन में उस्मानिया और काकतीय विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और विचारधारा के आधार पर छात्र राजनीति को पुनर्जीवित करने का आह्वान किया। उन्होंने वर्तमान छात्र राजनीति में वैचारिक प्रवचन की कमी पर चिंता व्यक्त की और कहा कि छात्रों की भागीदारी राजनीतिक चेतना को बढ़ावा देती है। विधायी परंपराओं पर विचार करते हुए मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच सहयोग पर जोर दिया और याद दिलाया कि कैसे पिछली विधानसभाओं ने टकराव के बजाय चर्चा के माध्यम से मुद्दों को हल किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के बजाय विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए और मेट्रो रेल विस्तार परियोजनाओं और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास को सुरक्षित करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आग्रह किया।

# टीटीडी अध्यक्ष ने घायल श्रद्धालुओं को अनुग्रह राशि के चेक सौंपे

**तिरूपति, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
आंध्रप्रदेश में तिरूमाला तिरूपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बी आर नायडू ने शनिवार शाम गंभीर और आंशिक रूप से घायल श्रद्धालुओं को अनुग्रह राशि के चेक सौंपे।

इन घायलों का यहां एसवीआईएमएस सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

गंभीर रूप से घायल श्रद्धालुओं में अन्नामैया जिले की तिमक्का और विशाखापत्तनम की ईश्वरम्मा को 5-5

लाख रुपए का चेक दिया गया। जबकि आंशिक रूप से घायलों में अन्नामैया जिले के नरसम्मा, रघु, गणेश, वेंकटेश, चिन्ना अप्पय्या को 2-2 लाख रुपए का चेक दिया गया। अधिकारियों में टीटीडी के जेईओ वीरब्रह्मम, जिला कलेक्टर वेंकटेश्वर और एसवीआईएमएस के निदेशक डॉ. आरवी कुमार मौजूद थे। चेक वितरित करते समय टीटीडी बोर्ड के सदस्य भानुप्रकाश रेड्डी, शांताराम, एसवीआईएमएस के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राम और अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

# रेवंत की जड़ें आरएसएस से जुड़ी, वह अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर मूकदर्शक

**निजामाबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
आरएसएस से जुड़े मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी अल्पसंख्यकों की उपेक्षा कर रहे हैं और तेलंगाना में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा के बावजूद मूकदर्शक बने हुए हैं। उक्त उद्‌गार बीआरएस एमएलसी के. कविता ने रविवार को कहा।

उन्होंने कहा कि गांधी परिवार उन पर और उनके अनियंत्रित शासन पर लगाम लगाने में विफल रहा है। निजामाबाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कविता ने कहा कि अल्पसंख्यकों ने गांधी परिवार और विधानसभा चुनावों के दौरान अल्पसंख्यक घोषणापत्र को लागू करने के उनके आश्वासन के कारण कांग्रेस को वोट दिया। हालांकि, कांग्रेस सरकार ने गांधी परिवार द्वारा किए गए वादों को लागू किए बिना अल्पसंख्यकों को धोखा दिया, उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान कोई सांप्रदायिक हिंसा नहीं हुई, लेकिन कांग्रेस शासन के पहले वर्ष के भीतर राज्य भर में सांप्रदायिक हिंसा की कई घटनाएं हुईं।

उन्होंने कहा, रेवंत रेड्डी उन्हें रोकने के लिए कोई उपाय क्यों नहीं कर पाए? अल्पसंख्यक घोषणापत्र के कार्यान्वयन का क्या हुआ? उन्होंने इसे तत्काल लागू करने की मांग की। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए आवंटित 3,000 करोड़ रुपये के मुकाबले केवल 700 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए, जो कि कुल व्यय का 25 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने मांग की कि सरकार बताए कि विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादे के अनुसार शादी मुबारक के तहत सोना क्यों नहीं दिया जा रहा है। कविता ने भोंगीर में बीआरएस कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमलों को लेकर कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पाखंड उजागर हो गया है, जिसमें राहुल गांधी संविधान का उपदेश दे रहे हैं, जबकि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता बर्बरता कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, हम राहुल गांधी से जवाब मांगते हैं। क्या यही आपका मानक है? क्या कांग्रेस यह वकालत कर रही है कि राजनीतिक रूप से जीतने के लिए हिंसा ही एकमात्र जवाब है?

# रेवंत रेड्डी ने स्वामी विवेकानंद को उनकी 162वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी

रेवंत रेड्डी ने स्वामी विवेकानंद को उनकी 162वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती के अवसर पर, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर पूज्य आध्यात्मिक नेता के चित्र पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुदर्शन रेड्डी, जगित्याला विधायक डॉ. संजय कुमार, पालकुर्ती विधायक यशस्विनी रेड्डी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता जेटी कुसुमा कुमार और रोहिन रेड्डी सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

# रायतु भरोसा के दिशानिर्देश जारी

**हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
तेलंगाना सरकार ने रायतु भरोसा योजना शुरू करने की घोषणा की है, जिसे 26 जनवरी, 2025 से लागू किया जाएगा।

इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता को बढ़ाना, किसानों को आधुनिक तरीके अपनाने में सक्षम बनाना और पूरे राज्य में ग्रामीण विकास और खाद्य सुरक्षा में योगदान देना है।रायतु भरोसा योजना के तहत सरकार ने फसल निवेश सहायता को बढ़ाकर 12,000 रुपये प्रति एकड़ प्रति वर्ष कर दिया है।

यह सहायता भूभारती (धरणी) पोर्टल पर पंजीकृत कृषि योग्य भूमि के क्षेत्रफल के आधार पर पट्टा धारकों को प्रदान की जाएगी, जबकि गैर-कृषि योग्य भूमि को योजना से बाहर रखा गया है। आरओएफआर (वनवासी अनुसूचित जनजातियों के अधिकार) पट्टा धारक भी योजना का लाभ उठाने के पात्र होंगे।वित्तीय सहायता आरबीआई द्वारा प्रबंधित प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण (डीबीटी) पद्धति के माध्यम से सीधे किसानों के खातों में जमा की जाएगी।

वैकुंठ एकादशल के अवसर पर श्री महादेव हनुमान मंदिर चुडीबाजार में आयोजित पूजा-अर्चना में भाग लेते हुए पूजारी सागर जोशी, पी. गोपाल राव (चेयरमैन), सुनील साहू, पवन कुमार, अनिल कुमार, कमल महाराज एवं अन्य।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

**CHANGE OF NAME**
I, No. 6948745M HAV KALADHAR YADAV of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my son Name is changed from **MAANVIK** to **MAANVIK YADAV**.

**CHANGE OF NAME**
I, No. 6948745M HAV KALADHAR YADAV of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from **LAXMI YADAV** to **LAKSHMI BAI YADAV**.

# जय शाह द्वारा किए गए काम को आगे बढ़ाएंगे : देवजीत सैकिया

**मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां) ।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ( बीसीसीआई ) के नवनियुक्त सचिव देवजीत सैकिया ने आईसीसी के चेयरमैन और बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह से यह पद संभालने के बाद खुलकर बात की । सैकिया ने कहा कि वह जय शाह द्वारा अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों को आगे बढ़ाना चाहेंगे । देवजीत सैकिया ने संवाददाताओं से कहा, मैं बेहद खुश हूं और अपने सभी सहयोगियों का आभारी हूं। मैं आईसीसी के चेयरमैन और बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह को धन्यवाद देता हूं... मैं आईसीसी के चेयरमैन और बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह द्वारा किए गए कार्यों को आगे बढ़ाऊंगा। पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर सैकिया को रविवार को विशेष आम बैठक (एसजीएम) के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नए सचिव के रूप में जय शाह के प्रतिस्थापन के रूप में घोषित किया गया है – जिन्होंने पिछले साल आईसीसी के चेयरमैन का पद संभाला था उन्होंने मीडिया से कहा, देवजीत सैकिया बीसीसीआई के नए सचिव चुने गए और प्रभतेज सिंह भाटिया बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष चुने गए । सैकिया एक पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर हैं, जिन्होंने 1990-91 सत्र में असम का प्रतिनिधित्व किया था और चार मैचों में 53 रन बनाए थे।

वह क्रिकेट प्रशासन में अनुभव रखते हैं, वह बीसीसीआई के संयुक्त सचिव और असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) के सचिव रह चुके हैं। पूर्व बीसीसीआई सचिव के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पद पर चुने जाने के बाद, वह बीसीसीआई के कार्यवाहक अंतरिम सचिव थे । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ( बीसीसीआई ) ने रविवार को अपने बोर्ड की एक विशेष आम बैठक आयोजित की, जिसके दौरान निकाय के नए सचिव और कोषाध्यक्ष चुने गए, बोर्ड के सूत्रों ने कहा। विशेष रूप से, पूर्व बीसीसीआई सचिव जय शाह ने 1 दिसंबर से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष का पद संभाला। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ( बीसीसीआई ) के पूर्व सचिव शाह ने 1 दिसंबर को आईसीसी प्रमुख के रूप में अपना कार्यकाल शुरू किया। वह क्रिकेट प्रशासन में व्यापक अनुभव रखते हैं, उन्होंने 2009 में गुजरात क्रिकेट संघ (जीसीए) के साथ अपनी यात्रा शुरू की थी । अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम, अहमदाबाद में नरेंद्र मोदी स्टेडियम के विकास की देखरेख की। भारत ने पहली बार 2023 क्रिकेट विश्व कप का सफलतापूर्वक आयोजन भी किया। इसके अलावा, 2024-27 चक्र में सभी आईसीसी आयोजनों के लिए हाइब्रिड मॉडल तय किया गया है जो भारत या पाकिस्तान में आयोजित किए जाएंगे। पिछले बीसीसीआई कोषाध्यक्ष आशीष शेलार को हाल ही में संपन्न महाराष्ट्र चुनावों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और शिवसेना के महायुति गठबंधन के एक हिस्से के रूप में विधान सभा के सदस्य के रूप में चुना गया था।

## न्यूज ब्रीफ

### शाहीन को वेस्टइंडीज दौरे के लिए भी टीम में नहीं मिली जगह, चयनकर्ता बोले, चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए आराम दिया

**कराची।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी का करियर खतरे में पड़ता नजर आ रहा है।

शाहीन को वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए भी टीम में जगह नहीं मिली है। शाहीन को इस साल की शुरुआत से ही झटके लगे हैं। उन्हें अंतिम 12 टेस्ट मैचों में से आठ मैचों से या तो बाहर कर दिया गया या फिर उन्हें आराम के नाम पर बैठा दिया गया। शहीन ने अभी तक 32 टेस्ट में 116 विकेट लिए हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसकी धरती पर खेले गए दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए भी टीम में जगह नहीं मिली थी। तब चयनकर्ताओं ने कहा है कि शाहीन को अगले माह होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर आराम दिया गया है ताकि वह पूरी तरह से फिट रहे पर ये दावा गलत निकला। क्रिकेट बोर्ड ने शाहीन को उसी समय बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे दिया है जिससे पता लता है कि उनको आराम नहीं दिया गया बल्कि हटाया गया था। चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के लिए तेज गेंदबाज नसीम शाह, मीर हमजा, मुहम्मद अब्बास और आमिर जमाल को भी टीम में नहीं रखा जबकि वे दक्षिण अफ्रीका में खेली गई सीरीज में शामिल थे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार शाहीन और नसीम दोनों को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार किया जा रहा है।

### शाकिब गेंदबाजी एक्शन की दूसरी जांच में भी नाकाम रहे, निलंबन जारी रहेगा

**ढाका।** बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का करियर खतरे में पड़ता नजर आ रहा है। शाकिब

को पिछले दिनों गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठने के बाद निलंबित कर दिया गया था। वहीं अब वह गेंदबाजी एक्शन को लेकर अपने दूसरे परीक्षण में भी असफल रहे हैं। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि शाकिब का अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मैचों में गेंदबाजी को लेकरनिलंबन जारी रहेगा। शाकिब के गेंदबाजी एक्शन की नई जांच पिछले महीने चेन्नई के रामचंद्र खेल विज्ञान केंद्र में की गई थी। बीसीबी ने कहा, 'लॉफबॉरो यूनिवर्सिटी की जांच के बाद शाकिब पर लगाया निलंबन अब आगे भी जारी रहेगा। निलंबन की समाप्ति के लिए फिर से उन्हें सफल जांच की आवश्यकता होगी। शाकिब अभी नियमों के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर सकते पर वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल सकते हैं। गौरतलब है कि इंग्लैंड में सितंबर में काउंटी मैच के दौरान शाकिब के गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध पाये पाया गया था। वह लॉफबॉरो यूनिवर्सिटी द्वारा गेंदबाजी एक्शन की जांच में असफल रहे थे। जिसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

### ईशान की उपेक्षा से बीसीसीआई पर भड़के उनके प्रशंसक

**मुम्बई ।** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को जगह नहीं मिलने पर उनके प्रशंसकों ने नाराजगी जतायी है। चयनकर्ताओं ने दूसरे विकेटकीपिंग विकल्प के रूप में ध्रुव जुरेल को शामिल किया। जिससे नाराज ईशान के प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाली। प्रशंसकों ने कहा कि शानदार रिकार्ड के बाद भी ईशान की जानबूझकर उपेक्षा हो रही है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेली थी। इसके बाद से ही वह टीम में जगह नहीं बना पाये हैं। ईशान के नाम 32 टी20 मैच मेचों में 6 अर्धशतकों के साथ ही 796 रन बना चुके हैं। ईशान को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि उन्होंने साल 2023 में घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए बोर्ड के निर्देशों का पालन नहीं किया था। उसके बाद ही उन्हें केंद्रीय अनुबंध भी नहीं मिला था और वह टीम में वापसी भी नहीं कर पाये हैं। किशन ने हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी में मणिपुर के खिलाफ 134 शतक लगाया था जिससे उनकी टीम 254 रन बनाकर जीती थी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 में उन्होंने 6 पारियों में 32.20 की औसत और 167.70 के स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाए थे।

# ऋषभ फिर टी20 टीम में जगह नहीं बना पाये, जुरैल और सैमसन की हुई वापसी

**मुम्बई, 12 जनवरी (एजेंसियां) ।**

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ जो 15 सदस्यीय टी20 टीम की घोषणा की हैं। उसमें एक बार फिर ऋषभ पंत जगह नहीं बना पाये हैं। युवा ध्रुव जुरेल को जगह मिली है। ऋषभ ने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्री मैच पिछले साल श्रीलंका दौरे पर खेला था। वहीं युवा ध्रुव जुरेल को 15 सदस्यीय टीम में बैकअप विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है। जुरेल ने जिम्बाब्वे दौरे के दौरान भारत की ओर से 2 टी20 मैच खेले थे.टीम में पहले विकेटकीपर के तौर पर संजू सैमसन की एक बार फिर वापसी हुई है।

इसके अलावा वॉशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को भी एक बार फिर इसमें जगह मिली है। अब इन तीनों के पास भी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी जगह पक्की करने का अवसर है। ये तीनों हाल के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भी भारतीय टीम में शामिल थे। वहीं शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों को आराम मिला है।

अब इन खिलाड़ियों के पास तरोताजा होने का समय है। इन खिलाड़ियों को इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह मिलने की संभावना है। एक साल बाद अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी भी रही। अब इस सीरीज से पता चलेगा कि उनकी फिटनेस कैसी है। शमी 2023 के एकदिवसीय विश्वकप के बाद से ही खेल से दूर थे। शमी की करीब 14 महीने बाद भारतीय टीम में वापसी हुई हैं। शमी ने एकदिवसीय विश्वकप 2023 के बाद सर्जरी कराई थी।

वहीं दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रहे ऑलराउंडर रमनदीप सिंह, विकेटकीपर जितेश शर्मा, विजयकुमार वैशाक, यश दयाल और आवेश खान को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले के लिए जगह नहीं मिली है।

भारतीय पिचें स्पिन के लिए अनुकुल मानी जाती हैं। इसे देखते हुए ही टी20 सीरीज के लिए चार स्पिनरों अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई को शामिल किया गया है। अक्षर को उपकप्तान की भी अहम जिम्मेदारी मिली है।

**इंग्लैंड के भारत दौरा का कार्यक्रम**

**पहला टी20**- 22 जनवरी- कोलकाता, दूसरा टी20- 25 जनवरी- चेन्नई, तीसरा टी20- 28 जनवरी- राजकोट, चौथा टी20- 31 जनवरी- पुणे, पांचवा टी20- 2 फरवरी- मुंबई।

**पहला एकदिवसीय** - 6 फरवरी- नागपुर, दूसरा एकदिवसीय - 9 फरवरी- कटक, तीसरा एकदिवसीय- 12 फरवरी- अहमदाबाद।

## बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद संन्यास लेना चाहते थे रोहित

**मुम्बई ।** भारतीय क्रिकेट टी के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे में मेलबर्न टेस्ट के बाद संन्यास की घोषणा करने वाले थे पर अचानक ही उन्होंने अपना फैसला बदल दिया। रोहित का प्रदर्शन इस दौरे में अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में कोच गौतम गंभीर चाहते थे कि वह संन्यास ले लें पर जब उन्होंने अपना फैसला बदला तो गंभीर नाराज हो गये। माना जा रहा है कि कि रोहित मेलबर्न में खेले गए बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के बाद खेल से संन्यास ले रहे थे पर अपने चाहनेवालों की सलाह से उन्होंने अपना फैसला बदल लिया। रोहित के संन्यास के फैसले को टालने से गंभीर खुश नहीं थे। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज 1-3 से हारी है। सीरीज का समापन होते-होते दोनो के संबंध इतने खराब हो गये थे कि वे एकदूसरे के साथ बैठते नहीं दिखे। रोहित ने सिडनी टेस्ट मैच से स्वयं ही अपना नाम वापस ले लिया था। उस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टीम इंडिया की कप्तानी की थी। तब रोहित का कहना था कि वह फार्म में नहीं थे इसलिए वो चाहते थे कि जो बल्लेबाज रन बना रहे हैं उन्हें अवसर मिले। भारतीय टीम को सिडनी टेस्ट में 3 दिन में ही हार को सामना करना पड़ा था।

# शमी की वापसी से प्रशंसकों में खुशी की लहर

**अमरोहा, 12 जनवरी (एजेंसियां) ।**

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की एक साल बाद भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी हुई है। शमी को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

इससे उनके प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी जाहिर की है। शमी के पैतृक गांव सहसपुर अलीनगर में लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।

शमी 2023 दिसंबर में हुए एकदिवसीय विश्कप के बाद से ही चोटिल होने के कारण बाहर थे। वहीं लंबे समय बाद अब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए नजर आयेंगे। प्रशंसकों को उम्मीद है कि जिस तरह का प्रदर्शन शमी ने विश्व कप में किया था, वैसा ही प्रदर्शन वह इंग्लैंड के खिलाफ भी करेंगे।

उनके एक प्रशंसक ने कहा, विश्व कप की तरह शमी एक बार फिर अपने आप को साबित करने में सफल होंगे और शानदार प्रदर्शन कर देश और शहर का सम्मान बढ़ाएंगे।

**इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलेंगे**

हाल ही में शमी ने घरेलू क्रिके में अच्छा प्रदर्शन कर अपनी फिटनेस साबित की थी।

इस तेज गेंदबाज ने रणजी ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में खेला था। हालांकि, घुटने में सूजन के कारण वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं खेल पाये थे।

### इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है :

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल (उपकप्तान), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।

## मिश्रित युगल बैडमिंटन

दोहा में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेडर में खेलते हुए जोनाथन ग्रोथ।

# चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय बांग्लादेश टीम का ऐलान

**नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां) ।**

अगले महीने 19 फरवरी से शुरू हो रही आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए घोषित 15 सदस्यीय टीम में प्रमुख अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को शामिल नहीं किया गया है। उनके अलावा खराब फार्म से जूझ रहे लिटन दास को भी स्क्वाड से बाहर कर दिया गया है।

वरिष्ठ खिलाड़ियों में विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम और ऑलराउंडर महमूदुल्लाह जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। सात टी20 मैच खेल चुके परवेज हुसैन को अपना वनडे डेब्यू करने का मौका मिला है। तेज रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले नाहिद राणा पर भी विश्वास जताया है। मेंहदी हसन मिराज और रिशाद हुसैन बांग्लादेश के दो प्रमुख स्पिनर होंगे। इनके अलावा तेज गेंदबाजी में मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद भी दल का हिस्सा हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश स्क्वाड : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), सौम्य सरकार, तंजीद हसन, तौहीद हृदोय, मुशफिकुर रहीम, महमूदुल्लाह, जाकिर अली, मेंहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन, नसीम अहमद, तंजीम हसन साकिब, नाहिद राणा।

# चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टीम चयन को लेकर आईसीसी से और समय मांगेगा बीसीसीआई

**मुम्बई, 12 जनवरी (एजेंसियां) ।**

एक ओर जहां इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जैसी टीमों ने अगले माह होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अपनी-अपनी टीमें घोषित कर दी हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक टीम चयन को लेकर कोई फैसला नहीं लिया है जबकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने सभी देशों से अपनी प्रोविजनल टीमें 12 जनवरी तक घोषित करने को कहा था।

वहीं माना जा रहा है कि भारतीय बोर्ड टीम चयन के लिए आईसीसी से और समय मांगेगा। बीसीसीआई का मानना है कि उसकी टीम ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में व्यस्त थी।

इस कारण तय समय तक टीम घोषित करना संभव नहीं है। 2025 चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम 22 जनवरी से 12 फरवरी तक इंग्लैंड के खिलाफ घर पर पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी।.

आईसीसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी सभी टीमें 13 फरवरी तक अपनी टीम में बदलाव कर सकती हैं। भारतीय चयनकर्ता टीम चयन के लिए आईसीसी की दूसरी समय सीमा का इंतजार कर सकते हैं। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी 2023 क्रिकेट विश्व कप और 2024 टी20 विश्वकप से पहले यही तरीका अपनाते हुए टूर्नामेंट से कुछ दिन पहले ही अपनी टीम घोषित की थी। पाक के अलावा श्रीलंका और बांग्लादेश ने भी 2023 विश्व कप से पहले ऐसा ही किया था.

गौरतब है कि भारतीय टीम ने अगस्त के बाद से ही कोई एकदिवसीय मैच नहीं खेला है। इसी कारण चयन समिति इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के आधार पर टीम चयन करेगी। बीसीसीआई ने 2021 टी20 विश्व कप से पहले एक बदलाव करते हुए शार्दुल ठाकुर को अक्षर पटेल की जगह शामिल किया था।

गौरतब है कि 13 फरवरी के बाद टीमें केवल आईसीसी तकनीकी समिति की सहमति के बाद ही बदलाव कर सकती हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद 23 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ उसका मुकाबला होगा।

## ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने का हैं लक्ष्य : अल्काराज़

**मेलबर्न।** स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज़ ने कहा है कि वह आज से शुरु हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत के इरादे से उतरे रहे हैं। अल्काराज़ का लक्ष्य अधिक से अधिक ग्रैंड स्लैम जीतना है। अल्काराज़ ने कहा, मेरे लिए सबसे अहम लक्ष्य ग्रैंड स्लैम और मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में जीत हासिल करना है क्योंकि ये दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट हैं। अल्काराज़ ने अब तक अपने करियर में चार ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। है। ये खिताब दिग्गज खिलाड़ियों ब्रिटेन के एंडी मरे और स्विटजरलैंड के स्टेन वावरिंका ने भी जीते थे। वहीं साल 2024 में, अलकाराज़ और जैनिक सिनर ने दो-दो मुख्य खिताब जीते थी। इस टूर्नामेंट में भी उन्हें सिनर से मुकाबला करना है। अलकाराज़ ने कहा कि जैनिक के खिलाफ खेलते समय उनकी मानसिकता बदल जाती है। उन्होंने कहा, जब मैं जैनिक का सामना करता हूं, तो अपनी पूरी ताकत से उतरता हूं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.